विश्व पर्यावरण दिवस

दैनिक नवप्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, शुक्रवार, 05 जून 2026 कृष्ण पक्ष-पंचमी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 116 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

दंडकारण्य की धरती पर प्रकृति का 'राम दरबार', पर्यावरण की रक्षा करते राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न...

अनिल सामंत

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर के घने जंगलों में एक ऐसी प्राकृतिक धरोहर मौजूद है, जो केवल वृक्ष नहीं बल्कि आस्था, इतिहास और पर्यावरण संरक्षण का जीवंत प्रतीक है। दंडकारण्य की धरती पर चार विशालकाय सागौन वृक्ष आज भी राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के नाम से पहचाने जाते हैं। लगभग 600 वर्ष पुराने ये वृक्ष समय के ऐसे साक्षी हैं, जिन्होंने कई पीढ़ियों को गुजरते देखा है और आज भी प्रकृति की महिमा का संदेश दे रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण की सीख भी दे रहे हैं।

जगदलपुर से लगभग 60 किलोमीटर दूर तिरिया वन ग्राम के बाद शुरू होने वाले माचकोट के घने जंगलों के भीतर यह अनमोल धरोहर स्थित है। कच्चे रास्तों, पहाड़ी नालों और दुर्गम वन क्षेत्र को पार करने के बाद इन वृक्षों तक पहुंचा जा सकता है। मानव हस्तक्षेप से दूर खड़े ये वृक्ष आज भी उसी गरिमा और वैभव के साथ मौजूद हैं, जैसे सदियों पहले रहे होंगे। वन विभाग द्वारा संरक्षित

नवप्रदेश विशेष

इन चारों सागौन वृक्षों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे लगभग 20 मीटर के दायरे में एक सीधी कतार में खड़े हैं। इन्हें देखकर ऐसा प्रतीत होता है मानो त्रेतायुग के चारों भाई एक साथ खड़े होकर दंडकारण्य की रक्षा कर रहे हों। इनमें सबसे विशाल वृक्ष भगवान राम के नाम से जाना ■ शेष पृष्ठ 8 पर

■ दंडकारण्य में त्रेता युग के चारों भाई के समान एक जगह मौजूद

■ 600 साल से प्रकृति की गोद में जीवित आस्था, इतिहास और पर्यावरण

स्थानीय संस्कृति और लोकविश्वास का प्रतीक

दंडकारण्य का उल्लेख रामायण में भगवान राम के वनवास से जुड़ा हुआ है। ऐसे में बस्तर के जंगलों में एक साथ खड़े चार विशाल सागौन वृक्षों को राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का नाम मिलना केवल संयोग नहीं,बल्कि स्थानीय संस्कृति और लोकविश्वास का प्रतीक है। सदियों पुराने ये वृक्ष आज भी लोगों को यह संदेश देते हैं कि प्रकृति और आस्था का रिश्ता जितना गहरा होगा,संरक्षण उतना ही मजबूत होगा।

जब पेड़ बन गए पर्यावरण संरक्षण के सबसे बड़े प्रहरी

विश्व पर्यावरण दिवस पर इन वृक्षों का महत्व और भी बढ़ जाता है। जहां दुनिया जलवायु परिवर्तन,वन संरक्षण और जैव विविधता बचाने की चिंता कर रही है, वहीं बस्तर के ये वृक्ष सदियों से बिना किसी प्रचार के पर्यावरण संतुलन की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इनकी विशाल छाया, जैव विविधता को संरक्षण देने की क्षमता और कार्बन अवशोषण की प्राकृतिक शक्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। यह वृक्ष बताते हैं कि यदि प्रकृति को सुरक्षित रखा जाए तो वह सदियों तक मानव सभ्यता की रक्षा कर सकती है।

"इन चारों सागौन वृक्षों की आयु 600 वर्ष से अधिक आंकी गई है। वहीं स्थानीय जानकार बृजलाल विश्वकर्मा बताते हैं कि ग्रामीण आज भी इन्हें देव वृक्ष मानकर श्रद्धा से पूजते हैं और बस्तर की अमूल्य प्राकृतिक विरासत के रूप में संरक्षित रखते हैं।

– **दिनेश मानिकपुरी**, पूर्व रेंजर, माचकोट रेंज

विकास के नाम पर विनाश : दुर्ग-रायपुर फोरलेन में अब पहले जैसे नहीं दिखती हरियाली

फोरलेन ने छीनी हरियाली, 20 साल बाद भी पूरे नहीं हुए वादे, छांव को तरस रहे राहगीर

अशोक श्रीवास्तव

भिलाई/ नव प्रदेश। एक समय दुर्ग से रायपुर को जोड़ने वाली लगभग 40 किलोमीटर लंबी सड़क अपनी घनी हरियाली और विशालकाय वृक्षों के लिए जानी जाती थी। सड़क के दोनों किनारों पर फैले हरे-भरे पेड़ न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते थे, बल्कि राहगीरों और वाहन चालकों को भी राहत प्रदान करते थे। ट्रक चालक इन पेड़ों की छांव में अपने वाहन खड़े कर भोजन बनाते, विश्राम करते और फिर अपनी यात्रा आगे बढ़ाते थे। लेकिन समय के साथ यह तस्वीर पूरी तरह बदल गई है।

भिलाई के नेहरू नगर से टाटीबंध तक फोरलेन सड़क निर्माण के लिए इस मार्ग के दोनों किनारों पर खड़े सैकड़ों वृक्षों की बलि दे दी गई। वर्ष 2006 में सड़क चौड़ीकरण का कार्य पूरा हो गया, लेकिन इसके साथ किए गए पर्यावरणीय वादे आज भी अधूरे हैं। निर्माण कार्य करने वाली डीएस कंस्ट्रक्शन कंपनी ने कटे हुए पेड़ों के बदले चार गुना अधिक पौधे लगाने का आश्वासन ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कुछ पौधे रोपे, सुरक्षा कहीं नहीं रही

स्थानीय लोगों का कहना है कि चार गुना पौधारोपण तो दूर, जितने पेड़ काटे गए थे, उनके मुकाबले एक चौथाई पौधे भी नहीं लगाए गए। कुछ स्थानों पर औपचारिकता निभाने के लिए पौधारोपण किया गया और फोटो सेशन कर जिम्मेदारी पूरी होने का दावा कर दिया गया। लगाए गए अधिकांश पौधे उचित देखरेख, सिंचाई और संरक्षण के अभाव में कुछ ही समय में नष्ट हो गए।

अब ठंडी छांव भी नसीब नहीं होती

आज स्थिति यह है कि जिस सड़क पर कभी हरियाली की ठंडी छांव यात्रियों का स्वागत करती थी, वहां अब गर्मी के दिनों में तपती धूप और बढ़ता तापमान लोगों की परेशानी का कारण बन रहा है। राहगीर और वाहन चालक मुट्ठी भर छांव के लिए भी तरस रहे हैं। पर्यावरण प्रेमियों का मानना है कि यदि समय रहते व्यापक स्तर पर पौधारोपण और संरक्षण का कार्य नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यह सवाल फिर उठ रहा है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने के लिए किए गए वादों का आखिर कब तक इंतजार किया जाएगा।

हसदेव अरण्य पर संकट, 7 लाख पेड़ों की कटाई को लेकर फिर उठे सवाल

आशीष दुबे

अंबिकापुर/नवप्रदेश। 5 जून को पूरा देश विश्व पर्यावरण दिवस मनाएगा। सरकारें पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और जलवायु संतुलन बनाए रखने के बड़े-बड़े दावे कर रही हैं। करोड़ों रुपये खर्च कर पौधारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य में हालात इन दावों से बिल्कुल विपरीत नजर आ रहे हैं। प्रदेश के सबसे घने वनों में शुमार हसदेव अरण्य में प्रस्तावित केते एक्सटेंशन कोल परियोजना को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। परियोजना के लिए लगभग 1742 हेक्टेयर वन भूमि प्रभावित होने की आशंका है, जबकि करीब 7 लाख पेड़ों की कटाई की संभावना जताई जा रही है। हसदेव अरण्य को छत्तीसगढ़ का ग्रीन हार्ट कहा जाता है। यह क्षेत्र केवल जंगल नहीं बल्कि हजारों आदिवासी परिवारों की आजीविका, संस्कृति और पहचान का आधार है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जंगल उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा है। भोजन, रोजगार, जल स्रोत और परंपराएं सभी इस वन क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं। ऐसे में कोयला खनन परियोजना के लिए जंगलों की कटाई उनके अस्तित्व पर सीधा खतरा बनकर उभर रही है। ग्रामीणों और आदिवासी संगठनों का आरोप है कि वे वर्षों से जल, जंगल और जमीन बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

कई बार धरना-प्रदर्शन और आंदोलन किए गए, लेकिन उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उनका ■ शेष पृष्ठ 8 पर

फ्लाई-ऐश और औद्योगिक कचरे की रिसाइक्लिंग

पर्यावरण अनुकूल सड़कें बन रहीं

■ एनएचएआई का पर्यावरण-हितैषी निर्माण पर जोर

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने आधुनिक सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में कई अभिनव पहलें की हैं। प्रकृति, वन्य जीव और आधुनिकता के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित करने का यह अनूठा मॉडल विशेष रूप से छत्तीसगढ़ की विभिन्न परियोजनाओं में धरातल पर उतरता दिखाई दे रहा है। औद्योगिक कचरे के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देकर पर्यावरण-अनुकूल सड़कों का निर्माण किया जा रहा है, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मील का पत्थर साबित हो रही हैं।

औद्योगिक कचरे की रिसाइक्लिंग से राजमार्गों का निर्माण: राजमार्ग निर्माण में थर्मल पावर प्लांट की फ्लाई-ऐश (राख) का उपयोग करके एनएचएआई ने पर्यावरण संरक्षण की एक नई मिसाल पेश की है, जिसका बड़ा हिस्सा छत्तीसगढ़ की बिजली परियोजनाओं से निकलने वाले कचरे को खपाने में काम आ रहा है। छत्तीसगढ़ में विभिन्न परियोजनाओं में वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 2.17 करोड़ मीट्रिक टन और वर्ष 2025-26 में 62 लाख मीट्रिक टन से अधिक फ्लाई-ऐश को सड़क निर्माण में खपाया गया, जबकि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक लगभग 20 लाख मीट्रिक टन फ्लाई-ऐश का उपयोग किया जा चुका है। इतना ही नहीं, स्टील उद्योग के अपशिष्ट यानी स्लैग, अनुपयोगी टायरों के रबर और बायो-बिटुमेन जैसी वैकल्पिक सामग्रियों को रिसायकल कर वर्ष 2024-25 में 30,477 मीट्रिक टन तथा वर्ष 2025-26 में 2691 मीट्रिक टन सामग्रियों का उपयोग करके ग्रीन-हाइवे की परिकल्पना को साकार किया गया है।

जल संरक्षण और भूजल संवर्धन का प्रयास

सड़क निर्माण के साथ-साथ जल संरक्षण और भूजल संवर्धन पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। राजमार्गों के आस-पास के ग्रामीण अंचलों सहित देशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे 13 अमृत सरोवरों का जीर्णोद्धार और निर्माण किया गया है। वर्षा जल संचयन को गति देने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग पिट्स की संख्या को वर्ष 2024-25 में 14 से बढ़ाकर अगले ही वर्ष 105 कर दिया गया।

संवेदनशील वनों में इको-फ्रेंडली इन्फास्ट्रक्चर

वन्य जीवों के प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने के लिए एनएचएआई ने छत्तीसगढ़ की विभिन्न परियोजनाओं में बेहद संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्रों में अत्याधुनिक इको-फ्रेंडली इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया है। छत्तीसगढ़ के सीतानदी-उदंती अभ्यारण्य के संवेदनशील क्षेत्र में करीब 3 किलोमीटर लंबा अत्याधुनिक सुरंग इसका नायाब उदाहरण है।

बी-कॉरिडोर और मेडिसीन पार्क से स्थानीय समृद्धि

हाइवे को एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने छत्तीसगढ़ के मैदानी और वनांचल मार्गों के किनारों पर एनएचएआई द्वारा कई अनोखे प्रयोग किए जा रहे हैं। सड़कों के किनारे विशेष बी-कॉरिडोर (मधुमक्खी गलियारा) विकसित किया जाएगा, जिससे आसपास के खेतों में प्राकृतिक परागण बढ़ेगा और स्थानीय किसानों की फसल उत्पादकता में वृद्धि होगी। वहीं, बंजर और खाली पड़ी जमीनों पर मेडिसीन पार्क (औषधि वन) तैयार कर नीम, तुलसी, एलोवेरा और आंवला जैसे हजारों औषधीय पौधे लगाए जाएंगे।

एक पेड़ मां के नाम

सारंगढ़-बिलाईगढ़: सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरुवार को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला विकासखंड स्थित ग्राम भीखमपुरा पहुंचे। यहां उन्होंने एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण किया। मुख्यमंत्री ने पौधा रोपकर इसके संरक्षण का आह्वान किया।

आओ मिलकर धरती को संवारें

आज विश्व पर्यावरण दिवस बनाया जा रहा है। यह दिन पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को जागरुकता देने और प्रेरित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। हर साल 5 जून को पर्यावरण दिवस वैश्विक स्तर पर मनाया जाता है। पर्यावरण हमारे आसपास का परिवेश है जिसमें जीव जंतु, पेड़ पौधे, जल वायु सब कुछ शामिल है। ये जीवनदायनी है। हालांकि गलत तरीके से इसका दोहन पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है जिससे जन जीवन मुश्किल में है। ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन इसका प्रमुख कारण है। इसे रोकने के लिए और जीवन जीने के लिए जरूरी घटकों को प्रभावित होने से बचाने के लिए पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दें। किसी एक प्रयास से ये संभव नहीं, इसलिए सबकी को पर्यावरण को बचाने के लिए प्रेरित करें। ये प्रेरणा आप सभी को विश्व पर्यावण दिवस के जागरूकता संदेश भेज कर दे सकते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

- विश्व पर्यावरण दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रकृति को समर्पित दुनियाभर में मनाया जाने वाला सबसे बड़ा उत्सव है। पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है फिर भी हमें अलग से यह दिवस मनाकर पर्यावरण के संरक्षण, संवर्धन और विकास का संकल्प लेने की आवश्यकता है। यह बात चिंताजनक ही नहीं, शर्मनाक भी है।
- पर्यावरण प्रदूषण की समस्या पर सन् 1972 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने स्टॉकहोम (स्वीडन) में विश्वभर के देशों का पहला पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया। इसमें 119 देशों ने भाग लिया और पहली बार एक ही पृथ्वी का सिद्धांत मान्य किया।
- पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 19 नवंबर 1986 से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम लागू हुआ। उसके जल, वायु, भूमि – इन तीनों से संबंधित कारक तथा मानव, पौधों, सूक्ष्म जीव, अन्य जीवित पदार्थ आदि पर्यावरण के अंतर्गत आते हैं।
- इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का जन्म हुआ तथा प्रति वर्ष 5 जून को पर्यावरण दिवस आयोजित करके नागरिकों को प्रदूषण की समस्या से अवगत कराने का निश्चय किया गया। इसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाते हुए राजनीतिक चेतना जागृत करना और आम जनता को प्रेरित करना था।
- उक्त गोष्ठी में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने 'पर्यावरण की बिगड़ती स्थिति एवं उसका विश्व के भविष्य पर प्रभाव' विषय पर व्याख्यान दिया था। पर्यावरण-सुरक्षा की दिशा में यह भारत का प्रारंभिक कदम था। तभी से हम प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाते आ रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण की अपील

रायपुर/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 के अवसर पर रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड़ तथा एमआईसी सदस्यों एवं पार्षदों ने नगरवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की है। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की देखभाल महत्वपूर्ण है। अपने घरों की अनुपयोगी वस्तुएं जैसे जूते-चप्पल, पुस्तकें, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान एवं नगर निगम के आरआरआर केंद्रों में जमा कराने का आग्रह किया है।

सिर्फ पेड़ नहीं, गांव की विरासत : 200 वर्षों से ग्रामीणों के सुख-दुख का साथी बना पीपल पेड़

इतिहास की छांव में आज भी जी रहा धमतरी का यह गांव

राजेश रायचुरा

धमतरी/नवप्रदेश। आधुनिकता की दौड़ में जहां एक ओर विकास के नाम पर हरियाली की बलि दी जा रही है, वहीं दूसरी ओर धमतरी जिले के ग्राम भोथली में ग्रामीणों ने पर्यावरण संरक्षण की एक अनूठी मिसाल पेश की है। ग्राम भोथली के हृदय स्थल पर स्थित एक ऐतिहासिक पीपल का पेड़ पिछले 200 से अधिक वर्षों से न सिर्फ गांव की पहचान बना हुआ है, बल्कि ग्रामीणों के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का केंद्र भी है। व्यापारिक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पुरखों की धरोहर को आज भी संजोए हैं ग्रामीण

ग्राम भोथली निवासी मनमोहन तेलासी ने बताया कि यह पीपल का वृक्ष उनके दादा-परदादाओं के जमाने का है, जिसकी उम्र 200 वर्ष से भी अधिक आंकी गई है। ग्रामीणों ने इस धरोहर को आज भी पूरी तरह सुरक्षित और संरक्षित रखा है। गांव का मुख्य चौक होने के कारण इसे गांव का 'हृदय स्थल' माना जाता है। इस पेड़ के नीचे पंचायत द्वारा एक चबूतरा भी बनाया गया है, जो वर्तमान में जर्जर स्थिति में है, लेकिन ग्रामीण भविष्य में इसके नवनिर्माण के लिए प्रयासरत हैं।

वैज्ञानिक महत्व: ऑक्सीजन का अटूट स्रोत: ग्रामीणों के अनुसार, इस पेड़ का केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि बड़ा वैज्ञानिक महत्व भी है। यह वृक्ष निरंतर भारी मात्रा में ऑक्सीजन उत्सर्जित करता है, जिससे आसपास का वातावरण सदैव शुद्ध और ऊर्जावान बना रहता है। पक्षियों के लिए भी यह एक सुरक्षित आश्रय स्थल है। ग्रामीणों का कहना है कि वे किसी भी कीमत पर इस पेड़ को कटने नहीं देंगे और अपने पुरखों द्वारा लगाए गए इस जीवनदायिनी वृक्ष की सेवा निरंतर करते रहेंगे।

सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का केंद्र

यह ऐतिहासिक स्थल गांव की धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का साक्षी रहा है। पेड़ से ही लगा हुआ गांव का 'रामलीला चौक' है, जहां वर्षों से रात्रि कालीन नाटकों और रामलीला का आयोजन होता आया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं को वृक्षों में पीपल बताया है। इसी आस्था के चलते ग्रामीण इस वृक्ष में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का वास मानते हैं और प्रतिदिन शाम को पेड़ के समीप दीपदान कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सभी जोन में होगा व्यापक पौधारोपण अभियान

■ पौधारोपण और सुरक्षा संकल्प लेंगे संकल्प

रायपुर/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 के अवसर पर रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा शहर के सभी जोन क्षेत्रों में जनसहभागिता से व्यापक स्तर पर विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह अभियान केन्द्र सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप संचालित किया जाएगा। नगर निगम के उद्यानिकी एवं पर्यावरण विभाग के अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय ने सभी जोन कमिश्नरों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में वृक्षारोपण के लिए उपयुक्त स्थलों का चयन करें तथा जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, स्वसहायता समूहों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करें। निर्देशों में वृक्षारोपण स्थलों पर पूर्व तैयारी, गड्ढों की खुदाई तथा पौधों के संरक्षण एवं नियमित संधारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। निगम प्रशासन का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा शहर में हरित क्षेत्र का विस्तार करना है।

पानी है तो पेड़ हैं और पेड़ हैं तो पानी है : राज्यपाल डेका

रायपुर/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय संकट और भविष्य में संभावित जल संकट को देखते हुए प्रत्येक नागरिक को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। राज्यपाल ने कहा कि जल और जंगल एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि पानी रहेगा तो पेड़-पौधे सुरक्षित रहेंगे और यदि पेड़ रहेंगे तो जल स्रोतों का संरक्षण संभव होगा।

राज्यपाल ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। उन्होंने कहा कि एक पौधा लगाना केवल पर्यावरण संरक्षण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य में योगदान है। वृक्ष पृथ्वी के प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने, वर्षा चक्र को मजबूत करने और भूजल स्तर को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि देश और दुनिया के अनेक क्षेत्रों में जल स्रोत लगातार घट रहे हैं। भविष्य में जल संकट और गंभीर हो सकता है। वर्षा जल संचयन, जल का विवेकपूर्ण उपयोग, तालाबों और जल स्रोतों का संरक्षण तथा वृक्षारोपण जैसे प्रयास सामूहिक रूप से किए जाएं तो आने वाले वर्षों में जल संकट की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है।

लोक भवन और नया रायपुर स्थित निर्माणाधीन लोक भवन में करेंगे वृक्षारोपण: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका लोक भवन तथा नया रायपुर स्थित निर्माणाधीन लोक भवन परिसर में वृक्षारोपण करेंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे जनभागीदारी के माध्यम से एक व्यापक सामाजिक अभियान का स्वरूप दिया जाना चाहिए। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, जल बचाएं और प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

लोक भवन के कर्मचारियों को पौधे भेंट: विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर राज्यपाल श्री डेका ने लोक भवन के कर्मचारियों को पौधे भेंट किए तथा उन्हें अपने घरों एवं आसपास पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर लोक भवन के सभी कर्मचारियों के लिए निशुल्क पौधों के वितरण की व्यवस्था की गई है।

आफ्टर केयर योजना से संवर रहा युवाओं का भविष्य

बेमेतरा/नवप्रदेश। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगई एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, बेमेतरा के मार्गदर्शन में किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के पुनर्वास और भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बाल गृह कवर्धा में विगत तीन वर्षों से निवासरत एक बालक को आफ्टर केयर योजना के अंतर्गत स्वरोजगार एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की पहल की गई है। बाल कल्याण समिति, जिला बेमेतरा द्वारा पुनर्वास की कार्यवाही करते हुए बालक चंद्रशेखर साहू (18 वर्ष) को जिला धमतरी स्थित प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन में फूड एंड बेवरेज व्यवसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु भेजा गया है। यह प्रशिक्षण बालक को आतिथ्य एवं सेवा क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने योग्य कौशल प्रदान करेगा, जिससे वह आत्मनिर्भर बनकर अपने जीवन को नई दिशा दे सकेगा। शासन की इस पहल का उद्देश्य ऐसे बच्चों को शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों से जोड़कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में सशक्त रूप से स्थापित करना है। बालक की एकल माता ने शासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि व्यावसायिक प्रशिक्षण मिलने से उनके पुत्र के उज्ज्वल भविष्य और रोजगार की संभावनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने इस पहल को जरूरतमंद बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आफ्टर केयर योजना के माध्यम से संस्थाओं से बाहर आने वाले युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, रोजगार, शिक्षा एवं पुनर्वास से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर सम्मानजनक जीवन जी सकें। शासन की यह पहल जरूरतमंद बच्चों के भविष्य को सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हो रही है।

धमतरी को मिली विकास की नई रफ्तार

दो फोरलेन सड़कों एवं शहर के नए डिवाइडर निर्माण कार्य का शुभारंभ

■ **आधुनिक, व्यवस्थित और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित होगा धमतरी शहर**

धमतरी/नवप्रदेश। जिले में आधुनिक एवं सुव्यवस्थित शहरी अधोसंरचना के विकास की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। शहर की दो प्रमुख फोरलेन सड़क परियोजनाओं तथा नए डिवाइडर निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। रत्नाबांधा चौक से मुजगहन, सिहावा चौक से कुल्यारी तक प्रस्तावित फोरलेन सड़क तथा शहर के मध्य निर्मित किए जाने वाले डिवाइडर कार्य का शुभारंभ महापौर नगर निगम श्री रामू रोहरा ने नारियल फोड़कर किया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा, अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा देवहारी, एसडीएम श्री पीयूष तिवारी, श्री नभ सिंह, एस डी ओ मुरलीधर पैकरा लोक निर्माण,जनप्रतिनिधिगण, पार्षदगण, लोक निर्माण विभाग एवं नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।लोक निर्माण विभाग द्वारा रत्नाबांधा चौक से

मुजगहन तक लगभग 4.4 किलोमीटर लंबाई की फोरलेन सड़क निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। परियोजना के अंतर्गत आवश्यक वृक्षों की कटिंग एवं अन्य प्रारंभिक कार्य शुरू हो चुके हैं तथा निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इसी प्रकार सिहावा चौक से कुल्यारी तक लगभग 5 किलोमीटर लंबाई की सड़क को भी फोरलेन स्वरूप में विकसित किया जाएगा।

दोनों परियोजनाओं में सड़क चौड़ीकरण के साथ आधुनिक पाथ-वे, सुव्यवस्थित जल निकासी व्यवस्था, सड़क सुरक्षा संबंधी आवश्यक सुविधाएं, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था तथा व्यापक सौंदर्यीकरण कार्य शामिल किए गए हैं। भविष्य में पेयजल पाइपलाइन एवं अन्य शहरी सेवाओं के विस्तार को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्यों में अग्रिम प्रावधान किए जा रहे हैं, जिससे बार-बार सड़क खोदने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा नागरिकों को दीर्घकालिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। महापौर श्री रामू रोहरा ने कहा कि धमतरी को स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित एवं आधुनिक शहर के रूप में विकसित करने के लिए नगर निगम एवं जिला प्रशासन समन्वित रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फोरलेन सड़कें केवल यातायात को सुगम बनाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि व्यापार, निवेश, पर्यटन एवं आर्थिक गतिविधियों को भी गति प्रदान करेंगी। सड़कों के दोनों ओर हरित पट्टियां, आकर्षक पाथ-वे एवं सौंदर्यीकरण कार्य शहर की सुंदरता को नई पहचान देंगे। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि धमतरी शहर तेजी से विकसित हो रहा है और आने वाले वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अधोसंरचना विकास के कार्य सुनियोजित ढंग से किए जा रहे हैं।

महापौर-कलेक्टर ने वार्डों में सफाई और निर्माण कार्यों का लिया जायजा

■ **पीलिया पीड़ित परिवारों से की मुलाकात**

राजनांदगांव/नवप्रदेश। मूलभुत सुविधा बिजली, पानी, सफाई का हाल जानने महापौर श्री मधुसूदन यादव एवं कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव सुबह वार्डो मे पहुँचे। उन्होंने वार्ड नं. 42 राजीव नगर में साफ सफाई का जायजा लेकर पीलिया प्रभावित परिवार से मुलाकात की। इसके अलावा निर्माण कार्य निरीक्षण की कडी में आडिटोरियम मरम्मत कार्य तथा गंजपारा स्कूल जीर्णोद्धार कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, सांसद प्रतिनिधि श्री देवशरण सेन, पार्षद प्रतिनिधि श्री राजेश यादव की उपस्थिति रही।

महापौर श्री यादव व कलेक्टर श्री यादव राजीव नगर में पीलिया प्रभावित परिवार से मुलाकात कर उनसे स्वास्थ्य संबंधी चर्चा किए। पीडितो ने जानकारी दी कि वर्तमान में बढ़ी गर्मी तथा बच्चों द्वारा बाहर खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हुआ, पानी साफ आ रहा है। महापौर ने कहा कि खान पान का विशेष ध्यान रखे, पानी उबालकर व छानकर पीये। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी से कहा कि वार्ड में साफसफाई का विशेष ध्यान रखा जाए, क्लोरिंन टेबलेट का वितरण करे, गड्ढो में भरे पानी की निकासी कराए। जल प्रभारी अधिकारी को प्रतिदिन पानी में क्लोरिंन जॉच कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि पानी में क्लोरिंन की मात्रा की जॉच करे, नालियो की सफाई कर कचरा नियमित रूप से उठावें, दवा का छिडकाव करे।

ग्रामवासियों की मांग पर तालाब में पथरी निर्माण के लिए 6 लाख रुपए की घोषणा

बेमेतरा/नवप्रदेश। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल की अगुवाई में विकासखंड नवागढ़ के ग्राम पंचायत बैहरसरी में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं, जिनमें से अनेक प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मंत्री बघेल ने कहा कि राज्य के प्रत्येक नागरिक के जीवन में खुशहाली लाना और उन्हें तरक्की के अवसर उपलब्ध कराना शासन की मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विकास की किरण समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यही सरकार का संकल्प है।मंत्री बघेल ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम जनता से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

समावेशी विकास और जनकल्याण पर विशेष जोर-मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण, युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार, किसानों की आय वृद्धि तथा कमजोर वर्गों के सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित निगरानी करें, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके।

कोसमर्रा चोरी कांड का खुलासा, 3 आरोपी गिरफ्तार, सोने-चांदी के जेवरात बरामद

धमतरी/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक धमतरी श्री सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में थाना भखारा पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने सूने मकान में चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गए सोने-चांदी के जेवरात एवं वारदात में प्रयुक्त औजार बरामद किए हैं।

प्रकरण में प्रार्थी कृष्ण कुमार कोसरे, निवासी ग्राम कोसमर्रा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि दिनांक 13 मई 2026 को वह अपने परिवार सहित पारिवारिक कार्यक्रम में ग्राम अभनपुर गए हुए थे।दिनांक 17 मई 2026 को वापस लौटने पर उनके मकान का मुख्य दरवाजा एवं आलमारी का लॉक टूटा हुआ मिला तथा घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम चोरी होना पाया गया।

चोरी गए मशरूका की कुल कीमत लगभग 50,700/- रुपये थी।मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी धमतरी द्वारा तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए थे जिस पर थाना भखारा पुलिस एवं सायबर टीम द्वारा तत्काल जांच प्रारंभ कर मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया।विवेचना के दौरान प्राप्त सूचना के आधार पर संदेही घनश्याम यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी हेमन्त उर्फ सोनू मानिकपुरी के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि दोनों ने सूने मकान का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया तथा आलमारी का लॉक तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम चोरी की थी। चोरी के बाद दोनों ने आपस में जेवरात का बंटवारा कर लिया तथा नगदी राशि खर्च कर दी।

आरोपी घनश्याम यादव के मेमोरण्डम कथन के आधार पर उसके कब्जे से चोरी गए जेवरात एवं घटना में प्रयुक्त कुदारी बरामद की गई। इसके बाद पुलिस टीम द्वारा रायपुर पहुंचकर हेमन्त उर्फ सोनू मानिकपुरी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने भी अपराध स्वीकार करते हुए अपने हिस्से के चोरी के जेवरात बरामद कराए। जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि चोरी गए सोने के गुलबंद को बेचने के उद्देश्य से आरोपी हेमन्त ने अपने परिचित ओमप्रकाश सोनी को दिया था।

औषधि पौधों की खेती के लिए शासन किसानों की हर संभव मदद करेगा: अंजय शुक्ला

■ **औषधि पौधों की खेती चुनना समृधि की राह श्री विकास मरकाम**

धरसीवां कुरा/ नवप्रदेश। आज 03 जून को छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड (छत्तीसगढ़ शासन] वन विभाग) द्वारा सजीव वच विदोहन प्रशिक्षण धमतरी ग्राम राउतमुड़ा में आयोजित किया गया। जिसमें धमतरी और आदिवासी अंचल नारायणपुर (अबूझमाड़) के ग्रामीण क्षेत्रों से किसानो आमत्रित किया गया।

कार्यक्रम में बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम ने किसानो से चर्चा करते हुए किसान से कहा कि वे औषधि पौधों की खेती कर बोर्ड के माध्यम से शासन की योजनाओ का लाभ लेकर समृधि की राह चुने। इस मौके पर बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला ने किसानो से कहा की बोर्ड औषधि पौधों की खेती के लिए किसानो की हर संभव मदद करेगा।

सजीव वच विदोहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम एवं उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला के स्वागत से किया गया। इस दौरान श्री फक्कीरराम कोसरिया जी ने धमतरी जिले बोर्ड द्वारा किये जा रहे कार्यो की जानकारी दी। तत्पश्चात बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जे.ए.सी.एस.राव ने बताया की बोर्ड पैडी डायवर्सन मॉडल अंतर्गत किसानों को धान की पारंपरिक खेती में हो रहे नुकसान को लाभ में बदलने के लिए 'वच' की खेती एक उत्तम विकल्प है जिसमे कुल लागत मात्र 20,000 रुपये तक आती है, और 1 साल में किसानों को एक एकड़ से लगभग एक लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हो सकती है।

वच के खेत में सजीव वच विदोहन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमे वच की जड़ को खेतों से हार्वेस्ट करने के लिए ट्रेक्टर के माध्यम से आडी-तिरछी जुताई की गई, जिससे समस्त वच की जडे मिटटी से बाहर आ गई, बाहर निकली हुई जड़ो से मिटटी को अच्छी तरह झाड़कर छायादार स्थान पर एकत्र किया गया, तत्पश्चात तेज धार वाले गड़ासे से मुख्य जड़ से लगी हुई अतिरिक्त जड़ो को अलग कर दिया गया, और इसके पश्चात् मुख्य जड़ को 2 से 3 इंच के छोटे छोटे टुकडो में काटकर एकत्रित कर दिया गया इन जड़ो को तेज धूप में अच्छी तरह सुखाने के पश्चात् बिक्री हेतु बोरो भरकर भेजा जाएगा।

कार्यक्रम में बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम, उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जे.ए.सी.एस.राव, श्री डी.के. एस.चौहान (सलाहकार-औषधि पौधों की खेती), श्री फक्कीरराम कोसरिया (कोड्ड्ऑर्डिनेटर ड्ड धमतरी) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में धमतरी के ग्राम राउतमुड़ा और आस पास के ग्रामो तथा नारायणपुर के ग्राम कोहाकमेटा, किल्काड से लगभग 50 किसानो द्वारा भागीदारी की गई।कार्यक्रम के उपरांत बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम, उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला ने धमतरी के ग्राम पोतियाडीह में माँ गायत्री स्व सहायता समूह द्वारा 2 एकड़ की जा रही खस की खेती का भी निरीक्षण किया।

खेती-किसानी के काम में जुटे किसान

बेमेतरा/नवप्रदेश। क्षेत्र के ग्राम सिंघनपुरी,खपरी,बाराडेरा,खाम्ही में खरीफ फसल की तैयारी को लेकर किसानों द्वारा खेतों में जुताई का कार्य तेजी से किया जा रहा है। आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए अभी से खेतों के कांटे की सफाई करने में जूट गए है। ताकी समय पर बुवाई कर अच्छी पैदावर प्राप्त किया जा सके इसी क्रम में ग्राम सिंघनपुरी के किसान शोभा रात्रे,मालिक राम सोनवानी ,बहोरिक रात्रे संजू कोसले सहित क्षेत्र के किसान टेऊ्रटर एवं कृषि उपकरणों की सहायता से खेतों की गहरी खुदाई करने में भूमि की ऊपरी कठोर परत टूट जाती है इसके साथ ही वर्षा का पानी भूमि में आसानी से समाहित हो जाता है। जिससे फसलों को पर्याप्त पोषण मिलता है टैऊ्रटर मालिक नरेंद्र मोदी सहित किसानों का कहना है कि समय रहते खेतों की तैयारी करने से धान ,मक्का,सोयाबीन एवं

अन्य फसलों की बुवाई में सुविधा होती है। वर्तमान में कई किसान टैऊ्रटरों से खेतों की जुताई कर भूमि को समतल बनाने में लगे है। ग्रामीण अंचलों में सुबह से शाम तक खेतों में कृषि कार्यो की गतिविधियां देखी जा रही है। कृषि विभाग ने भी किसानों से उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने तथा प्रमाणित बीज एवं संतुलित उर्वरकों का उपयोग की अपील की हैं।

विडंबना: एक साल से बंद है स्कूल, कक्षाएं प्राथमिक शाला भवन में हो रही संचालित

करदा का हाईस्कूल जर्जर, बदहाली पर बहा रहा आंसू

कोलिहा (लवन)/नवप्रदेश। राज्य सरकार भले ही स्कूली शिक्षा सुधारने का दावा कर रही हो, लेकिन बलौदाबाजार जिले के अधिकांश स्कूल अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। कुछ इसी तरह का मामला लवन तहसील के अंतर्गत ग्राम करदा की हाई स्कूल का सामने आया है जो पूरी तरह से जर्जर हो गई है।

स्कूलों में बच्चों की गर्मी की छुट्टी 15 जून तक है, 16 जून से नये सत्र की कक्षाएं लगेगी। ऐसे में स्कूल की मरम्मत के लिए शाला विकास समिति के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार साहू एवं प्रभारी प्रिंसिपल ने सुशासन तिहार में जर्जर स्कूल भवन का मरम्मत कराने के संबंध में विभिन्न बार मांग कर चूके है। फिर भी हाई स्कूल भवन की मरम्मत के लिए शासन-प्रशासन के द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए है। ग्राम करदा में संचालित हाई स्कूल का भवन पूरी तरह से जर्जर अवस्था में पहुंच चूका है। कोई भी ऐसा कमरा नहीं है जो जर्जर अवस्था में न हो, सभी कमरों का टाईल्स पत्थर निकल रहे है, छत एवं दीवाल में दरारे पड़ रहे है।

शौचालय की स्थिति बद से बदतर हालत में है। शौचालय का टैंक भी पूरी तरह से क्षत विक्षत हो चूका है। यहां पानी की व्यवस्था नहीं है। बोर खनन हुआ है लेकिन पानी नहीं निकल रहा है। इन सब स्थिति को देखते हुए यहां के प्रभारी प्राचार्य ने 9वीं एवं 10वीं कक्षाएं प्राथमिक शाला भवन में अस्थाई रूप से सत्र 2025 से कर रहे है। क्योंकि हाई स्कूल का भवन अत्यधिक जर्जर हो गया है। यहां पढ़ने वाले विद्यार्थी हादसे के साये में शिक्षा ले रहे थे। लेकिन प्रभारी प्रिंसिपल ने भवन की मौजुदा स्थिति को देखते हुए हाई स्कूल की कक्षाएं दूसरी जगह शिफ्ट कराना उचित समझा। करदा का यह हाई स्कूल भवन 96 लाख रूपये की लागत से 2014 में बनकर तैयार हुआ है जहां 2022 से कक्षाएं प्रारंभ की गई। यह स्कूल 9वीं से 12वीं तक के लिए बनवाया गया था। लेकिन 11वीं एवं 12वीं कक्षा अभी तक प्रारंभ नहीं हो पाया है।

> क्या कहते है शाला विकास समिति अध्यक्ष
> हमारे द्वारा कलेक्टर जनदर्शन, सुशासन तिहार सहित अनेक जगहों पर आवेदन देकर जर्जर हाई स्कूल भवन की मरम्मत कराने की मांग कर चूके है, लेकिन अभी तक शासन प्रशासन के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पिछले सत्र में हाई स्कूल का संचालन प्राथमिक स्कूल में शिफ्ट किया गया था। इस वर्ष भी शिफ्ट हिसाब से पढ़ाई होगी।
>
> **- नरेन्द्र साहू, अध्यक्ष**
>
> शाला विकास समिति हाई स्कूल करदा
> हाई स्कूल भवन अत्यधिक जर्जर होने की वजह से हमने कक्षा का संचालन बंद कराके प्राथमिक शाला भवन में शिफ्ट वार करा रहें है। भवन की मरम्मत की मांग हमने कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, सुशासन तिहार में आवेदन देकर मांग कर चूके है, अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है।
>
> **ईतवारा बाई पैकरा, सरपंच**
> **ग्राम पंचायत करदा**
>
> क्या कहते है प्रभारी प्राचार्य
> हाई स्कूल करदा जर्जर स्थिति में होने की वजह से मिडिल स्कूल में हाई स्कूल का संचालन करा रहे है। स्कूल में पानी की व्यवस्था नहीं है। हमने जिला शिक्षा अधिकारी बलौदाबाजार और सुशासन तिहार में आवेदन देकर हाई स्कूल भवन की मरम्मत की मांग कर चूके है।
>
> **कृष्ण कुमार नागेश, प्राभारी प्राचार्य**
> **हाई स्कूल करदा**

विश्व पर्यावरण दिवस

दैनिक **नवप्रदेश**

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, शुक्रवार, 05 जून 2026 | कृष्ण पक्ष-पंचमी, | विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 116 | पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

हरियाली की अनोखी मुहिम: हम गुजरे कल में रहते हैं, यादों के सब जुगनू जंगल में रहते हैं

हरिओम चौहान

नवप्रदेश विशेष

दुर्ग/नव प्रदेश। दुर्ग जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर शिवनाथ नदी के सुरम्य तट पर स्थित है एक छोटा सा गांव पीसेगांव। जो पर्यावरण प्रेमियों के लिए प्रेरणा का प्रकाश पुंज है। यह पूरा गांव पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। यहां एक भी ऐसा घर या परिवार नहीं है, जिसने अपने दिवंगत परिजनों के नाम पर वृक्षारोपण न किया हो। ये न सिर्फ अपने परिजनों की स्मृति में पौधा लगाते हैं बल्कि आजीवन उनसे जीवंत रिश्ता निभाते। यहां स्थित नवग्रह वाटिका और जन्म शताब्दी वन में गांव के लोग पिछले दो दशकों के दौरान चार हजार से भी अधिक पौधे लगा चुके हैं।

प्रतिदिन पेड़ों की करते हैं पूजा: इस गांव की परंपरा रही है कि दिवंगत परिजनों की स्मृति में लगाए गए पौधों के साथ जीवंत रिश्ता बनाए रखना होता है। यहां लगे वृक्षों में कोई किसी का पिता है, कोई किसी का पति है तो कोई किसी का भाई या बहन है। जिनसे मिलने वे रोज आते हैं। उनकी पूजा करते हैं। परिजन की तरह ही देखभाल करते हैं और उनके पास बैठकर बतियाते हैं। उन्हें अपना दुख दर्द बताते हैं। ऐसा करके उन्हें आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। मधु देशमुख नामक महिला ने बताया कि उसने अपनी मां स्व. लक्ष्मी देशमुख की स्मृति में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

■ पर्यावरण प्रेमियों के लिए प्रेरणा का प्रकाश पुंज है पीसेगांव

■ जहां पेड़-पौधों को से जीवंत रिश्ता निभाते हुए घंटों बतियाते हैं लोग

यादों के जुगनुओं का जंगल

पीसेगांव के लोगों ने अपने गांव में दिवंगत परिजनों की याद में जुगनुओं का जंगल ऊगा रख है। जिसे देखकर बरबस ही यह प्यारा गीत जुबान पर आ जाता है कि- आने वाला कल एक सपना है गुजरा हुआ कल बस अपना है, हम गुजरे कल में रहते हैं, यादों के सब जुगनू जंगल में रहते हैं...। वाकई यह गांव यहां के बाशिंदों के दिवंगत परिजनों की यादों का रमणीय जंगल बनता जा रहा है। पेड़ पौधों से उनका जीवंत और अटूट रिश्ता न सिर्फ छत्तीसगढ़ प्रदेश बल्कि पूरे देश के पर्यावरण प्रेमियों के लिए अनुकरणीय है। अब यहां के लोग अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह और गृह प्रवेश जैसे शुभ अवसरों पर भी पौधारोपण करते हैं। जिसमें दो साल के बच्चे से लेकर अस्सी साल के बुजुर्ग तक सभी इस पुण्य कार्य में अपनी सहभागिता दर्ज कराते हैं। हैरत होती है कि आज के आपाधापी के समय में भी पीसेगांव के लोग पेड़ पौधों की सेवा और पर्यावरण संरक्षण के लिए इतना वक्त निकाल पाते हैं। निश्चित रुप से उनका यह सद् प्रयास अतुलनीय, अविस्मरणीय और अनुकरणीय है।

आज बेबाक

चिचिया- चिचिया कर खेला होबे.. का नारा लगाकर खुद को सबसे बड़ा खिलाड़ी समझने का ममता बानो का मुगालता दूर हो गया। टीएमसी के अस्सी में से साठ विधायकों ने उनके साथ ऐसा खेला किया कि बुआ भतीजा घर के रहे न घाट के। जिस विधायक ऋतब्रत बनर्जी को उन्होंने निलंबित किया था वे नेता प्रतिपक्ष बन गए। अब ममता बानो कलप रही है - उड़ी बाबा ये क्या हो गया रे..। अब पछताए का होत है, चिड़िया तो चुग गई खेत। करनी का फल तो भुगतना ही पड़ेगा। यह तो अभी आगाज हुआ है अंजाम तो और भी बुरा होगा।

मोदी करेंगे 21,700 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को गुजरात और केंद्र शासित प्रदेश दादर और नगर हवेली तथा दमन-दीव का दौरा करेंगे और सड़कों, स्वास्थ्य सेवा, विमानन, औद्योगिक बुनियादी ढांचे, पर्यटन तथा समुद्री संपर्क से जुड़ी 21,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानमंत्री की यात्रा सूरत से शुरू होगी, जहां वह हजीरा में चल रहे औद्योगिक कार्यों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे।

दिल्ली होटल आग मामले में मालिक 4 दिन पुलिस रिमांड पर

नई दिल्ली/ए.। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था। वहीं, बजाज ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया। उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया।

गरमा-गरम

चुनाव: सहसपुर लोहारा, बम्हनीडीह और शिवनंदनपुर में भाजपा को जीत, पलारी में कांग्रेस को सफलता

कहीं खिला कमल तो कहीं हाथ को मिला जनता का साथ, जीत का जश्न

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के अलग अलग जिले के वार्डों में हुए उप चुनाव के नतीजे आ गए हैं। बिलासपुर और जगदलपुर नगर निगम उपचुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। जगदलपुर नगर निगम के इंदिरा वार्ड से कांग्रेस प्रत्याशी रामकृष्ण तिवारी ने 436 वोटों से बीजेपी के मनोहर दत्त तिवारी को हराया है। मनोहर दत्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव के करीबी हैं। बिलासपुर में वार्ड क्रमांक 29 के उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी शेख आजम ने भाजपा के मधुसूदन राव को 1062 वोटों से हराया। उपचुनाव के नतीजों के मुताबिक, कांग्रेस ने 6 सीटों और भाजपा ने 3 सीटों पर उपचुनावों में जीत दर्ज की है।

सूरजपुर (शिवनंदनपुर), कवर्धा (सहसपुर लोहारा) और जांजगीर चांपा (बमनीडीह) में बीजेपी की जीत हुई है। वहीं घुमका, पलारी नगर पंचायत (अध्यक्ष पद) चारामा वार्ड 13 और पखांजूर सभी में कांग्रेस की जीत हुई है। इन नतीजों पर कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि जनता का विश्वास ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कांग्रेस ने मधुसूदन को हराया

बिलासपुर निगम में वार्ड क्रमांक 29 (संजय गांधी नगर) के उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी शेख आजम ने भाजपा के मधुसूदन राव को हरा दिया है। इस वार्ड में कांग्रेस पिछले 40 सालों से चुनाव जीत रही है। जानकारी के मुताबिक, मधुसूदन राव को शेख आजम के पिता शेख असलम ने भी हराया था। वार्ड 29 में यह दूसरा उपचुनाव है। इससे पहले पार्षद शेख गफ्फार के निधन के बाद हुए उप चुनाव में उनके भाई शेख असलम विजयी हुए थे।

नगर पंचायत उपचुनाव के नतीजे

■ राजनांदगांव में अध्यक्ष पद कांग्रेस जीतीं

राजनांदगांव में कुल 14 वार्डों में चुनाव हुए। कांग्रेस की फूलमती वर्मा 85 वोटों से जीतीं और घुमका नगर पंचायत की पहली अध्यक्ष बनीं। यानी अध्यक्ष पद कांग्रेस के पास गया, जबकि वार्डों में भाजपा को स्पष्ट बढ़त मिली।

वार्डवार स्थिति:
भाजपा - 10 वार्ड
कांग्रेस - 3 वार्ड
निर्दलीय - 1 वार्ड

■ सूरजपुर में अध्यक्ष पद पर बीजेपी की जीत

सूरजपुर में कुल 15 वार्डों में चुनाव हुए। वार्डों में कांग्रेस को बहुमत मिला। लेकिन शिवनंदनपुर नगर पंचायत से अध्यक्ष पद पर भाजपा प्रत्याशी रितेश जायसवाल विजयी रहे।

वार्डवार स्थिति:
कांग्रेस ने 8 वार्डों में जीत दर्ज की।
भाजपा ने 7 वार्डों में जीत हासिल की।

■ बालोद जिले में कांग्रेस को बहुमत

बालोद में कुल 15 वार्डों में चुनाव हुए। नगर पंचायत पलारी में कांग्रेस प्रत्याशी यानेश साहू ने भाजपा के लखन लाल गुरूपंच को 506 वोटों से हराकर अध्यक्ष पद जीता। यानी अध्यक्ष पद और परिषद दोनों में कांग्रेस को बहुमत मिला।

वार्डवार स्थिति:
कांग्रेस - 10 वार्ड (9 वार्ड में सीधी जीत, 1 वार्ड लॉटरी से)
भाजपा - 5 वार्ड

■ कांकेर जिले के दो नगर पंचायत उपचुनाव में कांग्रेस जीतीं

चारामा (वार्ड क्रमांक 13) में कांग्रेस प्रत्याशी मोहित नायक 286 वोटों से जीते। पखांजूर (वार्ड क्रमांक 09) में कांग्रेस के रूखमणि एटटी ने भाजपा के संजीता विश्वास को 65 वोटों से हराया। दोनों नगर पंचायत उपचुनावों में कांग्रेस ने जीत दर्ज की।

■ कवर्धा (सहसपुर लोहारा) में भाजपा की जीत

कवर्धा में नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के अध्यक्ष पद के लिए हुए उपचुनाव में भाजपा की जीत हुई है। सरिता संतोष मिश्रा ने कांग्रेस के रोशन वैष्णव को 762 वोटों से हराया।

■ जांजगीर-चांपा (बमनीडीह) में जीती भाजपा

जांजगीर चांपा में 15 वार्डों में वोटिंग हुई। बमनीडीह नगर पंचायत में अध्यक्ष पद और परिषद दोनों में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला है। भाजपा से रमेश डड़सेना 889 वोटों से अध्यक्ष पद जीता।

वार्डवार स्थिति (15 वार्ड)
भाजपा - 11 वार्ड
कांग्रेस - 3 वार्ड
निर्दलीय - 1 वार्ड

जनता के विश्वास की जीत: साय

नगर पंचायत निर्वाचन में भाजपा को मिले शानदार जनादेश के लिए प्रदेश की जनता का हार्दिक आभार। सहसपुर लोहारा, बम्हनीडीह और शिवनंदनपुर नगर पंचायतों में भाजपा प्रत्याशियों की विजय प्रदेशवासियों के सुशासन, विकास और जनकल्याण के प्रति विश्वास का प्रतीक है। यह परिणाम स्पष्ट संकेत है कि छत्तीसगढ़ की जनता विकास, सुशासन और जनकल्याण की राजनीति पर अपना विश्वास लगातार मजबूत कर रही है। भाजपा प्रत्याशियों की विजय जनता के विश्वास और हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का प्रतिफल है।

- विष्णु देव साय,
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

भाजपा से उठा जनता का विश्वास: सुशील

प्रदेश के शहरों और गांवों की जनता ने भाजपा को नकार दिया। पंचायतों के उपचुनाव के विभिन्न पदों पंचों, जनपदों में कांग्रेस के 543 समर्थित प्रतिनिधि चुनाव जीते है। जगदलपुर, बिलासपुर, कांकेर निगम के वार्डों में कांग्रेस के प्रत्याशी चुनाव जीते है। पलारी में हमारा अध्यक्ष बना है।

- सुशील आनंद शुक्ला,
कांग्रेस संचार प्रमुख, छत्तीसगढ़

खेती केवल आजीविका नहीं, हमारी संस्कृति व पहचान का आधार: साय

■ 'मुख्यमंत्री किसान संवाद' कार्यक्रम में किसानों से किया आत्मीय संवाद

■ नैनो उर्वरकों के उपयोग से खेती बनेगी अधिक लाभकारी और टिकाऊ

रायपुर/ नवप्रदेश। आधुनिक तकनीकों, नवाचारों और किसान हितैषी नीतियों के माध्यम से खेती को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और सम्मानजनक बनाने की दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज रायपुर में आयोजित 'मुख्यमंत्री किसान संवाद' में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए किसानों के साथ आत्मीय चर्चा करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने खेती-किसानी से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए तथा किसानों के प्रश्नों और सुझावों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि वे स्वयं किसान परिवार से आते हैं और कम उम्र में ही खेती-किसानी तथा परिवार की जिम्मेदारियां संभालने का अवसर मिला। इसी कारण वे किसानों की जरूरतों, चुनौतियों और उनके संघर्ष को निकटता से समझते हैं। उन्होंने कहा कि पहले खेती पूरी तरह वर्षा पर निर्भर थी, आधुनिक तकनीकों और सुविधाओं का अभाव था, लेकिन आज कृषि क्षेत्र में बड़े परिवर्तन आए हैं। मशीनों, वैज्ञानिक पद्धतियों और नई तकनीकों के उपयोग से उत्पादकता बढ़ी है तथा किसानों के लिए नई संभावनाएं खुली हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण, उन्नत बीज, सिंचाई सुविधाएं तथा कृषि यंत्रीकरण जैसी योजनाओं ने किसानों को आर्थिक संबल प्रदान किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार के दौरान गांवों में किसानों से सीधे संवाद के दौरान यह अनुभव हुआ है कि विभिन्न योजनाओं का लाभ किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों के चेहरे पर दिखाई देने वाला आत्मविश्वास ही सरकार की योजनाओं की वास्तविक सफलता है। कार्यक्रम में शामिल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मानसून केरलम पहुंचा, इस बार 3 दिन लेट, 7 दिन भारी बारिश का अनुमान

नई दिल्ली/ए.। मानसून केरलम पहुंच गया है। अगले 2-3 दिन यह गोवा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु को कवर कर सकता है। वहीं, बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों के अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों में आगे बढ़ सकता है।

मौसम विभाग के मुताबिक, केरलम, तमिलनाडु और कर्नाटक में अगले 7 दिन में कुछ जगह भारी बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों में प्री मानसून एक्टिविटी के असर से आंधी-बारिश देखने मिल सकती है। इस बार मानसून 3 दिन लेट है। आमतौर पर यह 1 जून को केरलम पहुंचता है। इसके बाद डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर कर लेता है। 17 सितंबर के आसपास राजस्थान के रास्ते वापसी शुरू करता है और 15 अक्टूबर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

24 राज्यों में अलर्ट

मौसम विभाग ने ओडिशा, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और तेलंगाना समेत 24 राज्यों में बारिश, आंधी और तेज हवाओं की संभावना जताई है। वहीं राजस्थान, हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बारिश, ओले गिरने और तेज हवाओं को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली में भी दो दिन के लिए यलो अलर्ट है।

विदेश से एमबीबीएस कर लौटे छात्रों को इंटर्नशिप का मौका

■ 9 जून तक होगी च्वाइस फिलिंग

रायपुर/नवप्रदेश। विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर चुके छात्रों के लिए इंटर्नशिप आवंटन प्रक्रिया का दूसरा चरण शुरू कर दिया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने ऐसे छात्रों से दोबारा आवेदन आमंत्रित किए हैं। अभ्यर्थी 9 जून तक च्वाइस फिलिंग कर सकेंगे। पहले चरण में 142 पात्र छात्रों में से 140 ने प्रवेश ले लिया था, इसके बावजूद प्रदेश के सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप की 949 सीटें अभी भी खाली हैं।

जानकारी के अनुसार प्रदेश में इंटर्नशिप ■ शेष पृष्ठ 8 पर

एनएमसी के नियमों का पालन अनिवार्य

नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की गाइडलाइन के अनुसार विदेश में इंटर्नशिप पूरी कर चुके छात्रों को भी भारत में एफएमजीई उत्तीर्ण करने के बाद एक वर्ष की इंटर्नशिप करनी होती है। वर्तमान में इंटर्नशिप के लिए पात्र अधिकांश छात्र वर्ष 2019-20 बैच के हैं, जिनकी पढ़ाई कोरोना काल के दौरान प्रभावित हुई थी। इंटर्नशिप के दौरान छात्रों को भारतीय मेडिकल छात्रों की तरह प्रति माह 15,600 रुपये स्टाइपेंड देने का प्रावधान है। हालांकि कुछ निजी मेडिकल कॉलेजों पर छात्रों से अतिरिक्त शुल्क लेने और उसी राशि से स्टाइपेंड भुगतान करने के आरोप भी लगते रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि ऐसा किया जा रहा है तो यह नियमों के विपरीत है, लेकिन अधिकांश छात्र शिकायत दर्ज कराने से बचते हैं। प्रदेश में वर्तमान में एमबीबीएस की लगभग 2330 सीटें हैं। आगामी सत्र में पांच नए सरकारी और एक निजी मेडिकल कॉलेज शुरू होने की संभावना जताई जा रही है, हालांकि यह पूरी तरह एनएमसी की मान्यता पर निर्भर करेगा।

इंटर्नशिप के बाद मिलेगा स्थायी पंजीयन

विदेश से पढ़कर लौटे छात्रों को एक वर्ष की इंटर्नशिप पूरी करनी होगी। कुछ मामलों में छात्रों को पहले एक वर्ष की क्लर्कशिप और उसके बाद एक वर्ष की इंटर्नशिप भी करनी पड़ सकती है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद वे छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल में स्थायी पंजीयन के पात्र बन जाएंगे, जिसके बाद सरकारी और निजी अस्पतालों में नौकरी तथा निजी प्रैक्टिस कर सकेंगे।

महतारी वंदन योजना : सीएम साय ने 68.54 लाख महिलाओं को ट्रांसफर किए 642.27 करोड़ रुपए

खातों में पहुंचा महतारी वंदन का पैसा, महिलाओं के खिले चेहरे

■ मातृशक्ति के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण को मिला नया संबल

रायपुर/ नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज बिलासपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में महतारी वंदन योजना की 28वीं किस्त जारी करते हुए प्रदेश की 68 लाख 54 हजार महिलाओं के बैंक खातों में 642 करोड़ 27 लाख 77 हजार 950 रुपये की राशि अंतरित की। इस अवसर पर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

महिलाओं के सम्मान का प्रतीक: मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना आज केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली योजना नहीं रह गई है, बल्कि यह महिलाओं के सम्मान, विश्वास और आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक बन चुकी है। योजना से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे परिवार तथा समाज में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महिलाओं की सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि प्रदेश की हर महिला सशक्त, स्वावलंबी और सम्मानपूर्ण जीवन जी सके। महतारी वंदन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की नई धारा प्रवाहित हुई है और लाखों परिवारों के जीवन में खुशहाली तथा आर्थिक स्थिरता का नया अध्याय जुड़ा है।

लाभ अंतिम व्यक्ति तक

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी सोच के अनुरूप सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर और नारायणपुर में संचालित नियद नेल्लानार अभियान के माध्यम से 7 हजार 770 नई महिलाओं को महतारी वंदन योजना से जोड़ा गया है। इससे दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों की महिलाओं को भी आर्थिक सहायता और सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्राप्त हो रहा है।

भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित किए 11 उम्मीदवारों के नाम

■ तरुण चुग बनाये गये मध्य प्रदेश से प्रत्याशी

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विभिन्न राज्यों से राज्यसभा चुनाव के लिए गुरुवार को 11 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिये। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग मध्य प्रदेश से प्रत्याशी बनाये गये हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने आज यहां बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने अरुणाचल, गुजरात मध्य प्रदेश, मणिपुर और राजस्थान से राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव तथा ओडिशा से राज्यसभा के उप चुनाव के पार्टी उम्मीदवारों के नामों पर अपनी सहमति प्रदान कर दी है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने अरुणाचल से श्री ताई तागाक को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, गुजरात से श्री राजूभाई शुक्ला, श्री मुकेश राठवा, श्री मानसिंह परमार और जीतेंद्र मेघजीभाई कंजारिया पार्टी के उम्मीदवार होंगे।

इसके साथ ही पार्टी ने श्री तरुण चुघ और श्री सतीश अग्रवाल को मध्य प्रदेश से , श्रीमती ए. शारदी देवी को मणिपुर से और डॉ. अलका गुर्जर तथा डॉ. सतीश पूनिया को राजस्थान से उम्मीदवार बनाया है। श्री सिंह ने बताया कि ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सुविचार

यह जरूरी नहीं कि सारे सबक किताबों से ही सीखे जाएं। कुछ सबक जिंदगी और रिश्ते भी सीखा देते हैं। - अज्ञात

प्रकृति से खिलवाड़ बंद हो

संयुक्त राष्ट्र की पहल पर 1974 से पुरी दुनिया में हर साल पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। साल में एक दिन तमाम देशों की सरकारें पर्यावरण संरक्षण का लेतीं है। प्रकृति की इस अमूल्य उपहार पर्यावरण को पहुंचाने वाली क्षति पर गंभीर चिंता व्यक्त करती है। लेकिन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कोई कारगर कदम नहीं उठाई। इस नाम पर महज खानापूर्ति कर अपने कत्वर्य की इतिश्री कर लेंती है। पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए जाने वाले जागरूकता कार्यक्रम सिर्फ औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। यही वजह है कि धरती का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है और गलोबल वार्मिंग का खतरा सिर पर मंडरा रहा है। प्रकृति को हल्के में लेकर हम भारी भूल कर रहे हैं। जिसकी गंभीर दुष्परिणाम भावी पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। और हमारी इस आपराधिक लापरवाही के लिए आने वाली पीढ़ियां हमें कतई माफ नहीं करेंगी। विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य एक सुंदर दुनिया बनाना है जो प्रदुषण मुक्त हो और प्राकृतिक संसाधनों से युक्त हो। किन्तु हम कैसी दुनिया बना रहे हैं जहां आज खुली हवा में सांस ले पाना दुभर हो रहा है। आने वाले समय में हवा और पानी दोनों ही जहरीले बन जायें तो कोई ताज्जुब नहीं होगा। विकास के नाम पर जंगलों का सफाया कर कांक्रीट के जंगलों का जाल बिछाया जा रहा है और प्राकृतिक संसाधन का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। इससे भविष्य में भयावाह स्थिति निर्मित हो सकती है और मानव प्रजाति के अस्तित्व पर ही प्रश्न चिन्ह लग सकता है। अभी भी समय है कि जब जागे तभी सवेरा की तर्ज पर मि पर्यावरण संरक्षण के लिए युद्ध स्तर पर समवेश प्रयास प्रारंभ करें। पर्यावरण सरंक्षण के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण के साथ ही अमूल्य पानी को भी बचाने के लिए भी वृहद कार्य योजना बनाई जानी चाहिए। वन्य जीवों का भी संरक्षण करना होगा। पॉलीथीन और प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करना होगा। और सबसे महत्वपूर्ण यहां की प्राकृतिक संसाधनों का बहुत ही सोच समझ कर दोहन करना होगा। तभी हमारा पर्यावरण सुरक्षित हो पाएगा। जहां तक प्रश्न भारत का है तो हमारे देश को प्रकृति को पूजने की प्राचीन परंपरा रही है। पेड़ो को पूजा जाता रहा है और नदियों माता का दर्जा देकर उनकी भी पूजा की जाती रही है। यह परंपरा आज भी यथावत चल रही है लेकिन तेजी से हो रहे औद्योगिकिरण के कारण बड़े पैमाने पर जंगल काटें जा रहे हैं और पावन व पुनीत नदियां बुरी तरह प्रदूषित हो रही है। प्राकृतिक संसाधनों का भी बड़ी निर्ममता से दोहन किया जा रहा है। वन्य जीवों के संरक्षण में भी हम विफल सिद्ध हो रहे हैं। कई वन्यजीवों की प्रजातियां शनैः शनैः विलुप्त हो रही है। यद्यति सरकार ने पर्यावरण संरक्षण के लिए कई कठोर कानून बनाए हुए हैं लेकिन जिन स्वार्थों के चलते ऐसे कानूनों की अनदेखी की जा रही है। पर्यावरण संरक्षरण अधिनियम वन संरक्षण अधिनियम और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम सहित कई कानून बनने के बावजूद जल जंगल और जमीन की रक्षा के लिए जब तब प्रकृति प्रेमियों को आंदोलन के लिए बाह्य होना पड़ता है। वायु जल और ध्वनि प्रदूषण साल दर साल लगातार बढ़ता ही जा रहा है। सर्दियों के मौसम में तो देश की राजधानी नई दिल्ली गैस चेंबर के रूप में तब्दिल हो जाती है। कमोवेश ऐसी ही स्थिति देश के अन्य महानगरों और नगरों की भी है। प्रदूषण रोकने जो प्रयास किये जा रहे हैं वे ऊंट के मुंह में जीरा के समान है बल्कि यह कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि मर्ज बढ़ता ही रहा है ज्यों ज्यों दवा की जा रही है। प्रकृति से खिलवाड़ का ही यह दुष्परिणाम है कि कभी हमें भीषण सूखा संकट का सामना पड़ता है तो कभी अतिवृष्टि के कारण भयावह बाढ़ से भारी जनधन की हानि उठानी पड़ती है। प्रकृति समय समय पर अपना प्रकोप दिखाकर चेतावनी देती है कि हम प्रकृति से खिलवाड़ बंद करें। यदि इस चेतावनी को हम गंभीरता से नहीं लेंगे और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रभावी पहल नहीं करेंगे तो इसमें भयानक दुष्परिणाम भुगतने के लिए हमे तैयार रहना होगा। लम्हों में की गई खताओं की सजा सदियों भुगतनी पड़ेगी।

क्लाईमेट चेंज यानि जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए त्वरित कार्यवाही करें

डॉ. अनीता सांवत
वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी
छत्तीसगढ़

19 वीं सदीं के उत्तरार्द्ध में विश्वभर में बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण हुआ। इसके साथ ही पर्यावरण भी प्रदूषित हुआ और अनेक हानिकारक गैसें पर्यावरण में घुलने लगीं। आज स्थिति ऐसी है कि औद्योगिक उत्सर्जन के साथ ग्रीनहाउस गैसें वातावरण में मिलकर पृथ्वी का ताप अनियंत्रित रूप से बढ़ा रही हैं। जीवाश्र्म इंधन जलाए जाने से कार्बन डायऑक्साईड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साईड जैसी ग्रीनहाउस गैसों की सांद्रता बढ़ने से ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है और इसके कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है। वातावरण में गर्मी का बढ़ना, नदियों का सूखना, वर्षा का कम होना या कभी-कभी बहुत अधिक वर्षा होने से बाढ़ की स्थिति का उत्पन्न होना, सूखा, मृदा की नमी समाप्त होने से मरूस्थलीकरण की गति बढ़ना, ग्लैशियर पिघलने से समुद्री जलस्तर ऊपर उठना जैसी तमाम समस्याएं आज हमारे सामने हैं। इसमें संदेह नहीं कि क्लाईमेट चेंज पर्यावरण के समक्ष एक बहुत बड़ी चुनौती है। पृथ्वी के वातावरण में ग्रीनहाऊस गैसों की सांद्रता बढ़ने के कारण पृथ्वी की सतह का तापमान बढ़ रहा है। कार्बन डायऑक्साईड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साईड एवं अन्य गैसें जो सम्मिलित रूप से ग्रीन हाऊस प्रभाव को जन्म देती हैं, जीवश्म ईंधन विशेषकर कोयले को जलाने से उत्पन्न होती हैं। वातावरण में कुल कार्बन डायऑक्साइड की सांद्रता का 40 प्रतिशत पावर प्लांट में कोयला जलाने से उत्पन्न हो रहा है। इसके अतिरिक्त वाहनों और विमानन सेवाओं में उपयोग में आने वाले ईंधनों के दहन से भी कार्बन डायऑक्साइड की सांद्रता बढ़ रही है। अध्ययनों से पता चलता है कि पिछली एक सदी में धरती का तापमान लगभग 0.74 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है तथा 21 वीं सदी में इसके और भी बढ़ने की संभावना है। यदि हम इसके प्रभाव का आकलन करें तो इस प्रकार ताप बढ़ने पर समुद्र सतह कई सेंटीमीटर तक बढ़ सकती है। यदि ऐसा होता है तो समुद्र किनारे स्थित अनेक शहर जल मग्न होकर विश्व मानचित्र से गायब हो जाएंगे। इतना ही नहीं संपूर्ण पर्यावरण एवं पारिस्थितकीय तंत्र छिन्न भिन्न हो जायेगा।

बहरहाल प्रश्न ये है कि हम किस प्रकार इन ग्रीन हाउस गैसों की सांद्रता वातावरण में कम करें। स्पष्ट है कि हमें अपनी औद्योगिक गतिविधियों एवं दैनिक क्रिया-कलापों को इस तरह क्रियान्वित करना होगा। कि हमारी इन गतिविधियों से कम से कम मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हो। इसके लिए हमें जीवाश्र्म इंधनों का उपयोग सीमित करना होगा तथा वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों को अपनाना होगा। सौर ऊर्जा के अतिरिक्त पवन ऊर्जा एवं जल ऊर्जा का उपयोग भी लाभकारी हो सकता है, जिस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही ऊर्जा स्त्रोंतो का सीमित, नियंत्रित और केवल आवश्यकतानुसार उपयोग भी ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने एवं लो-कार्बन इकानामी की ओर बढ़ने का सशक्त प्रयास हो सकता है। कमरे में सूर्य प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था हो, बेवजह की लाइटें न जलें, जिस स्थान पर हम बैठे हैं, वहां से जाने से पहले लाइट्स, पंखे, कूलर, ए.सी. एवं अन्य बिजली के उपकरण बन्द कर दिये जाएं। कमरों में क्रॉस-वेंटीलेशन की व्यवस्था हो, ताकि कमरा सुबह एंव शाम स्वाभाविक रूप से ठण्डा रहे एवं तापमान कम करने के लिए कृत्रिम साधनों का उपयोग कम से कम करना पड़े। कमरों के निर्माण के समय ही प्राकृतिक वातानुकूलन व्यवस्था अपनायी जानी चाहिये। इसके साथ ही विद्युत के कुशलतापूर्वक उपयोग से विद्युत खपत में 15 प्रतिशत की कमी लाई जा सकती है। बिजली के उपयोग में 20 प्रतिशत की कमी से व्यवसाय में कुल लाभ 5 प्रतिशत तक बढ़ता है। सघन वृक्षारोपण एवं वनीकरण भी ग्रीनहाउस गैसों की सान्द्रता वातावरण में कम करने में सहायक होते हैं। कुल मिलाकर ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए उठाया गया प्रत्येक कदम केवल पर्यावरण संरक्षण ही नहीं वरन आर्थिक स्तर पर भी फायदे का सौदा है।

जलवायु परिवर्तन को रोकने में वृक्षों की अहम भूमिका हो सकती हैं। धरती पर बचे हुए वनों का संरक्षण और अन्य स्थानों जैसे रहवासी क्षेत्र, व्यवसायिक क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र आदि सभी उपलब्ध स्थानों पर सघन वृक्षारोपण करना बहुत जरूरी हैं। हमें ''एक पेड़ माँ के नाम'' और ''पीपल फॉर द पीपल'' जैसे सकारात्मक एवं सामूहिक अभियानों में शामिल होकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। वृक्षारोपण करने एवं वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन की जिम्मेदारी हम लें ताकि वातावरण न केवल हरा-भरा हो बल्कि ये पेड़ ग्रीनहाउस गैसों को सोखकर ये पेड़ हमें शुद्ध प्राण वायु दे सकें।

अब समय आ गया है कि हम 21 वीं सदीं की सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौती को गम्भीरता से समझें। जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को देखते हुए हमें सक्षम प्रयास और कार्यवाही करनी होगी। इस मुहिम में हम सभी को शामिल होना होगा तभी हम अपना लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। हमें आज निर्णय लेना है कि इस धरती को हमें रहने योग्य बनाए रखना है या फिर सदियों पूर्व जो इसका स्वरूप माना जाता है यानि आग के गोलें के रूप में परिवर्तित करना हैं? निश्चित रूप से धरती पर जीवन की सुरक्षा के लिए सभी को सम्मलित प्रयास करने होंगे।

पर्यावरण संकटः विकास और विनाश के बीच फंसी दुनिया

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

पर्यावरण प्रदूषण वर्तमान समय में सबसे बड़ी वैश्विक समस्या है। पिछले तीन दशकों से महसूस किया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण से ही जुड़ी है। मानवीय क्रियाकलापों के कारण प्रकृति में लगातार बढ़ते दखल के कारण पृथ्वी पर बहुत से प्राकृतिक संसाधनों का विनाश हुआ है। आधुनिक जीवनशैली, पृथ्वी पर पेड़-पौधों की कमी, पर्यावरण प्रदूषण का विकराल रूप, मानव द्वारा प्रकृति का बेदर्दी से दोहन इत्यादि कारणों से मानव और प्रकृति के बीच असंतुलन की भयावह खाई उत्पन्न हो रही है। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित वातावरण के बढ़ते खतरे हम अब लगातार अनुभव कर रहे हैं। इसीलिए पर्यावरण की सुरक्षा तथा संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 5 जून को पूरी दुनिया में 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा 16 जून 1972 को स्टॉकहोम में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए यह दिवस मनाने की घोषणा की गई थी और पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1974 को मनाया गया था। विश्व पर्यावरण दिवस का वर्ष 2026 का विषय 'प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए।'पर्यावरण की रक्षा और प्रकृति के उचित दोहन को लेकर हालांकि यूरोप, अमेरिका तथा अफ्रीकी देशों में 1910 के दशक से ही समझौतों की शुरूआत हो गई थी किन्तु बीते कुछ दशकों में दुनिया के कई देशों ने इसे लेकर क्योटो प्रोटोकाल, मांट्रियल प्रोटोकाल, रियो सम्मलेन जैसे कई बहुराष्ट्रीय समझौते किए हैं। अधिकांश देशों की सरकारें पर्यावरण को लेकर चिंतित तो दिखती हैं लेकिन पर्यावरण की चिंता के बीच कुछ देश अपने हितों को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण की नीतियों में बदलाव करते रहे हैं। प्रदूषित वातावरण का खामियाजा केवल मनुष्यों को ही नहीं बल्कि धरती पर विद्यमान प्रत्येक प्राणी को भुगतना पड़ता है। बड़े पैमाने पर प्रकृति से खिलवाड़ के ही कारण दुनिया के विशालकाय जंगल हर साल सुलगने लगे हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को खरबों रुपये का नुकसान होने के अलावा दुर्लभ जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियां भी भीषण आग में जलकर राख हो जाती हैं। कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान दुनियाभर में पर्यावरण की स्थिति में सुधार देखा गया था, जिसने बता दिया था कि अगर हम चाहें तो पर्यावरण की स्थिति में काफी हद तक सुधार किया जा सकता है लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपेक्षित कदम नहीं उठाए जाते। न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में निरन्तर हो रही बढ़ोतरी और मौसम का लगातार बिगड़ता मिजाज गहन चिंता का विषय बना है। जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया है कि धरती में रह-रहकर जो उथल-पुथल की प्राकृतिक घटनाएं घट रही हैं, उनके पीछे छिपे संकेतों और प्रकृति की मूक भाषा को समझना कितना जरूरी है। आधुनिकरण और औद्योगिकीकरण की दौड़ में हमने हर पल प्रकृति की नैतिक सीमाओं का उल्लंघन किया है और ये सब प्रकृति के साथ इंसान की ज्यादतियों का ही नतीजा हैं, जिसके भयावह परिणाम हमारे सामने हैं। मानवीय क्रियाकलापों के कारण ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है कि हमें सांस के जरिये असाध्य बीमारियों की सौगात मिल रही है। सीवरेज की गंदगी स्वच्छ जल स्त्रोतों में छोड़ने की बात हो या औद्योगिक इकाईयों का अम्लीय कचरा नदियों में बहाने की अथवा सड़कों पर रेंगती वाहनों की लंबी-लंबी कतारों से वायुमंडल में घुलते जहर की या फिर सख्त अदालती निर्देशों के बावजूद खेतों में जलती पराली से हवा में घुलते हजारों-लाखों टन धुएं की, हमारी आंखें तब तक नहीं खुलती, जब तक प्रकृति का बड़ा कहर हम पर नहीं टूट पड़ता। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया गया है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें निरन्तर चेतावनियां देती रही है कि यदि हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है लेकिन हम हर बार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखने के बावजूद प्रकृति की इन चेतावनियों को नजरअंदाज कर खुद अपने विनाश को आमंत्रित कर रहे हैं।

सद्‌गुरू बोधामृतम्

सदगुरू ऋतेश्वर

तुम्हें मुझे समझने में करोड़ों जन्म शायद लग सकते हैं, अगर चाहो तो अभी समझ सकते हो क्योंकि जब तुम जलोगे मेरी तरह दीपक बन करके तभी शायद समझ पाओगे और किसी भी शिष्य को वो जब उस स्तर पर पहुंचता है तभी उसको विरह होता है अपने गुरु के लिए। पहले होता नहीं, उस विरह को सहन नहीं कर पाता। जब वो समझता है, खुद जलता है; तब वो खुद लोगों को प्रकाशित करता उहिए की जिनके नेत्र नम नहीं होते गुरु के मुखारविंद से कुछ श्रवण करते समय, उनके हृदय में गुरु की बातें थमती नहीं।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)।1944 - रोम मित्र सेनाओं के कब्जे में। द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी, इटली और जापान की नाजी तिकड़ी वाले देशों की राजधानियों में से मित्र सेनाओं के कब् में आने वाला रोम पहला शहर था। 1952 - अमेरिका में राष्ट्रीय स्तर पर पहली खेल प्रतियोगिता का टेलीविजयन पर प्रसारण वॉल्कोट बनाम चार्ल्स बॉक्सिंग। 1953 - डेनमार्क में आज ही के दिन नया संविधान लागू हुआ। 1967 - इजराइल ने मिस्र पर हमला कर उसके करीब 400 लड़ाकू विमान नष्ट कर दिए। 1977 - एप्पल के पहले पर्सनल कम्प्यूटर एप्पल । की बिक्री शुरू हुई। 1984 - पंजाब के अमृतसर में सिखों के धर्म स्थल स्वर्ण मंदिर में भारतीय सेना ने ऑपरेशन ब्लू-स्टार को अंजाम दिया। 1989 - ईरान के धार्मिक नेता अयातुल्लाह रोहेल्लाह खुमैनी का देहांत। 1990 - सोवियत संघ के आखिरी राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचोव को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

त ू न`
बेशक न हो सुनी दस्तक मैंने तेरे ही दिल पे दी दस्तक लौट जाती है खटखटाकर दर देती है जब भी दुश्मनी दस्तक ग़म उदासी से ऊब उठती है आके दे दे ऐ ज़िन्दगी दस्तक दर पे आया है कोई अपना ही देगा क्यों कोई अजनबी दस्तक घर से निकले न पहुँचे हम तुम तक बारहा की है मुल्तवी दस्तक लौट जाते हो एक-दो में तुम देना इस बार तीसरी दस्तक 'पुष्प' तू इंतिख़ाब कर इसका देगी यूँ ही न शाइरी दस्तक।

- पुष्प सैनी 'पुष्प

न तुम मुझको मिले, न मिला मन का प्यार तेरा ढूंढ़ता मैं श्रान्त आकुल, पाने को चिर आधार तेरा बांध कर परिणय बंधनों में स्मित के अति प्रिय बंधनों में मैं भटकता रह गया न पाया मृदुल संसार तेरा अरुण अधर की मधु हँसी थी हृदय में आ धसी मैं मचलता रह गया पर न पाया अधिकार तेरा बांह मेरे तड़पते रह गये अश्रु मेरे ढुलकते रह गये बुझ गया दीपक मधुर बस गया अंधकार कारा...। - **नीरज वर्मा नीर**

खिले हैं फूल गुलशन में महकने को चहकने को चले आओ यहाँ पर तुम मेरे हमदम संवरने को कलम कहती सदा संजय चलूंगी साथ तेरे ही कहेगा जो लिखूंगी वो नहीं मंजूर बिकने को।

- संजय कुमार गिरि

स्मृतियों के कुहरे में कुछ स्वप्न अभी सुलगते हैं, मौन के नील सरोवर में अनगिन भाव झिलमिलते हैं। विरह-विह्वल साँसों पर संध्या का आलोक धरा, फिर भी आशा का एक कण मन-आँगन में रहा हरा। शायद कोई मधुर स्पंदन, शायद कोई प्रिय स्वर-रेखा, धुँधली दृष्टि के उस पार अब भी लिखती मिलन-लेखा। स्मृतियों की शीतल छाया में मन ने कितने पुष्प धरे, तेरे पदचिह्नों की आहट पर अब भी नयन बिछे रहे। - **निभा चौधरी**

इन सबके बीच में एक रुपए में जमीन वाला मुद्दा सतह पर है। बात केवल किसी एक सरकार तक सीमित भी नहीं रहनी चाहिए। आजादी के बाद से अब तक यह देखा जाना चाहिए कि जनसेवा (शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग, पत्रकारिता) वगैरह के नाम पर किन किन लोगों को खैराती भाव में जमीनें दी गई और उन लोगों की हैसियत क्या थी। हैसियत के बाद महत्वपूर्ण बिंदु यह कि उन जमीनों का हुआ क्या। - **केवल कृष्ण**

तेरी आँखों में मुझे मैं पागल दिखता हूँ पर मैं पागल हूँ नहीं क्या कहूँ कि उम्र ने मेरी आँखे जरूर धुँधली कर दी हैं परंतु सोच दूर तक बड़ी गहरी है और तुझे उस मुकाम तक पहुँचने में अभी वक़्त लगेगा जहाँ हर सच का दूसरा नाम ही पागलपन है । - **सुलोचना खुराना**

मायके का दरवाज़ा कभी बेटियों के लिए बंद नहीं होता। माँ की तरह वह भी उनकी राह देखता है, हर आहट पर मुस्कुराता है और उनके आने के सपने बुनता है। बेटियाँ भले ही विदा हो जाएँ, पर अपना मन पीहर में ही छोड़ जाती हैं। माँ के जाने के बाद भी वह दरवाज़ा चुपचाप खड़ा रहता है, इस विश्वास के साथ कि कभी न कभी बेटियाँ फिर लौटेंगी। बेटियों के लिए मायके का दरवाज़ा हमेशा खुला रहता है। — **प्रीति श्रीवास्तव**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन आपको सिखाएगा कि रिश्तों को संभालने में शब्दों की ताकत कितनी बड़ी होती है। आपकी एक मुस्कान और शांत व्यवहार घर के माहौल को पूरी तरह बदल सकता है। आज लोग आपके व्यवहार और समझदारी से खासा प्रभावित होंगे।

वृष : आज आपको अपने पैसों और फैसलों दोनों पर खास नजर रखने की जरूरत है। निवेश करने से पहले हर पहलू को अच्छे से समझ लें, क्योंकि छोटी-सी गलती आगे परेशानी बढ़ा सकती है।

मिथुन : आज परिवार और अपनों का साथ आपको मानसिक सुकून देगा। लंबे समय से मन में चल रही कोई इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे आपका उत्साह बढ़ेगा।

कर्क: आज आपको बेवजह के विवादों और बहस से दूरी बनाकर रखनी होगी। सरकारी कामों में फायदा मिलने के योग हैं, इसलिए जरूरी कागजात और योजनाओं पर ध्यान दें।

सिंह: आज आर्थिक मामलों में राहत और खुशी दोनों मिलने के संकेत हैं। व्यापार में लाभ के अवसर बनेंगे और रुका हुआ धन भी वापस मिल सकता है। परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताकर मन हल्का महसूस करेगा।

कन्या: आज आपका मन दूसरों की मदद करने और अच्छे कार्यों में लगेगा। समाज में आपकी छवि मजबूत होगी और लोग आपकी सराहना करेंगे।

तुला: आज आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और साथी के साथ रिश्ता पहले से ज्यादा मजबूत महसूस होगा। आपकी मीठी वाणी और समझदारी आज कई लोगों का दिल जीत लेगी।

वृश्चिक: आज धैर्य और समझदारी आपके सबसे बड़े हथियार साबित होंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी रहेगा, वरना बजट बिगड़ सकता है।

धनु: आज का दिन उत्साह और नई योजनाओं से भरा रहेगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा तालमेल रहेगा और भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण बातचीत हो सकती है।

मकर: आज आपको हर कदम सोच-समझकर उठाना होगा। दूसरों के मामलों में ज्यादा दखल देने से बचें। आपके अंदर भरपूर ऊर्जा रहेगी और आप अपने काम तेजी से पूरे करेंगे।

कुंभ: आज भाई-बहनों और करीबी दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। पुराने दोस्तों से मुलाकात पुरानी यादें ताजा कर सकती है। बिजनेस और नौकरी में किसी अनजान व्यक्ति की सलाह मानने से बचें।

मीन: आज का दिन खुशियों और राहत से भरा रहेगा। परिवार में यदि कुछ समय से तनाव चल रहा था, तो बातचीत के जरिए स्थितियाँ सुधर सकती हैं।

QUIZ TIME

1) हाल ही में टायफून कालमाएगी ने किस देश में तट पर दस्तक दी?

2) हाल ही में खबरों में रहा वेस्ट सेती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट किस देश में स्थित है?

3) भारतीय रेलवे द्वारा रेलवे स्टेशनों पर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई योजना का नाम क्या है?

4) भारत में साबूदाना और स्टार्च उद्योग का केंद्र माने जाने वाला सलेम किस राज्य में स्थित है?

5) एशा सिंह ने एशियन राइफल और पिस्टल चैंपियनशिप 2026 में महिलाओं की व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में कौन सा मेडल जीता?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) फिलीपींस (2) नेपाल (3) वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (4) तमिलनाडु (5) स्वर्ण पदक

पहेली

शब्द सामर्थ्य -059

बाएं से दाएं
1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारागार, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. "खन" ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मात डाला हुआ, पायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे
1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, ओस 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, विरल 18. आश्रय, शरण 19. [illegible], प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

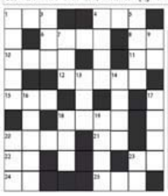

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 058 का हल

खेत में उगाई गई अफीम नष्ट : पुलिस ने 7.88 करोड़ के पौधे भिलाई इस्पात संयंत्र की भट्टी में जलाया

भिलाई/नवप्रदेश। जिले में अफीम पकड़ाया था। बीजेपी नेता विनायक ताम्रकार के खेत में अफीम की खेती मिली थी। पुलिस ने पूरे अफीम की फसल को उखाड़ कर उसे जब्त कर लिया था। अब गुरुवार को पुलिस ने अफीम को भिलाई स्टील प्लांट में जलाकर खत्म कर दिया है।

पुलिस ने करीब 7.88 करोड़ रुपए कीमत के जब्त मादक पदार्थों को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई गुरुवार को पुलगांव थाने के एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में की गई। इसमें बड़ी मात्रा में अफीम के पौधे, डोडा और उससे जुड़े अन्य पदार्थ शामिल थे। पूरे नष्टीकरण की प्रक्रिया कानून के तय नियमों के अनुसार पूरी की गई।

14 लाख से ज्यादा पौधे पुलिस ने किए थे जब्त

पुलिस के मुताबिक, इस कार्रवाई में करीब 14 लाख 30 हजार 100 अफीम के पौधों को नष्ट किया गया। इनमें पौधों की जड़, तना, पत्ती, फूल और फल शामिल थे। इनका कुल वजन 62 हजार 422 किलो से ज्यादा था। इसके अलावा 62.540 किलो अफीम का सूखा फल (डोडा) और 572 ग्राम अफीम मिला सूखा डोडा बुक्की भी नष्ट किया गया।

6 मार्च को मिला था अफीम

यह पूरा मामला स्मृति नगर चौकी के ग्राम समोदा का है। 6 मार्च को पुलिस ने विनायक ताम्रकार के खेत में दबिश देकर बड़ी मात्रा में अफीम की खेती का खुलासा किया था।

इस मामले में बीजेपी नेता समेत राजस्थान के अन्य कर्मचारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

इस मामले में एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 8 और 18 के तहत कार्रवाई की गई थी। जांच और न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी होने के बाद जप्त मादक पदार्थों को नष्ट करने का फैसला लिया गया।

बीएसपी के एसएमएस-3 में जलाई गई अफीम

अफीम को जलाकर नष्ट करने की कार्रवाई दुर्ग रेंज की ड्रग्स डिस्पोजल समिति की निगरानी में की गई। समिति के अध्यक्ष और दुर्ग रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य के नेतृत्व में यह पूरी प्रक्रिया भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के एसएमएस-3 प्लांट में संपन्न हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मादक पदार्थों के नष्टीकरण से पहले पर्यावरण विभाग समेत सभी संबंधित विभागों से जरूरी अनुमति ली गई थी। इसके बाद तय मानकों का पालन करते हुए स्टील प्लांट में इन्हें सुरक्षित तरीके से नष्ट किया गया।

न्यूज गैलरी

रेल मंत्रालय के लिए 18 गांवों में जमीन खरीदी एवं बिक्री प्रतिबंधित

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने परियोजना प्रबंधक/विद्युत रायपुर, डेडीकेटेड फ्रेट कारीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड भारत सरकार (रेल मंत्रालय) के पत्रानुसार दुर्ग जिले में प्रस्तावित ईस्ट एण्ड वेस्ट डेडीकेटेड फ्रेट कारीडोर परियोजना के निर्माण हेतु तहसील दुर्ग एवं पाटन के 18 ग्रामों क्रमशः ग्राम बिरेझर, चंगोरी, कोनारी, चंदखुरी, हनोदा, खम्हरिया, उमरपोटी, उतई, डुमरडीह, सिरसाकला, परसदा (पाहंदा) दुर्ग तहसील एवं ग्राम परेवाडीह, पहंडोर, सोमनी, औंधी, मगरघटा, बेन्द्री एवं पथरीडीह पाटन तहसील के निजी भूमि का खाता विभाजन, अंतरण, व्यवपर्तन, खरीदी-बिक्री आदि को प्रभावित ग्रामीणों के हितों की रक्षा और परियोजना के कार्यान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु आगामी आदेश पर्यन्त अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया है। आदेशानुसार उक्त ग्रामों में किसी भी प्रकार का खाता विभाजन, अंतरण, व्यवपर्तन, खरीदी-बिक्री के संबंध में हितबद्ध/प्रभावित व्यक्ति अथवा पक्षकार कलेक्टर दुर्ग के समक्ष अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रस्तुत अभ्यावेदन पर अपेक्षक निकाय से अभिमत प्राप्त कर उचित निर्णय लिया जाएगा। कलेक्टर का यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

वार्डवासियों ने होटल संचालक के खिलाफ खोला मोर्चा, सौंपा ज्ञापन

कुम्हारी। वार्ड क्रमांक 11 के रहवासी बड़ी संख्या में मिथलेश यादव की अगुआई में नगरपालिका और थाना पहुंचकर हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपा। वार्डवासियों का आरोप है कि वार्ड में स्थित होटल सेवन हॉर्स में संदिग्ध गतिविधियां होती हैं यहां लगातार युवक युवतियों का आना जाना लगा रहता है जिससे वार्ड में रहने वाले लोग प्रभावित होते हैं उन्होंने बताया कि पूर्व में भी इस होटल के बारे में थाने में ज्ञापन दिया गया था कार्यवाही स्वरूप कुछ समय के लिए होटल को बंद कर दिया गया था लेकिन अब वह पुनः संचालित हो रहा है और स्थिति जस की तस बनी हुई है। वार्डवासियों ने बताया कि अगर एक सप्ताह के भीतर इसपर कोई कार्यवाही नही होती है तो वार्डवासी इसके खिलाफ उग्र आंदोलन करने मजबूर होंगे।

प्रसव कार्य के एवज में राशि लेने पर स्टाफ नर्स की दो वेतन वृद्धियां रोकी

दुर्ग। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हनोदा (विकासखंड निकुम) में पदस्थ स्टाफ नर्स अनीता साहू द्वारा प्रसव कार्य के एवज में राशि लिए जाने के मामले में कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई। शासकीय कर्तव्यों के प्रति गंभीर कदाचरण पाए जाने पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा संबंधित स्टाफ नर्स की आगामी दो वार्षिक वेतन वृद्धियों को तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। ज्ञात हो कि, उक्त स्टाफ नर्स के खिलाफ प्रसव कार्य के लिए राशि वसूलने की शिकायत मिलने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) जिला दुर्ग द्वारा जांच कराई गई थी, जिसमें शिकायत सही पाई गई। इसके पश्चात सीएमएचओ दुर्ग ने विगत 2 जून 2026 को संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय को संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया था। प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं (रायपुर संभाग) द्वारा सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 10 (चार) के तहत तत्काल प्रभाव से अनीता साहू की आगामी 02 वार्षिक वेतन वृद्धियों को असंचयी प्रभाव से रोकने का आदेश जारी किया गया है।

स्वनिधि महोत्सव 11 को, छोटे व्यापारियों को मिलेगा बिना गारंटी आसान ऋण

दुर्ग। निगम दुर्ग द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत शहर के स्ट्रीट वेंडर्स, ठेला-फेरी संचालकों, फुटपाथ व्यवसायियों एवं छोटे व्यापारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 11 जून को स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव नगर निगम कार्यालय स्थित मोतीलाल वोरा सभाकक्ष में प्रातः 10:30 से दोपहर 2:30 बजे तक आयोजित होगा। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को बिना किसी गारंटी के प्रथम चरण में 15 हजार द्वितीय चरण में 25 हजार तथा तृतीय चरण में 50 हजार तक का आसान ऋण उपलब्ध कराया जाता है। समय पर ऋण चुकाने वाले हितग्राहियों को ब्याज में सब्सिडी तथा डिजिटल भुगतान करने पर कैशबैक का लाभ भी प्रदान किया जाता है। नगर निगम ने सभी पात्र स्ट्रीट वेंडर्स एवं छोटे व्यापारियों से अपील की है कि वे स्वनिधि महोत्सव में आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्राप्त करें।

महामाया रोड में बुजुर्ग के साथ हुई लूट पुलिस कर रही आरोपियों की तलाश

कुम्हारी। विगत शनिवार को महामाया पारा वार्ड 4 निवासी बुजुर्ग मोहन लाल सिन्हा से कुछ लोगों ने 7 हजार लूटकर उन्हें घायल कर दिया। घटना के मुताबिक रोज की तरह बुजुर्ग मोहन लाल सिन्हा महामाया मंदिर जाने के लिए सुबह 5 बजे पैदल निकले थे मंदिर के ठीक पहले कंपोस्ट खाद केंद्र के पास अचानक दो गाड़ियों में लोग आए जिनमे एक मोटरसायकल पर दो लड़के और एक स्कूटी में सवार एक लड़का और एक लड़की ने उन्हें घेर लिया और जमीन पर पटक कर उनके साथ मारपीट करने लगे जिससे उन्हें पीठ और हाथ के निचले हिस्से में काफी चोटें आई हैं इसके बाद उन्होंने बुजुर्ग को चप्पलों से पीटना शुरू कर दिया। मोहन लाल सिन्हा ने बताया कि स्कूटी सवार लड़की ने उन्हें मारने के लिए पत्थर उठा लिया था इसबीच तीनों युवकों ने बुजुर्ग की जेब मे रखे 7 हजार लूटकर फरार हो गए। मोहन लाल सिन्हा जैसे तैसे मंदिर पहुंचे और पुजारी को सारी बातें बताई जिन्होंने उनके बेटे नोबल सिन्हा को इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही घटना की जानकारी पुलिस को दी है।

भिलाई में 12 किलो गांजा और 62 पौआ शराब जब्त

भिलाई/नवप्रदेश। खुर्सीपार थाना क्षेत्र में दुर्ग पुलिस ने बुधवार को नशे और अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस ने देवार पारा बस्ती में सघन चेकिंग और तलाशी अभियान चलाकर भारी मात्रा में गांजा, शराब और धारदार हथियार बरामद किए। कार्रवाई के दौरान कई जगहों पर छिपाकर रखे गए सामान को जब्त किया गया। पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि देवार पारा बस्ती में अवैध रूप से गांजा बेचने का कारोबार संचालित किया जा रहा है। इसके बाद करीब 50 पुलिसकर्मियों की टीम गठित कर इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने करीब 10 से 12 किलोग्राम गांजा बरामद किया। साथ ही गांजे की

छोटी-छोटी पुड़िया तैयार करने में इस्तेमाल किए जाने वाले प्लास्टिक रैपर के कई पैकेट भी जब्त किए गए। इसके अलावा पुलिस ने 18 पौआ देसी सोले मसाला और 44 पौआ गोल्डन गोवा शराब सहित कुल 62 पौआ अवैध शराब भी बरामद की। अभियान के दौरान कुछ धारदार हथियार भी जब्त किए गए हैं। अभियान के दौरान पुलिस ने उन स्थानों पर भी कार्रवाई की, जहां नशे के कारोबार की गतिविधियां संचालित होने की सूचना थी। पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया। पुलिस का कहना है कि बरामद गांजा और शराब किसने लाकर छिपाई थी और इसका उपयोग और बिक्री कौन कर रहा था, जांच चल रही है। गांजा बरामदगी के मामले में अज्ञात आरोपियों पर अपराध दर्ज की है।

टॉयलेट और मकान की छतों पर रखे थे गांजा

अभियान के दौरान पुलिस ने बस्ती के घरों, आसपास के खाली स्थानों और अन्य संदिग्ध जगहों की गहन तलाशी ली। जांच में पता चला कि कुछ लोग मादक पदार्थ और अन्य अवैध सामान को कबाड़ के बोरों, पुराने, खंडहरनुमा भवनों, मकानों की छतों और टॉयलेट जैसी जगहों पर छिपाकर रखते हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने अलग-अलग समूह बनाकर पूरे इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो तलवार समेत अन्य धारदार हथियार भी बरामद किए। वहीं बस्ती में खड़ी बिना नंबर संदिग्ध दोपहिया वाहनों को जब्त कर उनकी जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस इन वाहनों के मालिकों और उनके उपयोग के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्यवाही

■ लापरवाही पर स्टाफ नर्स की रोकी 2 वेतन वृद्धियां

दुर्ग/नवप्रदेश। कलेक्टर अभिजीत सिंह के जनदर्शन में आम जनता की शिकायतों पर हो रही त्वरित कार्यवाही के तहत जिला चिकित्सालय दुर्ग में पदस्थ स्टाफनर्स मोनिका पटेल को कार्यों के प्रति गंभीर लापरवाही बरतने पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा कड़े दंड से दंडित किया गया है। पचरीपारा दुर्ग निवासी प्रसूता राखी यादव पति अजय कुमार यादव ने विगत दिवस कलेक्टर जनदर्शन में स्टाफ नर्स की इस लापरवाही के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर सिंह के निर्देशन में सीएमएचओ जिला दुर्ग द्वारा कराई गई जांच में स्टाफ नर्स दोषी पाई गई। इस पर कार्यवाही करते हुए विगत 2 जून 2026 को संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय को संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा गया। प्राप्त प्रस्ताव और जांच रिपोर्ट के आधार पर स्टाफ नर्स मोनिका पटेल द्वारा सिविल सेवा नियम 1966 के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन पाया गया है। कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं (रायपुर संभाग) द्वारा नियमों की धारा 10 (चार) का प्रयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से मोनिका पटेल की आगामी 2 वार्षिक वेतन वृद्धियों को असंचयी प्रभाव से रोकने की शास्ती (दंड) अधिरोपित किया गया है।

महात्मा गांधी कला मंदिर में आज 'एक शाम बशीर बद्र के नाम' गजल संध्या

भिलाई/नवप्रदेश। इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र की स्मृति को समर्पित एक विशेष सांस्कृतिक संध्या 'एक शाम बशीर बद्र के नाम' का आयोजन 6 जून 2026 को महात्मा गांधी कला मंदिर में सायं 7:30 बजे से किया जाएगा। यह कार्यक्रम ग़ज़ल प्रेमियों के लिए एक यादगार संगीतमय संध्या के रूप में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध ग़ज़ल गायिका डॉ. साधना रहाटगांवकर, युवा ग़ज़ल गायक परन राज भाटिया तथा अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भजन एवं ग़ज़ल गायक प्रभंजय चतुर्वेदी अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र की कालजयी रचनाओं एवं लोकप्रिय ग़ज़लों की प्रस्तुति के माध्यम से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। संगत के लिए इंदिरा कला संगीत विवि खैरागढ़ के ख्यातिलब्ध कलाकारों के साथ-साथ भिलाई के राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। संगीत, साहित्य और ग़ज़ल की परंपरा को समर्पित यह आयोजन सांस्कृतिक रसिकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। बीएसपी प्रबंधन ने नगरवासियों, साहित्य एवं संगीत प्रेमियों को उपस्थित होने अपील की है।

बीएसपी ने 21800 वर्गफीट भूमि अवैध कब्जा कराया मुक्त

भिलाई/नवप्रदेश। इस्पात संयंत्र के प्रवर्तन विभाग द्वारा टाउनशिप क्षेत्र में अवैध कब्जों, अतिक्रमणों तथा नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाते हुए मई 2026 के दौरान व्यापक कार्रवाई की गई। इस अभियान के अंतर्गत आवासीय परिसरों, सार्वजनिक स्थलों तथा संयंत्र की मूल्यवान भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के साथ-साथ रोड सेफ्टी एवं नगर व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। अभियान के दौरान सेक्टर-6 स्थित अनफिट ब्लॉकों के 40 आवासों से अवैध कब्जे हटाए गए। इसके अतिरिक्त टाउनशिप के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित 32 अन्य आवासों को भी अवैध कब्जों से

मुक्त कराया गया। वहीं 16 विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए लगभग 21,800 वर्गफीट मूल्यवान भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया गया, जिससे बीएसपी की परिसंपत्तियों के संरक्षण एवं सुव्यवस्थित विकास को बल मिला। प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत टाउनशिप के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, विशेषकर सिविक सेंटर एवं पंथी चौक क्षेत्र में संचालित अवैध ठेलों एवं अस्थायी अतिक्रमणों को हटाया गया। इस दौरान अवैध रूप से संचालित खाद्य सामग्री के ठेलों को हटाकर यातायात एवं सार्वजनिक सुविधाओं के सुचारु संचालन को सुनिश्चित किया गया।

सड़क सुरक्षा एवं नगर सौंदर्यीकरण को ध्यान में रखते हुए 25 अवैध होर्डिंग संरचनाओं को हटाया गया तथा विभिन्न क्षेत्रों से 975 अवैध बैनर एवं पोस्टर भी हटाए गए। इसके अतिरिक्त नियमों की अवहेलना करने वाले आवासों, दुकानों एवं अवैध परिसरों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 53 विद्युत कनेक्शनों कट करने में भी विभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभियान महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएं विभाग) एबी श्रीनिवास के निर्देशन में संचालित किया गया। अभियान का नेतृत्व सहायक महाप्रबंधक (प्रवर्तन विभाग) रेमी थॉमस ने किया। कार्रवाई के सफल संचालन में सहायक प्रबंधक (प्रवर्तन विभाग) मुकुन्द दास मानिकपुरी, संपदा निरीक्षक राममूर्ति, रमाकांत यादव, भगवान, बलराम शुक्ला का योगदान रहा।

श्री श्री श्री मनिनम्मा सम्बरालु सीतला माता महोत्सव का भव्य आयोजन, सांसद विजय बघेल हुए शामिल

भिलाई/नवप्रदेश। वार्ड 45 जोन-2 अल्लपूरी सीता राम चौक बालाजी नगर खुर्शीपार भिलाई में तेलुगु समाज द्वारा आयोजित श्री श्री श्री मनिनम्मा सम्बरालु सीतला माता महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं सांस्कृतिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल उपस्थित रहे। उन्होंने नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न आकर्षक झांकियों का अवलोकन किया तथा सीतला माता की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र एवं समाज की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने कहा कि भिलाई वास्तव में ÷मिनी भारत÷ है, जहां देश के विभिन्न राज्यों के लोग अपनी संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाजों के साथ मिल-जुलकर रहते हैं। उन्होंने कहा कि तेलुगु समाज द्वारा आयोजित यह महोत्सव आंध्र प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उदाहरण है। यहां की मनमोहक झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखकर ऐसा प्रतीत होता है मानो हम आंध्र प्रदेश की धरती पर पहुंच गए हों।

संस्कृति समिति अध्यक्ष के. श्याम सुंदर राव ने बताया कि यह महोत्सव वर्षों से तेलुगु समाज की आस्था और परंपरा का प्रतीक रहा है। इस वर्ष भी आंध्र प्रदेश की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक परंपराओं को प्रदर्शित करती अनेक आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। नगर भ्रमण यात्रा में भगवान बालाजी की झांकी, कोबरा डांस, अलारु नृत्य, नौ दुर्गा स्वरूप, वडुका पडम, अक्का अलाडु, जालरी संस्कृति तथा विशाखापट्टनम की प्रसिद्ध सांस्कृतिक झलकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। विशाखापट्टनम से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत कोबरा डांस एवं अन्य पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

युवा संगम फेज-6 के तहत दिल्ली के युवा प्रतिनिधिमंडल ने किया बीएसपी का भ्रमण

भिलाई/नवप्रदेश। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पहल 'युवा संगम फेज-6' के अंतर्गत दिल्ली से आए 60 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने विगत दिनों में भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण कर देश की औद्योगिक एवं तकनीकी प्रगति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। शिक्षा मंत्रालय की इस पहल का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, विकास यात्रा, प्रौद्योगिकी एवं औद्योगिक उपलब्धियों से परिचित कराना है। इस कार्यक्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई ने छत्तीसगढ़ के नोडल उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा आईआईटी दिल्ली के सहयोग से कार्यक्रम का संचालन किया गया। इस्पात संयंत्र में आगमन पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत मानव

संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा किया गया। संयंत्र की सुरक्षा संस्कृति को प्राथमिकता देते हुए प्रतिभागियों को औद्योगिक सुरक्षा, कार्यस्थल सावधानियों तथा संयंत्र भ्रमण के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सभी प्रतिभागियों को आवश्यक व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) उपलब्ध कराए गए, जिससे वे सुरक्षित रूप से संयंत्र की उत्पादन इकाइयों का अवलोकन कर सकें। सुरक्षा उन्मुखीकरण सत्र के उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने संयंत्र की विभिन्न उत्पादन इकाइयों का भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा प्रतिभागियों को इस्पात निर्माण की आधुनिक प्रक्रियाओं, भारी इंजीनियरिंग, धातुकर्म तकनीकों तथा उत्पादन प्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों और संयंत्र के अधिकारियों के बीच सार्थक संवाद भी हुआ।

अवैध अतिक्रमणों के विरुद्ध संयुक्त अभियान: वर्षों से किए गए अवैध अतिक्रमण पर चलाया बुलडोजर

हनोदा माइनर नहर क्षेत्र में शासकीय भूमि को कराया अतिक्रमण मुक्त

दुर्ग/नवप्रदेश। जल संसाधन विभाग के अधीन हनोदा माइनर नहर, जो नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्रांतर्गत डी.पी.एस. स्कूल से वी.आई.पी. नगर तक प्रवाहित है। उक्त नहर क्षेत्र एवं विभागीय स्वामित्वाधीन शासकीय भूमि पर विगत कई वर्षों से किए गए अवैध अतिक्रमणों को हटाने हेतु जल संसाधन विभाग एवं नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा संयुक्त रूप से विशेष अभियान संचालित कर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही संपादित की गई। नहरें एवं उनसे संबद्ध शासकीय भूमि केवल विभागीय परिसंपत्तियां मात्र नहीं हैं, बल्कि वे सार्वजनिक

उपयोगिता की महत्वपूर्ण संरचनाएं हैं, जिनका संरक्षण, अनुरक्षण एवं अतिक्रमण मुक्त रखा जाना जनहित, जल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन तथा विभागीय दायित्वों के सुचारू निर्वहन के लिए अत्यंत आवश्यक है। नहर क्षेत्र में किया गया अवैध अतिक्रमण न केवल शासकीय भूमि पर अनधिकृत कब्जे की श्रेणी में आता है, बल्कि इससे नहरों के नियमित अनुरक्षण, निरीक्षण, मरम्मत कार्यों एवं अन्य विभागीय गतिविधियों में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होती हैं, जिससे सार्वजनिक परिसंपत्तियों की उपयोगिता एवं प्रभावशीलता प्रभावित होने की संभावना बनी रहती है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार संचालित इस कार्यवाही के पूर्व संबंधित अतिक्रमणकर्ताओं को स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने हेतु पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित अवधि समाप्त होने के उपरांत जल संसाधन विभाग एवं नगर पालिक निगम रिसाली के संयुक्त दल द्वारा स्थल पर पहुंचकर विधिसम्मत प्रक्रिया के अंतर्गत अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। उक्त संयुक्त अभियान में निगम रिसाली योगेश सूरे, सहायक राजस्व निरीक्षक, संतोष तिवारी, सहायक राजस्व निरीक्षक, रामेशर राम, सहायक राजस्व निरीक्षक, खिलेश कोसरे, भावेश सोनवानी, झामुनंद, दयालदास, एवं किरण देशमुख, तथा जल संसाधन विभाग के भास्कर यादव, उप अभियंता, भावना सिन्हा, उप अभियंता, साक्षी सिंह, उप अभियंता एवं प्रखर यादव, अमीन की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यपालन अभियंता आशुतोष सारश्वत ने बताया कि जल संसाधन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि विभाग के अधीनस्थ नहरों, जल संरचनाओं, अनुरक्षण मार्गों एवं शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण शासन के हितों, विभागीय अधिकारों तथा व्यापक जनहित के प्रतिकूल है। शासकीय भूमि पर अनाधिकृत कब्जा अथवा अतिक्रमण किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है तथा ऐसी प्रवृत्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। विभाग द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र अंतर्गत स्थित समस्त नहरों, जल संरचनाओं एवं विभागीय भूमि की सतत निगरानी की जा रही है। जहां कहीं भी शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण पाया जाएगा, वहां नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

न्यूज गैलरी

22 को फिंगेश्वर में लोक कल्याण मेला

फिंगेश्वर/नवप्रदेश। नगर पंचायत फिंगेश्वर में 22 जून 2026 को सांस्कृतिक भवन फिंगेश्वर में लोक कल्याण मेला का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना का उद्देश्य शहरी पथ विक्रेताओं को आत्मनिर्भर बनाना है। इस महोत्सव के तहत विशेष शिवरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक शहरी पथ विक्रेताओं को स्वनिधी ऋण, ऑनलाइन भुगतान, पूर्व में प्रस्तुत किए गए ऋण आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही वेंडर्स को शासन की अन्य जन्यकल्याणकारी योजनाओं को से जोड़ने के लिए सामाजिक आर्थिक प्रोफाइलिंग की जाएगी। योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को पहली किश्त के रूप में 15 जार रूपए, द्वितीय किश्त में 25 हजार रूपए और तृतीय किश्त में 50 हजार रूपए के लिए आवेदन कराया जाएगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने नगरीय निकाय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले शहरी पथ विक्रेताओं को अधिक से अधिक संख्या में इस योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

कलेक्टर उइके ने प्री-डीएलएड परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित प्री-डीएलएड प्रवेश परीक्षा आज जिले में शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। कलेक्टर श्री बीएस उइके ने शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परीक्षा केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण कर परीक्षा संचालन का जायजा लिया। निरीक्षण के समय सभी परीक्षा केंद्रों में सुचारू रूप से परीक्षा संचालित किया जा रहा था। इस अवसर पर परीक्षा के नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर सुश्री नेहा भेडिय़ा भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री उइके ने परीक्षा केंद्रों में पहुंचकर परीक्षार्थियों की बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं व्यापम द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार सुनिश्चित की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने सभी केंद्रों में अच्छे से परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश मौके पर मौजूद अधिकारियों को दिए। प्री-डीएलएड परीक्षा के लिए जिले में कुल 17 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे जहाँ 3 हजार 776 परीक्षार्थियों में से 2 हजार 811 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 965 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में विभिन्न सीटों के लिए काउंसिलिंग की तिथियां जारी

गरियाबंद, / जिला मुख्यालय स्थित शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग के लिए 30, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के लिए 15 और माइनिंग इंजीनियरिंग के लिए 30 सीटें इस प्रकार कुल 75 सीटों में प्रवेश के लिए संचालनालय तकनीकी शिक्षा द्वारा काउंसलिंग प्रक्रिया का प्रथम चरण 11 जून से 15 जून 2026 और द्वितीय चरण 26 जून से 30 जून 2026 तक जारी रहेगी। इसी प्रकार संस्था स्तर पर काउंसलिंग 11 जुलाई से 16 जुलाई तक होगी। काउंसलिंग के संबंध में अधिक जानकारी के लिए सीजीडीटीई रायपुर डॉट सीजी स्टेट या सीजीडीटीई डॉट एडमिशन या पॉलिटेक्निक गरियाबंद के आधिकारिक वेबसाइट में जाकर अवलोकन कर सकते है।

पद्म पुरस्कार के लिए नागरिक 10 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

गरियाबंद/नवप्रदेश। भारत सरकार द्वारा पद्म पुरस्कार श्रृंखला के तहत् पद्म विभूशण, पद्म भूशण तथा पद्म श्री पुरस्कारों के लिये वर्श 2027 के लिए प्रविशिटयां आमंत्रित की गई है। इन पुरस्कारों के नामांकन के लिए जिले के योग्य, पात्र व्यक्ति 10 जुलाई 2026 तक डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू अवार्ड जीओवी इन पर ऑनलाईन आवेदन भरते हुए नामांकन की जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग गरियाबंद के कक्ष क्र. 80 में जमा कर सकते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए संबंधित कार्यालय से कार्यालयीन समय में सम्पर्क किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पष्चात प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से महिला घायल, चालक पर मामला दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। सरायपाली थाना क्षेत्र में पानी भरने गई एक महिला सड़क हादसे में घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार वार्ड क्रमांक-07 जोगनीपाली निवासी चंद्रकांति बारिक अपने घर के सामने स्थित निर्मल साहू के वाहन धुलाई सेंटर के नल से पानी लेने गई थी। इसी दौरान ग्राम अर्जुंडा की ओर से आ रही सुपर स्प्लेंडर बाइक क्रमांक सीजी 06 जीएफ 0471 के चालक ने वाहन को तेज एवं लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए चंद्रकांति बारिक को टक्कर मार दी।

हादसे में महिला घायल हो गई। घटना की रिपोर्ट पर सरायपाली पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 125(ए) और 281 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

निधन: भाग्यलक्ष्मी राठौड़

महासमुंद/नवप्रदेश। स्टेशन रोड निवासी श्रीमती भाग्य लक्ष्मी राठौड़ (71) का निधन हो गया। वे तोषण भाई राठौड़ की धर्मपत्नी, मनीष राठौड़ की माता एवं महेंद्र, भूपेंद्र, खुशाल राठौड़ की भाभी, भरत, राजकुमार राठौड़ की चाची थीं। उनकी अंतिम यात्रा शुक्रवार सुबह 9 बजे निवास स्थान से निकलेगी।

100 छायादार और फलदार पौधों का किया रोपण, स्वयं कर रहे देखरेख

■ नगरी नगर पंचायत में पर्यावरण संरक्षण की अनूठी मिसाल बने सरवन साहू

नगरी/नवप्रदेश। वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी, घटते जलस्तर और पर्यावरण असंतुलन के बीच नगर पंचायत नगरी के जंगलपारा निवासी सरवन साहू ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल कर समाज के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने नगर के कन्या शाला रोड, गौरव पथ मार्ग एवं आसपास के क्षेत्रों में लगभग 100 छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण कर हरियाली बढ़ाने का सराहनीय कार्य किया है। उनकी इस पहल की नगरवासियों द्वारा मुक्तकंठ से प्रशंसा की जा रही है।

भीषण गर्मी के इस दौर में जहां लोग पेड़ों की छांव और स्वच्छ वातावरण की आवश्यकता को गहराई से महसूस कर रहे हैं, वहीं सरवन साहू पिछले दो वर्षों से लगातार पौधारोपण अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। विशेष बात यह है कि उन्होंने केवल पौधे लगाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं की, बल्कि रोज सुबह स्वयं पहुंचकर पौधों में पानी देना, उनकी सुरक्षा करना तथा उचित देखरेख कर उन्हें सुरक्षित रूप से विकसित करने का कार्य भी कर रहे हैं। कन्या शाला रोड और गौरव पथ जैसे प्रमुख मार्गों पर लगाए गए ये पौधे आने वाले समय में राहगीरों को छाया प्रदान करेंगे तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वहीं लगाए गए फलदार पौधे भविष्य में लोगों के लिए उपयोगी साबित होंगे और प्राकृतिक सौंदर्य को भी बढ़ाएंगे।

जानकारी के अनुसार सरवन साहू ने वर्ष 2021 में ब्रह्म ज्ञान की दीक्षा लेने के बाद मानव जीवन और प्रकृति संरक्षण के महत्व को समझते हुए पौधारोपण का संकल्प लिया था। तभी से वे निरंतर पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में लगे हुए हैं। अब तक वे लगभग 100 से अधिक पौधे विभिन्न स्थानों पर लगा चुके हैं और उनकी नियमित देखभाल भी कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आज के समय में अधिकांश लोग केवल पर्यावरण संरक्षण की बातें करते हैं, लेकिन जमीन स्तर पर कार्य बहुत कम दिखाई देता है। ऐसे समय में सरवन साहू ने अपने व्यक्तिगत प्रयासों और सेवा भावना से समाज के सामने सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनकी यह पहल युवाओं एवं नगरवासियों को भी पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित कर रही है।

नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि पर्यावरण एवं जनहित में उल्लेखनीय कार्य करने वाले सरवन साहू जैसे लोगों को सम्मानित किया जाए।

वाटर एंबुलेंस टीम की सजगता से अनहोनी टली, सुरक्षित बाहर निकाला

डेढ़ साल की मासूम बच्ची को किनारे छोड़ डेम में कूदी महिला

धमतरी/नवप्रदेश। धमतरी के प्रसिद्ध पर्यटन और धार्मिक स्थल गंगरेल डैम में गुरुवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक महिला ने अपनी डेढ़ साल की मासूम बच्ची को किनारे पर अकेला छोड़ डैम के गहरे पानी में छलांग लगा दी। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। हालांकि, वहां मौजूद लोगों और वाटर एंबुलेंस टीम की सजगता से एक बड़ी अनहोनी टल गई और महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

मासूम को किनारे छोड़ गहरे पानी में कूदी मां

मिली जानकारी के अनुसार, घटना गुरुवार दोपहर लगभग 2 बजे की है। महिला अपनी डेढ़ वर्षीय बच्ची के साथ गंगरेल डैम स्थित अंगारमोती मंदिर के पीछे पहुंची थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, महिला ने अचानक

अपनी बच्ची को किनारे पर बैठाया और खुद डैम में कूद गई। महिला को डूबता देख आस-पास के लोगों ने तुरंत शोर मचाया और संबंधित अधिकारियों को मामले की सूचना दी।

जांच में जुटी रुद्री पुलिस

घटना की भनक लगते ही रुद्री पुलिस की टीम भी मौके पर और अस्पताल पहुंच चुकी है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच में जुट गई है कि आखिर महिला ने ऐसा आत्मघाती कदम क्यों उठाया। राहत की बात यह है कि मां के इस कदम के दौरान किनारे पर छूटी डेढ़ साल की मासूम बच्ची पूरी तरह सुरक्षित है।

वाटर एंबुलेंस ने 5 मिनट में किया रेस्क्यू

सूचना मिलते ही डैम पर तैनात वाटर एंबुलेंस की रेस्क्यू टीम तुरंत एक्शन में आई। टीम ने कुछ ही मिनटों में महिला को लोकेट किया और पानी के भीतर से लगभग 5 मिनट के भीतर उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बोटिंग पॉइंट के पास महिला को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया, जिसके बाद 108 एम्बुलेंस की मदद से उसे जिला अस्पताल धमतरी भेजा गया।

अस्पताल में आया होश, महिला ने बताई यह बात

जिला अस्पताल में इलाज के बाद जब महिला को होश आया, तो उसने अपनी पहचान उजागर की। महिला ने बताया कि उसका मायके सोनामगर (नगरी) है और उसका ससुराल सरसोंपुरी में है। उसने यह भी बताया कि वह बुधवार को ही धमतरी आ गई थी और रात उसने शहर के एक गार्डन में बिताई थी। गुरुवार दोपहर वह गंगरेल पहुंची थी। महिला के हाथ पर 'सतवंतीन' नाम गुदा हुआ मिला है।

गंगरेल जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई इस घटना ने लोगों को स्तब्ध कर दिया है, वहीं समय रहते रेस्क्यू टीम की जांबाजी की हर तरफ तारीफ हो रही है।

शराब की अवैध बिक्री करते एक गिरफ्तार, 20 पौवा शराब जब्त

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, जुआ, सट्टा, अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 02 जून को चौकी देवकर पुलिस टीम को जरिये मुखबिर से सूचना मिला कि देवकर पानी टंकी के पास दादु ढीमर निवासी देवकर के द्वारा शराब बिक्री हेतु रखा है कि सूचना के अधार पर चौकी देवकर पुलिस टीम द्वारा रेड कार्यवाही कर आरोपी को अवैध शराब रखकर बिक्री करते पकड़ा गया।

जिसमें चौकी देवकर थाना साजा में 01 प्रकरण में 01 आरोपी दादू ढीमर पिता गणेश ढीमर उम्र 21 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 11 देवकर चौकी देवकर थाना साजा जिला बेमेतरा के कब्जे से 20 पौवा देशी मसाला शराब (3,600द्वद्य) कीमती लगभग 2,000/- रूपये को आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई हैं। उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी देवकर उप निरीक्षक अलील चंद, सहायक उप निरीक्षक छोटेलाल बंजारे, प्रधान आरक्षक ललित केरकेट्टा, आरक्षक मोहित देवांगन, मुकेश पाल सहित चौकी देवकर के समस्त पुलिस स्टाफ का योगदान रहा।

पत्थर से हमला कर दी जान से मारने की धमकी, आरोपी पर केस दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। तुमगांव थाना क्षेत्र में एक युवक के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक वार्ड क्रमांक-08 तुमगांव निवासी अरविंद ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 30 मई की रात करीब 11 बजे वह बाजार चौक स्थित फ्रीडम चौक में यशवंत बंजारे के साथ बातचीत कर रहा था। इसी दौरान रोशन बांधे वहां पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा।

आरोप है कि रोशन बांधे ने पत्थर से हमला कर अरविंद की पिटाई की तथा उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

जुआ सट्टा एक्ट के एक प्रकरण में एक आरोपी से नगदी, मोबाइल एवं सट्टा-पट्टी और पेन जब्त

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, जुआ, सट्टा, अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में 03 जून को थाना बेमेतरा स्टाफ को जरिये मुखबिर से सुचना मिली कि एक व्यक्ति ग्राम खिलोरा तालाब पार आम पेड के नीचे आम जगह पर विभिन्न अंको के सामने रूपये पैसो का दांव लगाकर सट्टा-पट्टी लिख रहा है। कि सुचना पर

साइबर सेल एवं थाना बेमेतरा पुलिस टीम पहुच कर सुचना के अधार पर रेड कार्यवाही किया गया, रेड कार्यवाही के दौरान आरोपी को विभिन्न नम्बरो पर रूपये पैसो का दांव लगाकर सट्टा-पट्टी लिखते पकड़ा गया।

जिस पर थाना बेमेतरा में जुआ सट्टा का 01 प्रकरण दर्ज कर 01 आरोपी भगत राम साहू पिता स्व. छोटकू राम साहू उम्र 35 वर्ष, निवासी खिलोरा थाना व जिला बेमेतरा के विरूद्ध धारा 6 छत्तीसगढ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 के तहत कार्यवाही की गई हैं। आरोपी के पास से कुल जुमला नगदी रकम 9,500/- रूपये, एक नग टच स्क्रीन मोबाईल कीमती 10,000/- रूपये, जुमला कीमती 19,500/- रूपये एवं सट्टा-पट्टी,पेन जप्त किया गया है।

रेत फेंकने पर विवाद, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई रिपोर्ट

■ मारपीट के बाद पटेवा थाने में काउंटर केस

महासमुंद/नवप्रदेश। पटेवा थाना क्षेत्र के ग्राम रामाडबरी में रेत फेंकने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने काउंटर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहले पक्ष के अनुसार ग्राम रामाडबरी निवासी नरेंद्र सोनटके ने बताया कि 2 जून की शाम करीब 5 बजे वह केरामुड़ा मार्ग स्थित अपने खेत से ट्रैक्टर-ट्रॉली में ईंट लोड कर पत्नी हसीना सोनटके के साथ घर लौट रहा था। इसी दौरान पीपरी चौक स्थित बंजारे दुकान के सामने समारू सोनटके ने उसके ऊपर रेत फेंक दी। विरोध करने पर समारू ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंची पत्नी हसीना सोनटके के साथ भी मारपीट की गई। बाद में मां प्रेमीन सोनटके और भाई शंकर सोनटके पहुंचे तो समारू सोनटके, किशन सोनटके एवं छीता सोनटके ने उनके साथ भी मारपीट की। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296 और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया है। वहीं दूसरे पक्ष के समारू सोनटके ने पुलिस को बताया कि वह अपने घर के सामने रेत छान रहा था। उसी समय शंकर सोनटके ने रेत फेंकने की बात को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। मना करने पर नरेंद्र सोनटके ने मारपीट की। बीच-बचाव के लिए आई उसकी पत्नी सीताबाई के साथ प्रेमीन सोनटके, संगीता, महेश्वरी तथा अन्य लोगों ने गाली-गलौज और मारपीट की। समारू सोनटके की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 191(2) और 296 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

साढ़े 9 लाख का गांजा जब्त, दो अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

■ गरियाबंद पुलिस का अवैध गांजा परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही

गरियाबंद/नवप्रदेश। थाना प्रभारी अमलीपदर को मुखबीर सूचना मिला की दो व्यक्ति एक सिल्वर कलर के मोटर सायकल हीरो एचएफ डिलक्स क्रमांक सीजी-04-एलयू-2550 में भारी मात्रा में अवैध गांजा रखकर परिवहन करते हुए दीगर प्रारंत उडीसा से थाना अमलीपदर क्षेत्रांतर्गत आ जा रहे है। मुखबीर के सूचना के आधार पर थाना से

पुलिस टीम को घटना स्थल रवाना किया गया। घटना स्थल ग्राम बिरीघाट पहुंच कर आम रोड पर नाकाबंदी किया गया।

संदिग्ध वाहन के चेकिंग के दौरान मुखबीर द्वारा बताये गये हुलिया एवं वाहन के अधार पर संदेही आरोपियों का नाम पता पुछने पर अपना नाम 01) हीरालाल केवर्त पिता लक्ष्मण केवर्त उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम मोहरा थाना चांदाहाण्डी जिला नवरंगपुर (उड़ीसा) 02) टीकम टोलटिया पिता राघव उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम मोहरा थाना चांदाहाण्डी जिला नवरंगपुर (उड़ीसा) कर रहने वाला बताया। आरोपियों के कब्जे से 18.900 किलो ग्राम अवैध गांजा कीमती 9.45,000 रूपये एवं घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल हीरो एचएफ डिलक्स क्रमांक सीजी-04-एलयू-2550 कीमती 30 लाख रूपये 02 नग मोबाइल 14 हजार कुल जुमला 09 लाख 89 हजार रूपये को समक्ष गवाहन के जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। प्रकरण के आरोपी 01) हीरालाल केवर्त पिता लक्ष्मण केवर्त उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम मोहरा थाना चांदाहाण्डी जिला नवरंगपुर (उड़ीसा) 02) टीकम टोलटिया पिता राघव उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम मोहरा थाना चांदाहाण्डी जिला नवरंगपुर (उड़ीसा) को समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

शिकार मामले में वन विकास निगम ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

■ तीन अन्य आरोपी फरार, संभावित ठिकानों पर दबिश जारी, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया आरोपी

महासमुंद/नवप्रदेश। वन अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत वन विकास निगम की टीम ने शिकार प्रकरण में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वहीं मामले के तीन अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी (बार) संजय कुमार ठाकुर एवं सहायक परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी रणवीर सिंह मरावी के नेतृत्व में वन विकास निगम की टीम ने बार परिक्षेत्र के बसना सर्कल अंतर्गत ग्राम पड़कीपाली और अकलतरा में विशेष अभियान चलाया। शिकार प्रकरण में शामिल आरोपियों की पतासाजी के लिए टीम लारीपुर बीट क्षेत्र के इन गांवों में पहुंची थी।

कार्रवाई के दौरान टीम ने घेराबंदी कर मनोहर यादव (32 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि मौके का फायदा उठाकर ग्राम पड़कीपाली निवासी लोकेश भोई एवं सेवकराम भोई, तथा ग्राम अकलतरा निवासी राजू मांझी फरार होने में सफल रहे।

गिरफ्तार आरोपी मनोहर यादव को सांकरा पुलिस के माध्यम से न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जिला जेल भेजने के आदेश दिए, जिसके बाद उसे जेल दाखिल कर दिया गया।

वन अपराधों पर जीरो टॉलरेंस नीति

परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी (बार) संजय कुमार ठाकुर ने बताया कि वन विभाग एवं वन विकास निगम द्वारा वन्यजीवों के शिकार और अन्य वन अपराधों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई गई है। विभाग ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरत रहा है और लगातार निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने बताया कि फरार तीनों आरोपियों की पहचान कर ली गई है तथा उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। विभाग को उम्मीद है कि जल्द ही शेष आरोपियों को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। वन विभाग की इस कार्रवाई को वन्यजीव संरक्षण और अवैध शिकार पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गड़बड़ी: 2039 क्विंटल धान गायब, एफआईआर दर्ज हुए तीन सप्ताह से अधिक समय बीत गया, आरोपी अब भी गिरफ्त से बाहर

कुहीकला सोसायटी में 63 लाख के धान घोटाले में अब तक गिरफ्तारी नहीं

छुरिया/नवप्रदेश। राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम कुहीकला धान खरीदी केंद्र में सामने आए 63 लाख 23 हजार 566 रुपये के कथित धान घोटाले ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले में एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अब तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार थाना गैंदाटोला में 12 मई 2026 को एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर में उल्लेख है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान धान खरीदी और भंडारण के मिलान में 2039.86 क्विंटल धान कम पाया गया, जिसकी कीमत 63 लाख 23 हजार 566 रुपये आंकी गई है।

जांच रिपोर्ट के आधार पर समिति प्रभारी हरनारायण रामटेके, कंप्यूटर ऑपरेटर धनेश्वर कंवर एवं प्राधिकृत अधिकारी रामकुमार मंडावी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। जांच में रिकॉर्ड और वास्तविक भंडारण के बीच बड़ा अंतर सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई।

गिरफ्तारी नहीं होने से उठ रहे सवाल?

एफआईआर दर्ज हुए तीन सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों के बीच सवाल उठ रहे हैं। क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि आखिर ऐसे कौन से कारण हैं, जिनकी वजह से मामले में अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है।

जनता को अगली कार्रवाई का इंतजार

63 लाख रुपये के कथित धान घोटाले में एफआईआर दर्ज होने के बावजूद गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों की निगाहें अब पुलिस और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। आमजन जानना चाहते हैं कि मामले में जिम्मेदार लोगों पर कानूनी शिकंजा कब कसेगा और जांच कब अपने अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचेगी।

पुलिस ने बताई देरी की वजह

मामले को लेकर थाना प्रभारी राजेश साहू का कहना है कि विवेचना जारी है। जिन अधिकारियों ने जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, उनके बयान अभी तक दर्ज नहीं हो पाए हैं। साथ ही कुछ आवश्यक दस्तावेज भी पुलिस को प्राप्त नहीं हुए हैं।

राजनीतिक संरक्षण की चर्चा भी तेज

मामले में नामजद आरोपियों में एक व्यक्ति का संबंध भाजपा से बताया जा रहा है। गिरफ्तारी में हो रही देरी के चलते क्षेत्र में राजनीतिक संरक्षण को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन आमजन सवाल उठा रहे हैं कि यदि एफआईआर दर्ज हो चुकी है तो कानून की कार्रवाई में इतनी देरी क्यों हो रही है और क्या कानून सभी के लिए समान रूप से लागू हो रहा है?

1200 से अधिक पेड़ लगाने वाले पर्यावरण प्रहरी अवध राम साहू को लोग आज भी करते है याद

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले के ग्राम कामाडाबरी के निवासी स्वर्गीय अवध राम साहू ने अपने जीवन को पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के लिए समर्पित कर एक ऐसी मिसाल कायम की, जिसे आने वाली पीढ़ियां लंबे समय तक याद रखेंगी। 82 वर्ष की आयु में 19 नवंबर 2024 को उनके निधन के बाद भी उनके द्वारा लगाए गए हजारों वृक्ष आज लोगों को छाया, फल और स्वच्छ प्राणवायु प्रदान कर रहे हैं। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर क्षेत्र के ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके कार्यों को याद किया।

अवध राम साहू ने महज 18 वर्ष की उम्र से वृक्षारोपण का अभियान शुरू किया था। पर्यावरण के प्रति उनके समर्पण का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपने जीवनकाल में 1200 से अधिक छायादार और फलदार पौधे रोपे। इनमें नीम, पीपल, बरगद, इमली और आम जैसे

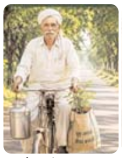

वृक्ष प्रमुख हैं। वर्षों की मेहनत और देखभाल के बाद ये पौधे आज विशाल वृक्षों का रूप ले चुके हैं और क्षेत्र की पहचान बन गए हैं।

ग्राम कामाडाबरी की सड़क के दोनों ओर लगाए गए आम के सैकड़ों वृक्ष आज राहगीरों को घनी छाया और स्वादिष्ट फल उपलब्ध करा रहे हैं। वहीं ग्राम खदौड़ा के जंगल स्थित बड़े तालाब के आसपास लगाए गए वृक्षों ने क्षेत्र के पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने के साथ-साथ जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तालाब के चारों ओर फैली हरियाली स्थानीय लोगों और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

ग्रामीणों के अनुसार अवध राम साहू केवल पौधे लगाकर अपना दायित्व पूरा नहीं मानते थे। वे प्रतिदिन साइकिल से 10 से 15 किलोमीटर तक की दूरी तय कर पौधों की देखभाल करने पहुंचते थे। उनके पास हमेशा कुदाल, हंसिया, पानी का डिब्बा और पौधों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सामग्री रहती थी।

पशुओं से पौधों को बचाने के लिए वे स्वयं कांटेदार बाड़ तैयार करते थे। यही कारण है कि उनके लगाए अधिकांश पौधे आज बड़े वृक्ष बन चुके हैं। स्थानीय ग्रामीण काशीराम उइके, क्षेत्रीय नेता विदेशी राम धुर्वे, वृक्षारोपण प्रेमी मोहन कश्यप, ईश्वर प्रसाद शर्मा, बोडला नगर पंचायत अध्यक्ष विजय पाटिल, पंडरिया के मोहन सिंह राजपूत एवं उनकी टीम तथा कवर्धा की हरीतिमा टीम ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने कहा कि अवध राम साहू का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

संक्षिप्त खबरें

दिवंगत विधायक राजा देवव्रत को जन्म जयंती पर दी श्रद्धांजलि

खैरागढ़/नवप्रदेश। दिवंगत विधायक एवं खैरागढ़ राजा देवव्रत सिंह की जन्मजयंती पर शहर मे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर श्रद्धा, सम्मान और जनसेवा संकल्प के लिए श्रद्धांजलि दी गई । राजा आर्यव्रत सिंह, जिलापंचायत सदस्य शताक्षी सिंह सहित परिजनो, कांग्रेस नेताओ और समर्थको ने दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि अर्पित की। सिविललाइन स्थित दिवंगत विधायक की प्रतिमा पर माल्यार्पण,वीरेश्वर महादेव मंदिर स्थित समाधि स्थल पर दीप प्रज्वलन कर पुष्पाजंलि अर्पित की गई । श्रद्धाजंलि पश्चात राजा आर्यव्रत सिंह, शताक्षी सिंह सहित समर्थको ने सिविल अस्पताल पहुँचकर वहां इलाजरत मरीजो को फल सहित आवश्यक खादय सामाग्री का वितरण कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की । समर्थको ने कहा कि दिवंगत विधायक देवव्रत सिंह, सदैव जनता के सुखदुख मे सहभागी रहे उनकी जयंती पर जनसेवा कार्य उनके आदर्शो को श्रद्धांजलि है । कार्यक्रम मे सिंह की बड़ी बहन उज्जवला सिंह, राजेश लुनिया, जितेन्द्र सिंह गौर, नपा उपाध्यक्ष रज्जाक खान, पुरूषोत्तम वर्मा, यतेन्द्र जीत सिंह, रवीन्द्र सिंह गहरवार, किशन रजक, दयाराम पटेल नित्यशरण सिंह, मौजूद रहे । विधायक यशोदा वर्मा ने भी शहर कांग्रेस की अगुवाई मे दिवंगत विधायक की प्रतिमा स्थल पहुँच उन्हे पुष्पांजली अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की ।

महापौर ने नए जेसीबी की पूजा कर चालक को सौंपी चाबी

राजनांदगा/नवप्रदेश। नगर निगम में सुविधा विस्तार की कडी में 15 वें वित्त आयोग योजनान्तर्गत नया जे.सी.बी. क्रय किया गया, जिसका वार्डो में साफसफाई, पाईप लाईन एवं अन्य कार्यो के लिए उपयोग किया जायेगा। उक्त नये जे.सी.बी.ब मशीन का महापौर श्री मधुसूदन यादव ने निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, जल विभाग के प्रभारी सदस्य श्री सुनील साहू, लोककर्म विभाग के प्रभारी सदस्य श्री सावन वर्मा,कनिष्ठ सभापति श्री संदीप बघेल, पार्षद श्री मनोहर यादव व श्री सतीश साहू, पूर्व पार्षद श्री शरद सिन्हा, मोटर प्रभारी श्री सुरेन्द्र साव की उपस्थिति में पूजा अर्चना कर चालक को चाबी सौंपी। इस अवसर पर महापौर श्री यादव ने कहा कि, निगम के 4 जे.सी.बी. लगभग 10-12 वर्ष पुरानी होने के कारण खराब हो जाती है, जिससे कचरा मलमा उठाने एवं पाईप लाईन के कार्य में बाधा उत्पन्न होती है। जिसे दुर करने नगर निगम द्वारा 15वें वित्त आयोग अंतर्गत नये जे.सी.बी. क्रय करने शासन को प्रस्ताव भेजा, शासन स्वीकृति पश्चात् विधिवत प्रक्रिया कर नये जे.सी.बी. मशीन क्रय किया गया। उक्त जे.सी.बी. से अब शहर में साफसफाई, मलमा उठाने, नाला सफाई, पाईप लाईन के कार्य करने में आसानी होगी।

बजट प्रावधान क्रियान्वयन के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों की महापौर ने ली बैठक

राजनांदगांव/नवप्रदेश। महापौर श्री मधुसूदन यादव ने आज बजट प्रावधान क्रियान्वयन के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियो की बैठक लेकर आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, एवं निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा की उपस्थिति में बजट प्रावधानों पर बिन्दुवार चर्चा कर दिशा निर्देश दिये। महापौर श्री यादव ने बैठक में कहा की गत वित्तीय वर्ष के दीर्घकालीन योजनाएं जो प्रगतिरत है उन्हें आगे बढ़ाकर पूरा करना है इसी प्रकार इस वर्ष के प्रावधानों का भी क्रियान्वयन करना है। उन्होने कहा की सभी प्रावधानों के क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, सभी अधिकारी प्रावधान अनुसार स्थानीय एवं शासन स्तर पर प्रक्रिया करना सुनिश्चित करेंगे, ताकि प्रावधानों का लाभ जनता को मिल सके। उन्होने बिन्दुवार सभी प्रावधानों के संबंध में प्रभारी अधिकारियो से चर्चा कर दिशा निर्देश दिए। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने जानकारी दी कि कुछ प्रावधानों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसमे निर्धन छात्रा शिक्षा व्यवस्था अंतर्गत तीन शाला में निर्धन छात्राओं के वार्षिक शुल्क के लिए प्राचार्यो को राशि दी गयी है, वार्डों में डस्टबिन वितरण किया जा रहा है, मस्ती की पाठशाला का हर रविवार को आयोजन किया जा रहा है।

बाईपास सड़क शुरू होने से पहले ही दरकने लगी, दो किमी सड़क में जगह-जगह दरार

सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार गुणवत्ता की पोल खुली

आवाजाही शुरू नहीं हुआ और जगह-जगह फट गई बाईपास सड़क

छह किमी लंबे बाईपास सडक़ मे पुल निर्माण नही होने से आवाजाही शुरू नही हो पाई है लेकिन सडक़ निर्माण मे हुए भ्रष्टाचार की पोल अब खुलने लगी है । सोनेसरार की ओर से बनाए गए बाइपास सडक़ मे जगह जगह लंबी और गहरी दरारे अभी से सामने आ गई है । एक दो जगहो पर नही बल्कि सोनेसरार से आमनेर पुल निर्माण तक के दो किमी डामर सडक़ मे कई जगहे दरारे लगातार बढ़ रही है । कोरोना के दौरान आनन फानन मे काम दिखाने डामर सडक़ का निर्माण बेतरतीब ढंग से करा दिया गया था । सडक़ की न निर्धारित समय पर जांच की गई और न ही इसकी मानिटरिंग हो पाई । तीन साल बाद सडक़ मे आवाजाही शुरू होने से पहले ही सडक़े जगह जगह से फट रही है।

खैरागढ़/नवप्रदेश। शहर की यातायात व्यवस्था को संभालने और सुधारने बनाई गई बाइपास सडक़ शुरू होने के पहले ही धराशाई हो गई है ।

शहर के राइसमिल से सोनेसरार तक भारी और बड़े वाहनो को शहर के भीतर घुसने से रोकने आठ साल पहले प्रस्तावित की गई छह किमी लंबी बाईपास सडक़ मे सडक़ का निर्माण कार्य तीन साल पहले ही पूरा कर लिया गया है । लेकिन बाईपास सडक़ मे उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य पूरा नही होने के कारण अब तक बाईपास योजना धरातल पर नही उतर पाई है । बाईपास सडक़ मे मोतीनाला, मुस्का नाला पर पुल निर्माण प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है लेकिन आमनेर नदी पर बनने वाला उच्च स्तरीय पुल ठेकेदार , सेतु निगम की लापरवाही के चलते आठ साल से अटकी पड़ी है । इस दौरान लोकनिर्माण विभाग द्वारा आनन फानन मे टेंडर करवाकर सडक़ का निर्माण करवा लिया गया । लेकिन अब तक बाईपास सडक़ से आवाजाही शुरू नही हो पाई है ।

बड़ी और लंबी दरारे इसके भ्रष्टाचार की कहानी बंया करने लगी है । कई जगहो से फट रही सडक़ जगह जगह से धंसने भी लगी है । इसके चलते इसके निर्माण मे बरती गई कोताही भी अब सामने आ रही है ।

सोनेसरार वार्ड के पूर्व पार्षद कमलेश कोठले ने बताया कि उक्त बाइपास सडक़ मे आवाजाही शुरू नही होने के कारण वार्डवासी इसका उपयोग अपने खेतो मे जाने, मार्निंग वाक सहित अन्य कार्यो के लिए करते है । जगह जगह से दरार पडक़र टूट चुकी सडक़ो पर आवाजाही करने वाले किसानो के दो पहिया वाहन फंस रहे है । जिससे कई दुर्घटनाएं सामने आ रही है । वार्डवासियो ने भी सडक़ निर्माण मे हुए भ्रष्टाचार की जांच करते इसके नवनिर्माण कराए जाने की मांग की है ।

पीएम आवास निर्माण में लापरवाही बरतने वाले 35 हितग्राही एसडीएम कोर्ट में तलब

■ 15 दिन में आवास पूरा करने के निर्देश, देरी पर एक आवास निरस्त, राशि लौटाने के आदेश

खैरागढ़/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृत आवासों का निर्माण समय पर शुरू या पूरा नहीं करने वाले हितग्राहियों के विरुद्ध स्थानीय प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। जनपद पंचायत खैरागढ़ क्षेत्र में 2016 से 2025 तक स्वीकृत 1008 आवास चिन्हित किए गए हैं । जिनका निर्माण कार्य अब तक प्रारंभ नहीं हुआ है या अपूर्ण पड़ा है। इन प्रकरणों में एसडीएम न्यायालय द्वारा संबंधित हितग्राहियों को समन जारी कर सुनवाई के लिए तलब किया गया है।

ग्राम पंचायत देवरी, महरूमकला एवं कुकुरमुड़ा के कुल 35 डिफाल्टर हितग्राहियों को न्यायालयीन समन की तामीली के बाद एसडीएम टंकेश्वर साहू के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सुनवाई के दौरान सभी हितग्राहियों को आगामी 15 दिनों के भीतर आवास निर्माण कार्य पूर्ण करने का अंतिम अवसर देते हुए सख्त निर्देश दिए गए। न्यायालय ने कहा कि अगली पेशी में अनुपस्थित रहने वाले हितग्राहियों को पुलिस के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित कराया जाएगा। सुनवाई के दौरान ग्राम कुकुरमुड़ा निवासी हितग्राही सुशील कुमार साहू द्वारा प्रथम किश्त प्राप्त होने के बावजूद निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं करने पर उनका स्वीकृत आवास तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया। उन्हें प्राप्त शासकीय राशि 15 दिनों के भीतर वापस जमा करने का आदेश दिया गया है। निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं करने पर उनके विरुद्ध राजस्व वसूली सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी। न्यायालय में उपस्थित अन्य हितग्राहियों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए लिखित प्रतिज्ञा पत्र एवं सहमति पत्र प्रस्तुत करते अपने स्वीकृत आवास का निर्माण शीघ्र पूर्ण करने का आश्वासन दिया। एसडीएम टंकेश्वर साहू ने कहा कि बैंक खाते में राशि प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर निर्माण कार्य प्रारंभ करना और अधिकतम छह माह के भीतर आवास पूर्ण करना अनिवार्य है।

घुमका नगर पंचायत में कांग्रेस की फूलमती वर्मा बनीं अध्यक्ष, भाजपा प्रत्याशी को 85 वोट से हराया

राजनांदगांव/नवप्रदेश। नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत नगर पंचायत घुमका के अध्यक्ष एवं 15 वार्डों के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी एवं हिन्दी उत्कृष्ट विद्यालय घुमका में हुई मतगणना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। अध्यक्ष पद पर कांग्रेस प्रत्याशी फूलमती जयकुमार वर्मा ने 1512 मत प्राप्त कर भाजपा प्रत्याशी किरण वर्मा को 85 मतों से पराजित किया। किरण वर्मा को 1427 मत मिले, जबकि आम आदमी पार्टी की अलिशा जोशी को 70 मत प्राप्त हुए। नोटा में 22 और अंडर वोट 29 दर्ज किए गए।

अध्यक्ष पद पर कांग्रेस की जीत के बावजूद वार्ड चुनावों में भाजपा का दबदबा देखने को मिला। 15 वार्डों में से भाजपा ने 10 वार्डों पर कब्जा जमाया, जबकि कांग्रेस को 4 वार्डों में सफलता मिली। एक वार्ड में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे।

सबसे रोचक मुकाबला वार्ड क्रमांक-2 में देखने को मिला, जहां कांग्रेस प्रत्याशी गौरव शर्मा और भाजपा प्रत्याशी किशन सिंह चंदेल को समान 139-139 मत मिले। इसके बाद लॉटरी प्रक्रिया के जरिए गौरव शर्मा को विजयी घोषित किया गया।

वार्ड क्रमांक-14 मिनीमाता वार्ड में निर्दलीय प्रत्याशी संतोष ने 83 मत प्राप्त कर भाजपा प्रत्याशी आलोक भारती को मात्र एक मत से हराकर जीत दर्ज की।

वार्डवार परिणाम

वार्ड 1 - इंदिरा वर्मा (भाजपा) विजयी
वार्ड 2 - गौरव शर्मा (कांग्रेस) विजयी (लॉटरी से फैसला)
वार्ड 3 - कुमार नाथ बघेल (कांग्रेस) विजयी
वार्ड 4 - शैलेन्द्र वर्मा (भाजपा) विजयी
वार्ड 5 - रूपनारायण साहू (भाजपा) विजयी
वार्ड 6 - रामचंद वर्मा (कांग्रेस) विजयी
वार्ड 7 - गोविन्दा यादव (भाजपा) विजयी
वार्ड 8 - नोहेन्द्र कुमार सिन्हा (भाजपा) विजयी
वार्ड 9 - उषा पप्पू वर्मा (कांग्रेस) विजयी
वार्ड 10 - रोशन कुमार वर्मा (भाजपा) विजयी
वार्ड 11 - खिलेश कुमार यादव (भाजपा) विजयी
वार्ड 12 - सुनीता गंगेश्वर वर्मा (भाजपा) विजयी
वार्ड 13 - लोकेश्वरी सूरज पात्रे (भाजपा) विजयी
वार्ड 14 - संतोष (निर्दलीय) विजयी
वार्ड 15 - रूखमणी बाई वर्मा (भाजपा) विजयी

नगर पंचायत घुमका के चुनाव परिणामों में अध्यक्ष पद कांग्रेस के खाते में गया, जबकि परिषद में भाजपा ने बहुमत हासिल कर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

जनमन नहीं, जनपीड़ा की कहानी: बैगा आदिवासी गंदा पानी पीने को मजबूर : तुकाराम चंद्रवंशी

■ कागजों में विकास, हकीकत में गंदा पानी; बैगा आदिवासियों के साथ अन्याय बंद हो - तुकाराम चंद्रवंशी

कवर्धा/नवप्रदेश। युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष तुकाराम चंद्रवंशी ने ग्रामीणों की शिकायत पर कवर्धा विधानसभा के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र स्थित बैगा बाहुल्य ग्राम केशमर्दा का दौरा किया। गांव में व्याप्त भीषण पेयजल संकट एवं बोरिंग, झिरिया तथा कुओं से निकल रहे लाल एवं गंदे पानी की स्थिति देखकर उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त की और भाजपा सरकार एवं जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए।

श्री चंद्रवंशी ने कहा कि मुख्यमंत्री, गृहमंत्री विजय शर्मा, जिला प्रशासन एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी बताएं कि क्या वे स्वयं इस पानी का एक घूंट पी सकते हैं? जिस पानी को देखकर कोई भी व्यक्ति पीने से इंकार कर दे, उसी पानी को बैगा आदिवासी परिवार वर्षों से मजबूरी में पी रहे हैं। यह स्थिति केवल प्रशासनिक विफलता नहीं बल्कि आदिवासी समुदाय के प्रति गंभीर संवेदनहीनता का उदाहरण है।उन्होंने कहा कि ग्रामवासियों ने शुद्ध पेयजल की मांग को लेकर कई बार आवेदन और शिकायतें कीं, यहां तक कि सुशासन तिहार में भी अपनी समस्याएं रखीं, लेकिन उन्हें समाधान के स्थान पर केवल आश्वासन मिला। सरकार आदिवासी विकास, सुशासन और जनकल्याण के बड़े-बड़े दावे करती है, जबकि धरातल पर केशमर्दा के बैगा परिवार आज भी स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित हैं।

तुकाराम चंद्रवंशी ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार की अनेक योजनाएं कागजों तक सीमित हैं। बोड़ला को आकांक्षी ब्लॉक घोषित करने के बावजूद यहां की जन आकांक्षाएं फाइलों में दबकर रह गई हैं।

और कब तक प्रशासन आंखें मूंदे बैठा रहेगा?

श्री चंद्रवंशी ने बताया कि उन्होंने ग्राम की वास्तविक स्थिति का वीडियो जारी कर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने तथा बैगा आदिवासी समाज की पीड़ा को जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया है। उन्होंने मांग की कि केशमर्दा सहित आसपास के प्रभावित गांवों में तत्काल स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

यातायात व्यवस्था, सुरक्षा और भविष्य के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम: चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी

बसों का संचालन कल से, नपाध्यक्ष ने कहा-8 वर्षों का इंतजार खत्म

कवर्धा/नवप्रदेश। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि नगरवासियों का 8 वर्ष का लंबा इंतज़ार अब समाप्त होने जा रहा है क्योंकि पुराना बस स्टैण्ड अब नए हाईटेक बस स्टैण्ड में स्थानांतरित किये जाने हेतु रोड मैप पूर्ण हो चुका है नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने आज पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि 8 वर्षो का इंतजार अब खत्म हुआ है नवीन हाईटेक बस स्टैण्ड से बसों का संचालन अब 6 जून से प्रारंभ कर दी जायेगी। उन्होनें यातायात व्यवस्था, सुरक्षा और भविष्य के विकास की दिशा में बस स्टैण्ड का संचालन को महत्तवपूर्ण कदम बताया। उन्होनें यातायात विभाग, पुलिस विभाग, परिवहन विभाग सहित बस ऑपरेटर, टैक्सी चालकों से बैठक कर समन्वय स्थापित कर बस संचालन किये जाने हेतु समन्वय स्थापित किया जा चुका है 8 वर्ष पहले बनकर तैयार हुआ हाईटेक बस स्टैण्ड के प्रारंभ होने से हमारे कवर्धा नगर की पहचान बढेगी।

उन्होनें कहा कि सभी के समन्वय से ही बस स्टैण्ड का संचालन होगा। अधिकारियो को भी निर्देशित किया गया है कि बस स्टैण्ड संचालन पूर्व यात्रियों की मूलभूत सुविधा को ध्यान में रखते हुए पेयजल, स्वच्छता व प्रकाश व्यवस्था सुचारू रूप से किया जावें। ताकि बस स्टैण्ड में पहुंचने वाले यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना करना ना पड़े। प्रेसवार्ता के दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल भी उपस्थित रहे।

सत्यनारायण जी की होगी पूजा, डिप्टी सीएम रहेगें मौजूदद्ब नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि बस संचालन पूर्व बस स्टैण्ड परिसर में भगवान सत्यनारायण जी की कथा एवं हवन पूजन कार्यक्रम होगा। जिसमें छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा, राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय एवं स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहेगें। गत दिवस अपने नपाध्यक्ष ने नगर पालिका टीम के साथ हाईटेक बस स्टैण्ड का निरीक्षण कर अंतिम से रूप चल रहे कार्यो का जायजा लिया तथा कमियों को तत्काल पूरा करने निर्देशित किया गया था तथा आवश्यक सुविधाओं को लेकर भी विभागवार पूर्ण करने को कहा।

बढ़ते यातायात दबाव से मिलेगी मुक्ति

शहर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव, सड़क सुरक्षा की चुनौती तथा भविष्य की शहरी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शहर से बाहर बायपास मार्ग पर करोड़ों रुपये की लागत से आधुनिक हाईटेक बस स्टैंड का निर्माण कराया गया था। रायपुर मार्ग हो, पंडरिया मार्ग, बोडला मार्ग अथवा अन्य कोई रूट, बड़ी बसों के शहर के अंदर प्रवेश से यातायात बाधित होता है, जाम की स्थिति निर्मित होती है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। नए बस स्टैंड के संचालन से शहर के भीतर वाहनों का दबाव कम होगा, यातायात अधिक व्यवस्थित होगा तथा नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा। बस स्टैण्ड निर्माण के पश्चात लंबे समय तक इसका संचालन प्रारंभ नहीं हो सका और समय के साथ यह महत्वपूर्ण सार्वजनिक संपत्ति उपेक्षा का शिकार होने लगी।

सात वर्षों से हरियाली और जल संरक्षण का अनोखा अभियान, रोजाना 1500 पौधों की देखभाल

सोमेश लहरे

खैरागढ़/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर खैरागढ़ शहर में पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन की मिसाल बन चुका निर्मल त्रिवेणी अभियान पिछले सात वर्षों से लगातार पौधारोपण, जल संरक्षण और जनजागरुकता के माध्यम से हरियाली बढ़ाने का कार्य कर रहा है। इस अभियान ने न केवल शहर के स्वरूप को बदला है, बल्कि लोगों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी विकसित किया है। अभियान से जुड़े स्वयंसेवकों ने शहर के प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों, मैदानों और चौक-चौराहों पर अब तक 1500 से अधिक पौधे रोपित कर उनका संरक्षण किया है।

एक समय वीरान और छांवविहीन रहे राजनांदगांव-कवर्धा मुख्य मार्ग, केंद्रीय विद्यालय मार्ग, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय मार्ग, बस स्टैंड क्षेत्र, फतेह मैदान, दाऊचौरा, शिव मंदिर और कलेक्टर कार्यालय मार्ग जैसे इलाकों में आज घने और छायादार पेड़ पर्यावरण को समृद्ध बना रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस विशेष

जनता से अपील: क्षेत्रवासियों ने अपील की है कि वे अपने घरों के बाहर पक्षियों के लिए दाना और पानी की व्यवस्था करें, वर्षा जल संरक्षण को अपनाएं तथा इस मानसून में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प लें। पर्यावरण संरक्षण किसी एक संस्था का नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है।

नदियों के किनारों पर अर्जुन के पौधे

अभियान के प्रयासों से शीतला मंदिर चौक, संगीत विश्वविद्यालय परिसर, मुक्तिधाम, लाल बहादुर क्लब और गौरव पथ जैसे क्षेत्रों में हरियाली बढ़ी है। पौधों की सुरक्षा के लिए लोहे की जालियां भी लगाई गई हैं। अब तक लगाए गए नीम, पीपल, बरगद, कदम, आम, बादाम, काजू नीम और निर्गुड़ी जैसे पौधों में से कई वृक्ष बन चुके हैं। वहीं शहर की नदियों के किनारों पर अर्जुन के पौधे तैयार किए गए हैं। निर्मल त्रिवेणी अभियान का उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि जल संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जनजागरूकता पैदा करना भी है। आगामी वर्षा ऋतु के लिए भी व्यापक पौधारोपण और जल संचयन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। यह अभियान आज पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का केंद्र बन गया है।

संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी

सात वर्ष पूर्व शुरू हुए इस अभियान में समाजसेवी युवा, शिक्षक, कर्मचारी, व्यापारी, छात्र और जनप्रतिनिधि सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि केवल पौधारोपण तक सीमित न रहकर पौधों के संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी भी स्वयं सदस्य निभाते हैं। बारिश के दौरान लगाए गए पौधों की पूरे वर्ष नियमित देखभाल, सिंचाई, सुरक्षा और जल संचय की व्यवस्था की जाती है, जिससे पौधे स्वस्थ होकर वृक्ष का रूप ले सकें।

न्यूज गैलरी

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 19 वाहन चालकों पर कार्यवाही

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, भारी वाहन, तेज गति से वाहन चलाना, दोपहिया पर मॉडिफाई साइलेंसर तथा शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसे गंभीर उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। 03 जून को थाना चंदनू 03 चालान में 03 वाहन चालको, थाना खम्हरिया 01 चालान में 01 वाहन चालको, चौकी मारो 02 चालान में 02 वाहन चालको, यातायात बेमेतरा 13 चालान में 13 वाहन चालको, कुल 19 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले जैसे तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, माल वाहक में सवारी बैठाना, तेज गति, घातक तरीके से वाहन खडी करना, मौके पर कागजात पेश न करना, बिना लायसेंस वाहन चालको के विरूद्ध 19 प्रकरण में 6,200/- रूपये समन शुल्क लिया गया।

बाल यातना और मानव तस्करी के विरुद्ध जागरुकता शिविर आयोजित

बेमेतरा/नवप्रदेश। बाल यातना एवं अवैध मानव तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के तत्वावधान में ग्राम ओटेबंद में एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं एवं विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। शिविर में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए सहायक प्रतिरक्षा अधिवक्ता देवेंद्र साहू ने नालसा (मानव तस्करी एवं व्यावसायिक यौन शोषण के पीड़ितों हेतु योजना), 2015 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना मानव तस्करी, जबरन वेश्यावृत्ति, यौन शोषण एवं देह व्यापार के शिकार महिलाओं, बच्चों एवं अन्य व्यक्तियों को विधिक संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित की जाती है।

ड्राइंग डिजाइन बदलकर बना दी गुणवत्ताहीन नाली, 400 से अधिक किसानों की हजारों एकड़ फसल पर संकट

जल संसाधन विभाग के अफसरों की मनमर्जी या सुनियोजित खेल?

राजिम/नवप्रदेश। राजिम क्षेत्र के पितईबंद माइनर निर्माण कार्य को लेकर किसानों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। करोड़ों रुपए की लागत से बनाई जा रही नहर को लेकर ग्रामीणों और किसानों ने गंभीर अनियमितताओं तथा भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। आरोप है कि अधिकारियों ने मूल ड्राइंग डिजाइन में मनमाने तरीके से बदलाव कर नहर को नाली का स्वरूप दे दिया, जिससे क्षेत्र के सैकड़ों किसानों को सिंचाई का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाएगा।

बताया जा रहा है कि पितईबंद माइनर, परसदा डिस्ट्रीब्यूटरी के 170 चेन से निकली है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 220 चेन है। यह नहर पितईबंद, पीपरछेड़ी, सेम्हरतरा, परसदा, राजिम, कुम्ही और कोमा गांवों के किसानों के लिए बनाई जा रही है।

गुणवत्ताहीन निर्माण का आरोप

किसानों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि नहर के बेड की मोटाई मात्र साढ़े तीन इंच रखी गई है, जो तकनीकी मानकों के विपरीत है। इसके अलावा निर्माण में कुलापा, ड्रेनेज और सोकपीट जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं भी नहीं की गई हैं।

जांच और कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों और किसानों ने पूरे निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो भविष्य में हजारों एकड़ भूमि सिंचाई सुविधा से वंचित रह जाएगी और करोड़ों रुपए की सरकारी राशि बेकार साबित होगी।

खेतों से पांच फीट नीचे बना दी नहर

ग्रामीणों का कहना है कि नहर को खेतों के स्तर से लगभग पांच फीट नीचे बना दिया गया है। ऐसी स्थिति में पानी खेतों तक कैसे पहुंचेगा, यह सबसे बड़ा सवाल बन गया है। किसानों का आरोप है कि पूर्व में जो नहरनुमा संरचना बनी थी, उसमें पानी का बहाव बेहतर था, लेकिन अब डिजाइन बदलकर ऐसी संरचना बनाई जा रही है जिससे सिंचाई व्यवस्था ही प्रभावित हो जाएगी।

ग्रामीणों का कहना है कि पहली बारिश में ही निर्माण की पोल खुल सकती है।

पारदर्शिता पर भी सवाल

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि करोड़ों रुपए के इस निर्माण कार्य में पारदर्शिता पूरी तरह गायब है। कार्य स्थल पर निर्माण एजेंसी, लागत, तकनीकी स्वीकृति और कार्य अवधि संबंधी कोई सूचना बोर्ड तक नहीं लगाया गया है। इससे ग्रामीणों में संदेह और गहरा गया है कि कहीं बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार तो नहीं किया जा रहा।

किसानों ने उठाए गंभीर सवाल

क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों ने प्रशासन तथा जल संसाधन विभाग के सामने कई अहम सवाल खड़े किए हैं –

पहले बनी नहर में पानी का बहाव बेहतर था, फिर ड्राइंग डिजाइन क्यों बदला गया?

डिजाइन परिवर्तन का आदेश किस सक्षम अधिकारी ने दिया?

क्या बदलाव से पहले किसानों की सहमति ली गई?

ट्रकों की टक्कर से दो बाइक सवारों की मौत, एक गंभीर

- बागबाहरा और सरायपाली में अलग-अलग सड़क हादसे, पुलिस ने दर्ज किए मामले

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में बुधवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो बाइक सवारों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों घटनाओं में तेज रफ्तार ट्रकों की टक्कर से हादसा हुआ। पुलिस ने संबंधित मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक मामले में ट्रक चालक की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है, जबकि दूसरे मामले में फरार अज्ञात ट्रक चालक की तलाश जारी है।

पहली घटना बागबाहरा थाना क्षेत्र की है। बुधवार अपराह्न पिथौरा मोड़ और पेट्रोल पंप के बीच स्थित संत ढाबा के पास धान से भरे एक ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सेवाती कोल्दा निवासी जयराम देवांगन (45 वर्ष) अपने साथी ग्राम भरूवामुड़ा निवासी पितामबर पटेल (40 वर्ष) के साथ बाइक क्रमांक सीजी 06 जीए 2565 से बागबाहरा से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक क्रमांक सीजी 04 डी 9095 के चालक ने ओवरटेक करने का प्रयास किया। इस दौरान ट्रक बाइक के बेहद करीब आ गया और उसे अपनी चपेट में ले लिया।

हादसा इतना भीषण था कि जयराम देवांगन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पिताम्बर पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सहायता से घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मजदूरी के लिए जा रहे युवक की अज्ञात ट्रक की टक्कर से मौत

उसी दिन जिले के सरायपाली थाना क्षेत्र में भी एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया। सुबह लगभग 8 बजे ग्राम केंदूढार स्थित ईंट भट्ठा के पास अज्ञात ट्रक की टक्कर से एक बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार ग्राम बिरसिंगपाली निवासी चमार सिंह चौहान (36 वर्ष) बाइक क्रमांक सीजी 06 एचएफ 7562 से मजदूरी करने सरायपाली जा रहे थे।

पलारी नगर पंचायत में कांग्रेस की जीत, यानेश बने अध्यक्ष

गुरुर/नवप्रदेश। नया नगर पंचायत पलारी ऐतिहासिक जीत कांग्रेस पार्टी की कांग्रेस पार्टी से अध्यक्ष पद के लिए श्री यानेश साहू और पार्षद गणों की सूची नगर पंचायत पलारी में 10 पार्षद कांग्रेस पार्टी से विजई हुए और पांच पार्षद बीजेपी से विजई हुए नगर पंचायत पलारी में कांग्रेस पार्टी की जोरदार जीत दर्ज की है और अध्यक्ष यालेश साहू के साथ प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी वरिष्ठ नेता बालोद जिला विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा जी अपने पार्टी के पार्षद गणों के साथ गांव के भ्रमण करते हुए ग्राम वासियों के साथ अपने कार्यकरतवों के साथ गांव के भ्रमण करते हुए अपनी जीत का जश्न मनाते हुए अपने लोगों से गांव के छोटे बड़े बुजुर्ग माताओं से आशीर्वाद लेते हुए हाथ मिलाते हुए डीजे गाने के साथ और अध्यक्ष यालेश साहू कांग्रेस पार्टी की रैली को देखकर ऐसा लग रहा था कि मानो कोई भव्य रैली हो 3 किलोमीटर लंबी ऐसी विशाल रैली नगर पंचायत पलारी में पहली बार देखने को मिला ग्राम वासियों इस रैली में ग्राम के छोटे बड़े माता बहने बुजुर्ग सभी ने जश्न मनाते हुए रैली का आनंद लेते हुए अपने बीच यालेस साहू को और पार्षद गणों मणियां विधायक जी के साथ विशाल रैली में शामिल होते हुए कांग्रेस कार्यालय पहुंचे गांव वालों का कहना है कि कांग्रेस पद के लिए उम्मीदवार जब नामांकन भरा यालेश साहू ने तो गांव के लोगों का कहना था।

दाढ़ी नपं के प्रभारी सीएमओ रमेश कुमार ध्रुव निलंबित

बेमेतरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगर पंचायत दाढ़ी के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) एवं मूलपद राजस्व उप निरीक्षक रमेश कुमार ध्रुव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रारंभिक जांच में गंभीर अनियमितताओं एवं कदाचार की पुष्टि होने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार मामले की जांच के लिए टीम गठित की गई थी। जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया। जिले में सुशासन एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रकरण को शासन के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसके आधार पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा निलंबन की कार्रवाई की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पंचायत दाढ़ी में पदस्थापना के दौरान वार्ड क्रमांक 11 में बजरंगबली मंदिर से लगनी बाई के घर तक निर्मित सीसी रोड के कोर कटिंग परीक्षण में सड़क की मोटाई निर्धारित मानक एम-30 के अनुरूप नहीं पाई गई। इसके अतिरिक्त कार्यालयीन कक्ष में शराब की बोतल रखकर आपत्तिजनक स्थिति में पाए जाने तथा वरिष्ठ कार्यालय द्वारा चेतावनी दिए जाने के बाद भी समय-सीमा की बैठकों में बिना पूर्व सूचना के लगातार अनुपस्थित रहने जैसी शिकायतों की जांच की गई थी।

पेज 1 का शेष...

दंडकारण्य की धरती पर प्रकृति...

जाता है, जिसकी ऊंचाई और तने की गोलाई इसे देश के सबसे प्राचीन और विशाल सागौन वृक्षों में शामिल करती है।

आस्था और लोकविश्वास ने बचा ली छह सदियों पुरानी विरासत

स्थानीय ग्रामीणों के लिए ये केवल वृक्ष नहीं, बल्कि देव स्वरूप हैं। जनश्रुतियों के अनुसार वर्षों पहले कुछ लोगों ने इन वृक्षों को काटने का प्रयास किया था,लेकिन कुल्हाड़ी चलने पर मानवीय आवाजें सुनाई देने की बात सामने आई। इसके बाद ग्रामीणों ने इन्हें देव वृक्ष मानकर पूजा शुरू कर दी और तब से किसी ने इन्हें नुकसान पहुंचाने का साहस नहीं किया। यही लोकआस्था आज इन वृक्षों की सबसे बड़ी सुरक्षा कवच बन गई है। आधुनिक संरक्षण व्यवस्था से पहले ग्रामीणों की श्रद्धा ने ही इस प्राकृतिक धरोहर को बचाए रखा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बस्तर की सबसे बड़ी सीख

जब दुनिया पर्यावरण बचाने के लिए नई-नई योजनाएं बना रही है, तब बस्तर के ये 600 वर्ष पुराने वृक्ष एक सरल संदेश देते हैं। एक पेड़ केवल पेड़ नहीं होता, वह आने वाली कई पीढ़ियों की सांस, संस्कृति और सुरक्षा का आधार होता है। यदि इन वृक्षों जैसी प्राकृतिक धरोहरों को पर्यटन,शोध और संरक्षण से जोड़ा जाए तो बस्तर देश-दुनिया के लिए पर्यावरण संरक्षण का एक अनूठा मॉडल बन सकता है।

फोरलेन ने छीनी हरियाली, 20...

दिया था, ताकि पर्यावरणीय नुकसान की भरपाई हो सके। हालांकि यह वादा केवल कागजों और औपचारिक घोषणाओं तक ही सीमित रह गया। जिम्मेदार अफसरों ने कभी ध्यान ही नहीं दिया।

हसदेव अरण्य पर संकट, 7 ...

कहना है कि यदि लाखों पेड़ काटे गए तो क्षेत्र का पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ जाएगा। जल स्रोतों पर असर पड़ेगा, वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास नष्ट होगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण मुश्किल हो जाएगा। इसी मुद्दे पर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भी सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि केते एक्सटेंशन परियोजना केवल पेड़ों की कटाई का मामला नहीं है, बल्कि इससे रामगढ़ पहाड़ सहित क्षेत्र की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों पर भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की कार्यप्रणाली किसी निजी कंपनी को लाभ पहुंचाने वाली प्रतीत होती है, जबकि पर्यावरण संरक्षण, जनभावनाएं और आदिवासी अधिकार पीछे छूटते नजर आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रदेश का मुख्यमंत्री स्वयं आदिवासी समाज से आता है, इसके बावजूद हसदेव के आदिवासियों की आवाज सत्ता तक नहीं पहुंच पा रही है। जिन जंगलों को बचाने की बात कही गई थी, आज वही जंगल खनन परियोजनाओं के लिए सौंपे जा रहे हैं। अंबिकापुर के सामाजिक कार्यकर्ता अंकुर सिन्हा का कहना है कि एक ओर विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के संदेश दिए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर लाखों पेड़ों की कटाई को मंजूरी दी जा रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रमों और विज्ञापनों तक सीमित है या फिर जंगलों को बचाने के लिए भी ठोस इच्छाशक्ति मौजूद है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हसदेव अरण्य का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है।

इतिहास की छांव में आज भी...

हब और बुजुर्गों की चौपाल: समय के साथ यह क्षेत्र अब एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र (बिजनेस हब) के रूप में भी विकसित हो चुका है। पेड़ के आसपास इलेक्ट्रॉनिक दुकानें, टेलरिंग शॉप और आटा चक्की जैसी कई व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। खास बात यह है कि इस भीषण गर्मी और दोपहर के समय यह पेड़ दुकानदारों, ग्राहकों और राहगीरों के लिए वरदान साबित होता है। आज भी गांव के बुजुर्ग और युवा यहां बैठकर चौपाल लगाते हैं, जहां गांव के विकास से लेकर हर सुख-दुख पर चर्चा होती है।

पेज 3 का शेष

हरियाली की अनोखी...

जो पेड़ लगाया उसे वे अपनी मां की तरह ही मानती हैं और उनके साथ बहुत वक्त बिताती हैं। ऐसा करना उन्हें बहुत अच्छा लगता है। यामिनी साहू ने बताया कि उनके द्वारा रोपा गया पौधा पेड़ बन गया है जिससे मिलने वे रोज आती है। इसी तरह कुमारी बाई देशमुख अपने पति स्व. कन्हैया लाल देशमुख की स्मृति में लगाए गए पेड़ की अपने पति के रुप में रोज पूजा करती हैं। उनके साथ घंटों बैठकर बात करती हैं।

गायत्री परिवार से मिली प्रेरणा

पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्पित गायत्री परिवार से जुड़े रमाकांत देशमुख ने दैनिक नव प्रदेश को बताया कि गायत्री परिवार की प्रेरणा से हम लोगो ने अपने गांव में वृहद वृक्षारोपण का संकल्प लिया था। नवयुवक मंडल तथा महिला मंडल और गांव के सभी लोग मिलकर अब इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। इसके लिए गांव के हर घर से प्रतिदिन एक मुट्ठी अनाज एकत्रित किया जाता है और अन्न को बेचकर जो धन मिलता है उससे वृक्षारोपण अभियान को गति दी जाती है और पर्यावरण संरक्षण के लिए अन्य कार्य भी किए जाते हैं। उनका कहना है कि प्रकृति हमें जो निशुल्क सौगात देती है उसका ऋण चुकाना हमारा परम पुनीत कर्तव्य है। सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए आगे आना चाहिए और इस पुण्य कार्य में अपना हाथ बंटा ना चाहिए। सभी के समवेत प्रयास से ही पर्यावरण की रक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि पीसेगांव के लोग पर्यावरण के प्रति बेहद जागरूक हैं और सभी वृक्षारोपण के काम में हर संभव सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। साथ ही आसपास के गांव के लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करते हैं।

गेंदलाल देशमुख का सम्मान हो

रमाकांत देशमुख ने बताया कि उनके गांव में तो एक पूरा समूह वृक्षारोपण अभियान से जुड़ा है लेकिन ग्राम भान पुरी निवासी स्व. गेंदलाल देशमुख तो वन मेन आर्मी थे। जिनका उन्हें मार्गदर्शन समय समय पर मिलता था। स्व. गेंदलाल देशमुख ने अकेले अपने दम पर अपने गांव में जंगल ऊगा लिया था। उन्होंने अपना पूरा जीवन वृक्षारोपण के लिए समर्पित कर दिया था। अपने गांव भानपुरी से लेकर महाराजा चौक बोरसी दुर्ग तक लगभग सात किलोमीटर तक उन्होंने सड़क के दोनों किनारे वृक्षारोपण कर नया इतिहास रचा दिया था। किंतु उनके इस अमूल्य योगदान के लिए उन्हें जीते जी सरकार से कोई सम्मान नही मिला। अब मरणोपरांत उन्हें सम्मानित करने पर राज्य सरकार को विचार करना चाहिए ताकि पर्यावरण के क्षेत्र में निस्वार्थ सेवा करने वालों का उत्सव बढ़े।

अंत्येष्टि के बांस का सदुपयोग

पीसेगांव में वृक्षारोपण के सपथ ही उसके संरक्षण के लिए एक अभिनय पहल यह की गई है कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद अंत्येष्टि के दौरान काठी के बांस को जलाया नही जाता उसे वापस लाकर उसका उपयोग ट्री गार्ड के रूप में किया जाता है। इसी तरह मृतक को ओढ़ाई जाने वाली पिताम्बरी का उपयोग पौधों को कड़ी धूप से बचाने के लिए किया जाता है।

कहीं खिला कमल तो कहीं...

भाजपा सरकार से उठ चुका है। वहीं जगदलपुर मेयर संजय पांडेय ने हार की समीक्षा की बात कही।

जगदलपुर में किरण सिंहदेव के करीबी हारे

जगदलपुर नगर निगम के इंदिरा वार्ड में 1 जून को उपचुनाव में कुल 1,542 में से 1,223 वोटर्स ने वोट डाले थे। भाजपा ने मनोहर दत्त तिवारी को मैदान में उतारा था, जो कि प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव के करीबी हैं। जबकि आम आदमी पार्टी से रुबीना कुरैशी चुनावी मैदान में थीं। खास बात यह है कि इंदिरा वार्ड कांग्रेस का गढ़ है। पिछले 30 सालों से वार्ड में कांग्रेस का कब्जा रहा है।

खेती केवल आजीविका नहीं...

ड्रोन दीदियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक की उपयोगिता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का छिड़काव कम समय, कम लागत और अधिक प्रभावशीलता के साथ किया जा सकता है। इससे खेती आधुनिक, वैज्ञानिक और लाभकारी बन रही है तथा महिलाओं के लिए भी रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर तैयार हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने नैनो यूरिया, नैनो डीएपी और जैविक खेती को भविष्य की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इनके उपयोग से लागत कम होती है, उत्पादन क्षमता बढ़ती है तथा मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण का संरक्षण भी सुनिश्चित होता है। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाने का आह्वान किया।

किसानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद और उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। राज्य और केंद्र सरकार द्वारा आगामी खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है तथा कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए सख्त निगरानी की जा रही है।

कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रगतिशील किसानों ने अमरूद, ड्रैगन फ्रूट, मौसंबी, पपीता और आम जैसी फसलों की उन्नत खेती के अपने अनुभव साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल विविधीकरण किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है तथा बदलते समय के अनुरूप किसानों को परंपरागत खेती के साथ-साथ बागवानी, प्राकृतिक कृषि, जैविक खेती और अन्य नवाचारों को अपनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का युवा खेती को केवल परंपरा नहीं बल्कि आधुनिक उद्यम के रूप में देख रहा है। यह परिवर्तन कृषि क्षेत्र के लिए अत्यंत सकारात्मक है। राज्य सरकार कृषि आधारित कौशल विकास, ड्रोन संचालन, कृषि मशीनरी, जैविक खेती और कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित कर रही है।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे नई तकनीकों और नवाचारों को अपनाने में संकोच न करें। समय के साथ बदलती तकनीकों को अपनाकर सीमित लागत में अधिक उत्पादन और बेहतर आय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में नवाचार, वैज्ञानिक सोच और आधुनिक तकनीक ही किसानों की समृद्धि का आधार बनेंगे।

मानसून केरलम पहुंचा, इस...

तक पूरा हो जाता है। इधर, मध्य प्रदेश के कई जिलों में गुरुवार शाम को तेज बारिश हुई। इस दौरान 70किलोमीटर की रफ्तार से आंधी चली। कई इलाकों में पेड़ों की टहनियां टूटकर गिर गईं। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार दोपहर को अंधेरा छा गया और तेज बारिश हुई। फिल्म सिटी में आंधी के बाद कई पेड़ टूटकर कारों पर गिर गए। सड़कों पर पानी भर गया जिससे ट्रैफिक जाम लग गया।

विदेश से एमबीबीएस कर लौटे...

के लिए कुल 1089 सीटें उपलब्ध थीं। पहले चरण में सीमित संख्या में पात्र अभ्यर्थियों के कारण अधिकांश सीटें रिक्त रह गईं। विशेषज्ञों का मानना है कि दूसरे चरण के बाद भी सभी सीटों का भरना मुश्किल है, क्योंकि विदेश से मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों में से अपेक्षाकृत कम अभ्यर्थी ही फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जाम (एफएमजीई) उत्तीर्ण कर पाते हैं। इस परीक्षा की सफलता दर सामान्यतः 12 से 22 प्रतिशत के बीच रहती है।

खातों में पहुंचा महतारी वंदन...

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं का सम्मान, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा महतारी वंदन योजना इस दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी पहल के रूप में सामने आई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी भी समाज और राज्य की प्रगति तब तक पूर्ण नहीं हो सकती, जब तक महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और सामाजिक रूप से सम्मानित न किया जाए। महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता को भी मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रदेश की माताओं और बहनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का आधार बन रही है।

भाजपा ने राज्यसभा चुनाव...

ओडिशा से एक सीट के लिए होने वाले उप चुनाव के लिए श्री देबाशीष सामंतराय पार्टी के उम्मीदवार बनाये गये हैं।

महात्मा गांधी नरेगा योजना से पर्यावरण संरक्षण के साथ रोजगार और आजीविका को मिल रही नई दिशा

पर्यावरण संरक्षण के लिए किया गया आज का प्रयास भविष्य में जीवन की कुंजी

कवर्धा/नवप्रदेश। बिन पानी सब सुन, यह सिर्फ एक कहावत नहीं अपितु प्रमाणित तथ्य है कि पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीव-जंतुओं, पेड़, पौधे, पक्षियों एवं मनुष्यो के लिए पानी ही जीवन है। बिना पानी के पृथ्वी पर किसी भी जीव का जीवन कल्पना से परे हैं।पृथ्वी में कुल भू-भाग मात्र 21% ही है बाकी 79% क्षेत्र पानी से घिरा हुआ है।लेकिन इस 79% में सिर्फ 3% ही मीठा जल है और उसमें से भी मात्र एक प्रतिशत पानी ही पीने के योग्य है। पानी से न सिर्फ पर्यावरण और जीवन जुड़ा हुआ है बल्कि इसके साथ पूरी अर्थव्यवस्था भी जुड़ी हुई है।भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जहां की 70% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत है और जिनका मूल पेशा कृषि है उनके लिए पानी सबसे महत्वपूर्ण घटक है। पर्यावरण संतुलन और पानी की उपलब्धता एक दूसरे का पर्याय है। दिनों दिन गिरता भू-जल स्तर,जल संरक्षण में कमी,कम होते वन क्षेत्रो और वर्षा पर निर्भरता ने इस समस्या को और भी विकराल बना दिया है। आज की स्थिति में यदि पर्यावरण संतुलन और वर्ष जल का संरक्षण नहीं किया गया तो आने वाली पीढियो के लिए पीने के पानी की कमी हो जाएगी। ऐसे में पर्यावरण और जल संरक्षण बहुत चुनौती पूर्ण हो जाता है।कबीरधाम जिले को भविष्य के इस संकट से बचाने व्यापक तैयारियां की जा रही है और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इस समस्या का समाधान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से निकाला जा रहा है।

■ **जल संवर्धन के काय:** कबीरधाम जिले के सभी 471 ग्राम पंचायतो में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना द्वारा जल संरक्षण करते हुए गिरते भू-जल स्तर को बढ़ाने विभिन्न प्रकार के कार्य हो रहे हैं। इन कार्यों से एक ओर ग्रामीणों को बड़ी मात्रा में रोजगार मिल रहा है तो वहीं दूसरी ओर आजीविका के नए साधन उपलब्ध हो रहे हैं। जन भागीदारी से अबतक 178245 सोकपीट का निर्माण किया गया है।साथ ही 112 अमृत सरोवर, 404 आजीविका डबरी, 5000 से अधिक कंटूर ट्रेंच,652 रिचार्ज पीट, 11 गेबियन निर्माण,515 कच्ची नाली, 435 तालाब गहरीकरण, 177 हितग्राही मूलक सिंचाई कूप, 20 नवा तारिया, 121 नाला पुनरुद्धार कार्य हो रहा है। इसके साथ सार्वजनिक डाबरी 75, सामुदायिक कूप 9, नेहरो का नवीनीकरण 7, रिटर्निंग वॉल 85, चेक डैम 152 एवं सामुदायिक ग्रे वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट 76 बन रहे है।

महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत हो रहे कार्यो पर एक नजर

- **वृक्षारोपण के कार्य** : सीएलएफ द्वारा कुल 20419 पौधे रोपित जिसमे-बोडला .8465 कवर्धा , 2843, पंडरिया 5214, स.लोहारा 3897
- एक पेड़ माँ के नाम में नि:शुल्क पौधा वितरण - 112948
- जन सहभागिता से वृक्षारोपण हेतु वितरित कुल पौधे 553500, जिसमे बोडला 150000, कवर्धा 150000, पंडरिया 163500 एवं स.लोहारा 90000
- वन विभाग को स्वीकृत नर्सरी जिसमे बोडला 150000, पंडरिया 90000, स.लोहारा 30000
- उद्यानिकी विभाग को नर्सरी के लिए स्वीकृत 180000 ,बोडला 9000, कवर्धा 90000
- कृषि विज्ञान केंद्र को स्वीकृत नर्सरी कवर्धा 70000

महिला गांजा तस्कर को 7 साल की कठोर कैद

■ **एक लाख रुपए जुर्माना राशि भरने का भी आदेश**

रायपुर/नवप्रदेश। अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ गिरफ्तार महिला आरोपी को जिला न्यायाधीश ने सात साल कठोर कारावास और एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने की राशि जमा नहीं करने पर अतिरिक्त छह माह कठोर सजा का प्रावधान है। यह मामला सरस्वती नगर थाना क्षेत्र का है। इस मामले में अंतिम सुनवाई विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट किरण थवाइत की कोर्ट में पूरी हुई। मामले की पैरवी करते हुए विशेष लोक अभियोजक भुवनलाल साहू ने कोर्ट को बताया कि अभियुक्ता ज्योति देवार 11 अक्टूबर 2025 को डुमर तालाब बायपास रोड के पास गांजे की बिक्री कर रही थी, जिसे पुलिस ने सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया। जांच-पड़ताल के दौरान उसके पास रखे 1.422 किलोग्राम गांजा भी बरामद हुआ। अभियोजक ने तर्क दिया कि अभियुक्ता अपराधी प्रवृत्ति की महिला है। पिछले कई वर्षों से गांजा क्रय-विक्रय करने के अपराध में संलिप्त है। थाना सरस्वती नगर में गांजा तस्करी के अलावा गाली-गलौच, मारपीट और धमकी देने के भी कई मामले दर्ज है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी महिला न्यायिक रिमांड पर रही। पुलिस ने घटनास्थल पर मिले साक्ष्य और आरोपियों के बयान कोर्ट में पेश किये। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद साक्ष्य और सबूतों के आधार पर अभियुक्त को सात साल कठोर कारावास और एक लाखरुपए अर्थदंड की सजा सुनाई।

खाद संकट के बीच खेत बचाओ अभियान पर उठे सवाल, किसान बोले-पहले खाद तो उपलब्ध कराएं

रायपुर/नवप्रदेश। खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ प्रदेश के किसान जहां यूरिया और डीएपी जैसी आवश्यक उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर परेशान हैं, वहीं राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए खेत बचाओ अभियान को लेकर किसानों और किसान संगठनों ने सवाल खड़े किए हैं। अभियान के तहत किसानों को रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करने और जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, लेकिन किसान इसे मौजूदा परिस्थितियों में अव्यावहारिक बता रहे हैं।

केंद्र सरकार के निर्देश पर शुरू किए गए इस विशेष अभियान के लिए राज्य शासन ने सभी जिलों के कलेक्टरों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अभियान 30 जून तक चलेगा, जिसके दौरान कृषक संगोष्ठियां, कृषि चौपाल, जनजागरूकता कार्यक्रम और पंचायत स्तर की बैठकें आयोजित कर किसानों को रासायनिक उर्वरकों के सीमित उपयोग तथा जैविक खेती के लाभों की जानकारी दी जाएगी।

विकल्प महंगे, उत्पादन प्रभावित होने का डर

किसानों का तर्क है कि प्रदेश की कृषि व्यवस्था लंबे समय से रासायनिक उर्वरकों पर आधारित रही है। ऐसे में बिना पर्याप्त तैयारी के रासायनिक खादों का उपयोग कम करना आसान नहीं है। किसानों को आशंका है कि यदि उर्वरकों का उपयोग अचानक घटाया गया तो उत्पादन प्रभावित हो सकता है। विभाग की ओर से यूरिया और डीएपी के विकल्प के रूप में एनपीके, एसएसपी, जैव उर्वरक और नैनो उर्वरकों के उपयोग की सलाह दी जा रही है, लेकिन किसान संगठनों का कहना है कि ये विकल्प अपेक्षाकृत महंगे हैं। छोटे और सीमांत किसानों के लिए अतिरिक्त लागत उठाना मुश्किल हो सकता है। साथ ही जैविक खाद की पर्याप्त उपलब्धता भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

खाद्य तेल की खपत घटाने पर भी जोर

अभियान का एक अन्य पहलू खाद्य तेलों की खपत में कमी लाने से जुड़ा है। शासन के निर्देशों के अनुसार किसानों और ग्रामीणों को खाद्य तेलों के उपयोग में 10 प्रतिशत तक कमी लाने के लिए भी जागरूक किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तर पर विशेष टीमें गठित की गई हैं, जो विकासखंड, जिला और विधानसभा स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाएंगी।

व्यवहारिक तैयारी की जरूरत

किसान संगठनों का मानना है कि टिकाऊ और जैविक खेती को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त तैयारी, प्रशिक्षण, जैविक खाद की उपलब्धता और आर्थिक सहायता जैसे ठोस कदम जरूरी हैं। उनका कहना है कि जब तक किसानों को आवश्यक उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित नहीं होती, तब तक इस तरह के अभियानों का अपेक्षित प्रभाव दिखाई देना मुश्किल है।

किसानों की प्राथमिकता खाद उपलब्धता

किसान संगठनों का कहना है कि वर्तमान समय में किसानों की सबसे बड़ी चिंता खेती के लिए आवश्यक उर्वरकों की समय पर उपलब्धता है। खरीफ सीजन के दौरान बोआई और फसल प्रबंधन की तैयारियों के बीच किसान खाद के लिए भटक रहे हैं। ऐसे में खेती के तौर-तरीकों में बदलाव संबंधी सलाह जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाती।

छत्तीसगढ़ किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र शर्मा ने कहा कि अभियान के सकारात्मक परिणामों को लेकर संशय है। उनके अनुसार किसान फिलहाल खाद संकट से जूझ रहे हैं और उनकी प्राथमिकता खेती के लिए जरूरी संसाधनों की व्यवस्था करना है, न कि नई कृषि पद्धतियों को अपनाना।

सराफा कारोबारियों पर छह महीनों में दो करोड़ की लूट-चोरी का सुराग नहीं

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी के आउटर इलाकों और कस्बों में सराफा कारोबारियों और चॉइस सेंटर संचालकों को पिछले छह महीनों में लुटेरों और चोरों ने निशाना बनाया है। जनवरी से अब तक दर्ज मामलों और जानकारियों के आधार पर करीब दो करोड़ रुपए के छह लूट-चोरी के घटनाओं का सामूहिक चित्र उभरता है, लेकिन इनमें से कोई भी पूरा खुला नहीं है और कारोबारी चिंतित हैं। 2025 में खरोरा में हुई एक धान कारोबारी से 27 लाख की लूट भी इस श्रृंखला में जोड़ी जा रही है। जांचों के आधार पर इन घटनाओं की कुल रकम करीब दो करोड़ के आसपास आ रही है।

स्थानीय प्रभाव और कारोबारी चिंता

इन हमलों ने सराफा कारोबारियों और चॉइस सेंटर संचालकों में चिंता बढ़ा दी है। वे बड़ी रकम व ज्वेलरी लाने-ले जाने के दौरान सुरक्षा के अभाव की बात उठा रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष कारोबारियों ने अपनी सुरक्षा संबंधी चिंताएँ दर्ज कराई हैं।

घटनाओं का सिलसिला

13 जनवरी- नवापारा के गंज रोड स्थित कमलेश क्लाथ स्टोर्स व ज्वेलर्स के मालिक मनोज साहू की दुकान से लगभग 62,15,000 के जेवर व नकदी गायब हुए। अभी तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला।

14 मार्च- अभनपुर के तुसिका इलाके में नवापारा निवासी चॉइस सेंटर संचालक उपेंद्र कुमार देवांगन (26) से बाइक सवार दो लुटेरों ने ग्राम हदसा मोड़ के आगे चाकू दिखाकर लगभग 1.5 लाख से भरा बैग छीन लिया। आरोपित बाइक पाटन-दुर्ग से चोरी निकली थी।

1-2 मई (दरम्यानी रात)- अभनपुर के पास एक और लूट की वारदात दर्ज की गई; संदिग्ध बाइक सवार भाग गए।

5 मई- नरदहा से महावीर ज्वेलर्स बंद कर खरोरा लौट रहे कारोबारी टीकाराम शर्मा को विधानसभा-खरोरा मार्ग पर बाइक सवार दो लुटेरों ने डंडा मारकर रोक कर ज्वेलरी व नकदी से भरा बैग छीन लिया। थाने में दर्ज शिकायत में बैग में 100ङ्क150 ग्राम सोने के जेवर व 40,000 बताये गए, लेकिन स्थानीय चर्चा में कहा जा रहा है कि शाहर से करीब 1 करोड़ के जेवर भी लूटे गए। पुलिस ने कई टीमें लगाई हैं और कुछ सुराग मिलने का दावा किया जा रहा है, पर लुटेरे अभी पकड़े नहीं गए।

1 जून- बिरोदा सारखी के पास चॉइस सेंटर संचालक पोषण लाल साहू को बाइक सवार दो लुटेरों ने रोककर लगभग ?2 लाख का बैग छीन लिया। आरोपितों ने चाकू दिखाकर और मिर्च पाउडर छिड़क कर उन्हें डरा-धमका कर हाथ साफकिया।

पुलिस की कार्रवाई

राजधानी और ग्रामीण इलाकों की पुलिस ने गश्त-पेट्रोलिंग बढ़ा दी है। एसीसीयू क्राइम ब्रांच और संबंधित थानों की टीमें इन मामलों की जांच में लगी हुई हैं। पुलिस कुछ सुराग मिलने का दावा कर रही है, लेकिन अब तक आरोपित गिरफ्तार नहीं हुए हैं। खरोरा पुलिस ने सराफा कारोबारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा हेतु दिशा-निर्देश दिए हैं: जेवर-नकदी परिवहन के दौरान सतर्कता बरतना, बाहर जाने पर गार्ड तैनाती, दुकान के आसपास पर्याप्त रौशनी, सीसीटीवी कैमरे लगवाना और विवादास्पद मार्गों पर सावधानी रखना।

कोरबा में खेल क्रांति की नींव रख रहे कलेक्टर कुणाल दुदावत

■ **अधोसंरचना विकसित करने की तैयारी**

कोरबा/नवप्रदेश। वर्ष 2036 में भारत की संभावित ओलंपिक मेजबानी को ध्यान में रखते हुए कोरबा जिले में खेल सुविधाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। कलेक्टर कुणाल दुदावत की पहल पर जिले को भविष्य के राष्ट्रीय खेल केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है। कलेक्टर कुणाल दुदावत का मानना है कि यदि वर्तमान समय में खेल अधोसंरचना पर सुनियोजित निवेश किया जाए तो आने वाले वर्षों में कोरबा न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि देश के प्रमुख खेल केंद्रों में अपनी पहचान बना सकता है। इसी सोच के साथ जिले में विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं विकसित करने की दिशा में प्रशासन सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

जिले में खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय खेल मैदानों का कायाकल्प किया जा रहा है। प्रशासन के विशेष प्रयासों और बजट प्रावधानों से खेल परिसरों के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है, जिससे खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल है।

सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक की तैयारी: गवर्नमेंट कॉलेज मैदान में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक विकसित करने का प्रस्ताव है। इसके निर्माण से दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट सहित विभिन्न ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिताओं के आयोजन का मार्ग प्रशस्त होगा। भविष्य में यहां राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा सकेंगी।

कार्यालय नगर पंचायत भटगांव, जिला- सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)
Email ID-cmonpbhatgaon01@gmail.com

क्रमांक /385/न.पं.भ./ लो.नि.वि./2026-27 — भटगांव, दिनांक- 04/06/2026

- मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना -

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु पी.डब्ल्यु.डी. एस.ओ.आर. भवन / सड़क 20.04.2026 एवं विद्युत एस.ओ.आर. 10.04.2026 से प्रभावशील दर पर निविदा प्रपत्र A में बंद निविदाए स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक के माध्यम से तीन लिफाफा पद्धति से आमंत्रित की जाती है।
1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय - 11/06/2026 (शाम 3.00 बजे तक)
2. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि - 18/06/2026 (शाम 4.00 बजे तक)
3. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि - 25/06/2025 (दोप. 2.00 बजे तक)
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 25/06/2026 (दोप. 3.00 बजे से)

क्र.	कार्य का विवरण	लागत राशि (रू.लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	निर्धारित समयावधि
1	वार्ड क्रमांक 02, 03, 04, 06, 13 अड़बंधा तालाब, बड़े तालाब झलवा तालाब, ढिकुलिया तालाब, दर्री, दांतरा, बुधुबन तालाब, लामी गस्तिहा नौवा तालाब को जोड़ने हेतु नाली निर्माण कार्य	8.31	6233.00	750.00	03 माह

उपरोक्त कार्यो के सामान्य शर्ते, विस्तृत निविदा विज्ञापित विभागीय बेवसाईड www.uad.cg.gov.in में देखी जा सकती है, एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय नगर पंचायत भटगांव में आकर देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत भटगांव
जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद् आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.)
anagarpalika3@gmail.com

क्र./ 666 / न.पा./ लो.नि.वि./2026-272102 — आरंग, दिनांक 04/06/2026

// मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों एवं पात्र प्रदायकर्ता फर्मों से निम्नलिखित कार्यों की मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
01	पार्षद निधि से वार्ड क्र. 02 एवं 03 में नाली निर्माण तथा रंगमंच (02 स्थानों में) मरम्मत कार्य (PWD BUILDING SOR 01.01.2015)	2.21	24.06.2026
02	वार्ड क्र. 05 एवं 08 में 03 स्थानों में रंगमंच / चबुतरा निर्माण कार्य (PWD BUILDING SOR 01.01.2015)	2.30	24.06.2026
03	वार्ड क्र. 02 एवं 06 में बाउण्ड्रीवाल तथा पेव्हर ब्लाक निर्माण कार्य (PWD BUILDING SOR 01.01.2015)	2.00	24.06.2026
04	वार्ड क्र. 17 लक्ष्मी विहार कालोनी के सामने बी.टी. रोड मरम्मत कार्य	1.49	24.06.2026
05	वार्ड क्र. 17 कालेज चौक के सामने बी.टी. रोड मरम्मत कार्य	1.49	24.06.2026

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति तथा निविदा दस्तावेज के संबंध में आवश्यक जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है, साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद आरंग

आप नेता संजय सिंह सात जून को रायपुर आएंगे

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यसभा सदस्य व आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह आगामी 7 जून रविवार को एक दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर आ रहे है। उनकी मौजूदगी में राजधानी के शहीद स्माक भवन में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस सम्मेलन में आप के प्रदेश प्रभारी मुकेश अहलावत भी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

राज्यसभा सदस्य श्री सिंह का आगमन ऐसे समय पर हो रहा है, जब छत्तीसगढ़ के मुंगेली से संबंध रखने वाले पंजाब से राज्यसभा भाजपा की सदस्य संदीप पाठक ने सदस्यता ग्रहण कर ली। इससे आप नेता मायूस हुए। इसे देखते हुए आप छत्तीसगढ़ इकाई ने कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया है, ताकि फिर से आप नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार किया जा सके। आप कर्मचारी विंग के प्रदेश अध्यक्ष विजय झा ने बताया कि कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी शुरू हो गई है।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक/293/आ.वि./ निर्माण/2026-27 — बलौदाबाजार, दिनांक - 02/06/26

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
(द्वितीय सूचना)

कार्यालय कलेक्टर (सहायक आयुक्त आदिवासी विकास शाखा) जिला बलौदाबाजार के कार्यालय में नीचे दर्शाए गए विवरण के अनुसार एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत "D" श्रेणी एवं इसमें ऊपर श्रेणी के ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ शासन रायपुर द्वारा भवन दर अनुसूची जो 01.01.2015 से प्रभावशील एवं अद्यतन संशोधन सहित एस.ओ.आर. पद्धति के तहत ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर ई-निविदा दिनांक 22.06.2026 समय 5.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का नाम / स्थान का नाम	निविदा की राशि (लाख में)	यूनिट	राशि	अमानत राशि (लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा काल सहित)
1	2	3	4	5	6	7
2	आदिवासी बालक आश्रम चरौदा (ब) में क्लास रूम निर्माण कार्य।	19.40	2	38.80	0.30	4 माह

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर में दिनांक 03.06.2026 से देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त,
आदिवासी विकास
बलौदाबाजार-भाटापारा

जी- 262701186/1

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, मिनीमाता बांगो बांध संभाग क्र. 3, माचाडोली
जिला-कोरबा (छ.ग.)
ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक **24-06-2026 समय 17:30** तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है -

सिस्टम निविदा क्र.	निविदा सूचना क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत	आमंत्रण का क्रमांक
192063	01/व.ले.लि./2026-2027 दिनांक 03.06.2026	मिनीमाता बांगो बांध के तरमा से बरभवना तक सी.सी. रोड एवं पक्की नाली का पुनर्निर्माण कार्य।	रू. 221.96 लाख	प्रथम आमंत्रण
192064	02/व.ले.लि./2026-2027 दिनांक 03.06.2026	मिनीमाता बांगो बांध के पुराने भवन का जीर्णोद्धार, सी.सी. सोल्डर का निर्माण, मेशनरी बांध के आधार गैलरी में चेकर टेराजो टाईल्स, मिट्टी बांध में वायर फेंसिंग एवं एतमानगर कॉलोनी हेतु सी.सी. रोड का पुर्निर्माण कार्य।	रू. 370.57 लाख	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **10-06-2026** समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट- (1) निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
अन्य निविदा संबंधी शर्ते विभाग के साईट https://eproc.cgstate.gov.in में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।
(2) निविदा की अनुमानित लागत ज.सं.वि. एस.ओ.आर. (निविदा सूचना क्र. 01) 01.08.2010 (संशोधित 23.04.2026) एवं पी.एम.जी. एस.वाई. एस.ओ.आर. 22.02.2018. ज.सं.वि. एस.ओ.आर. (निविदा सूचना क्र. 02) 01.08.2010 (संशोधित 23.04.2026) एवं पी.एम.जी. एस.वाई. एस.ओ.आर. 22.02.2018, पी.डब्ल्यू.डी. एस.ओ.आर. 20.04.2026 एवं इलेक्ट्रिकल एस.ओ.आर. 10.04.2026 के अनुसार है।
(3) निविदाकार द्वारा अपने वित्तीय प्रस्ताव में GST जोड़कर निविदा भरा जाना है।

कार्यपालन अभियंता
मिनीमाता बांगो बांध संभाग क्र. 3, माचाडोली
जिला-कोरबा (छ.ग.)

जी- 262701193/8

न्यूज गैलरी

अंबिकापुर के आभास राज ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान

अंबिकापुर/नवप्रदेश। सरगुजा के अंबिकापुर निवासी और क्रिकेट जगत में लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर आभास राज को मुंबई में आयोजित

भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान समारोहों में से एक ESPNcricinfo Honours – Greatest Cricketers of 2000-2025 में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। इस भव्य आयोजन का आयोजन जिओ हॉटस्टार और ईएसपीएन क्रिकइंफो द्वारा किया गया, जिसमें क्रिकेट जगत की दिग्गज हस्तियों, विशेषज्ञों और चुनिंदा आमंत्रित अतिथियों ने भाग लिया। आभास राज इस समारोह में आमंत्रित होने वाले छत्तीसगढ़ तथा आसपास के राज्यों के एकमात्र प्रतिनिधि रहे। कार्यक्रम के दौरान उन्हें क्रिकेट के महान खिलाड़ियों और दिग्गजों से मिलने और संवाद कर ने का अवसर मिला, जिनमें सचिन तेंदुलकर, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद कैफ, अंबाती रायडू, एरोन फिंच, पीयूष चावला, वरुण एरॉन और वसीम जाफर सहित कई नाम शामिल हैं। यह समारोह वर्ष 2000 से 2025 तक क्रिकेट में उत्कृष्ट योगदान देने वाले खिलाड़ियों और क्रिकेट की 25 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का उत्सव था। इस अवसर पर आभास राज ने कहा कि इतने बड़े मंच पर देश के महान क्रिकेटरों के बीच उपस्थित होना उनके जीवन के सबसे यादगार और गौरवपूर्ण क्षणों में से एक है।

नगर के गौरव नितेश छाबड़ा सीसीपीएल के सीजन-3 में लाइव कमेंट्री करेंगे

कवर्धा/नवप्रदेश। प्रदेश के ख्यात क्रिकेट कमेंटेटर व खेल समीक्षक नितेश छाबड़ा छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के सीजन-3 में छत्तीसगढ़ी में लाइव कमेंट्री करते नज़र आएँगे। यह स्पर्धा रायपुर के शहीद वीरनारायण सिंह स्टेडियम में 3 जून से 14 जून तक खेली जाएगी। इस लीग में राज्य के छह अलग अलग इलाकों से 6 टीमों को शामिल किया गया है, जो इस प्रकार हैं-- रायगढ़ लायंस, रायपुर राईनोस, बिलासपुर बुल्स, बस्तर बायसन, सरगुजा टाइगर्स और राजनांदगांव पैंथर्स। इन टीमों में पूरे राज्य के उदीयमान क्रिकेट खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा

दिखाने व निखारने का अवसर मिलता है। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ की इन्हीं नीतियों की वजह से राज्य से शशांक सिंह, अमनदीप खरे जैसे खिलाड़ी आईपीएल में खेल रहे हैं। नितेश छाबड़ा सीसीपीएल के पहले सीजन में हिंदी में कमेंट्री कर चुके हैं। इस सीजन में छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने छत्तीसगढ़ी में लाइव कमेंट्री करने के लिए पूरे छत्तीसगढ़ से आवेदन आमंत्रित किए थे, जिसमें अपनी उपलब्धियों, बायो डाटा, क्रिकेट ज्ञान की जानकारी के साथ 2 मिनट का कमेंट्री ऑडियो भेजना था। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ की निर्णायक ज्यूरी ने नितेश छाबड़ा को अधिकृत रूप से छत्तीसगढ़ी में कमेंट्री करने के लिए चुना है। संघ की ओर से इस आशय की सूचना उन्हें भेज दी गई है। ज्ञात हो कि पिछले दो तीन वर्षों से आईपीएल में आंचलिक भाषाओं में लाइव कमेंट्री की जा रही है, जिसके तहत भोजपुरी, हरियाणवी, पंजाबी, बंगला भाषा को चुना गया है। इस वर्ष से सीसीपीएल में छत्तीसगढ़ी कमेंट्री किया जाना इसी दिशा में उठाया गया बड़ा कदम है, जब अगले वर्षों में आईपीएल में गुरतुर छत्तीसगढ़ी की मिठास में पगी लाइव कमेंट्री सुनने को मिल सकती है।

इंतजार खत्म : सपेरा बस्ती में साकार हो रहा पक्के घरों का सपना

■ **बरमकेला विकासखंड के ग्राम भीखमपुरा पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय**

रायपुर/नवप्रदेश। सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला विकासखंड स्थित ग्राम भीखमपुरा पहुंचे, जहां उन्होंने सपेरा बस्ती में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण कर विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवनयापन कर रहे सवरा (सपेरा) जनजाति के परिवारों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्माणाधीन आवासों का अवलोकन करते हुए कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि विकास और जनकल्याण का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र परिवार को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को सभी स्वीकृत आवासों और अन्य निर्माण कार्यों

को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे पिछले लगभग 35 वर्षों से कच्चे घरों में रहकर जीवनयापन कर रहे थे।प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से अब उनका पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। हितग्राहियों ने कहा कि पहली बार उन्हें अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक आवास में रहने की उम्मीद मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने दिव्यांग हितग्राही रमाबाई सिदार को बैसाखी प्रदान कर उनकी सहायता की तथा बच्चों को चॉकलेट वितरित कर उनसे आत्मीय बातचीत की। मुख्यमंत्री की सहजता और अपनत्व से ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

उल्लेखनीय है कि भीखमपुरा की सपेरा बस्ती में 68 परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास, सीसी रोड तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। यहां प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, जल जीवन मिशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में 25 आवास, वर्ष 2025-26 में 14 आवास तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 14 आवास स्वीकृत किए गए हैं। वहीं 10 अन्य पात्र परिवारों को आवास प्लस 2.0 सर्वे में शामिल किया गया है।

गांजा-शराब तस्करों समेत कई आरोपियों पर कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई के उद्देश्य से रायपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा उत्तर जोन के विभिन्न थाना क्षेत्रों में विशेष कॉम्बिंग गश्त एवं सघन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान वारंटों की तामीली से लेकर मादक पदार्थ, अवैध शराब और हथियार रखने वालों के विरुद्ध व्यापक कार्रवाई की गई।

दिनांक 04 जून 2026 को चलाए गए विशेष अभियान में थाना गुढ़ियारी, उरला, खमतराई एवं चौकी रामनगर की पुलिस टीमों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए कुल 6 वारंटों की तामीली की। इनमें 3 स्थायी वारंट और 3 गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं। अभियान के दौरान थाना उरला क्षेत्र में आरोपी चंदन नेताम को 2 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं आरोपी गजेंद्र दास मानिकपुरी को 33 पौवा देसी शराब के साथ पकड़ा गया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध क्रमशः नारकोटिक्स एक्ट एवं आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। इसके अलावा पुलिस ने 4 अलग-

अलग प्रकरणों में आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170, 126 एवं 135 के तहत कुल 11 प्रकरणों में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई। विशेष अभियान के दौरान आदतन अपराधियों, निगरानी बदमाशों, गुंडा बदमाशों तथा चाकूबाजों की सघन जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने स्पष्ट किया है कि शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इस प्रकार के विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। कानून व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

महिला गांजा तस्कर को सात साल की कठोर कैद

रायपुर/नवप्रदेश। अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ गिरफ्तार महिला आरोपी को जिला न्यायाधीश ने सात साल कठोर कारावास और एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने की राशि जमा नहीं करने पर अतिरिक्त छह माह कठोर सजा का प्रावधान है। यह मामला सरस्वती नगर थाना क्षेत्र का है। इस मामले में अंतिम सुनवाई विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट किरण थवाइत की कोर्ट में पूरी हुई। मामले की पैरवी करते हुए विशेष लोक अभियोजक भुवनलाल साहू ने कोर्ट को बताया कि अभियुक्ता ज्योति देवार 11 अक्टूबर 2025 को डुमर तालाब बायपास रोड के पास गांजे की बिक्री कर रही थी, जिसे पुलिस ने सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया। जांच-पड़ताल के दौरान उसके पास रखे 1.422 किलोग्राम गांजा भी बरामद हुआ। अभियोजक ने तर्क दिया कि अभियुक्ता अपराधी प्रवृत्ति की महिला है। पिछले कई वर्षों से गांजा क्रय-विक्रय करने के अपराध में संलिप्त है।

अब मन में भविष्य की चिंता नहीं आशा, संतोष और आत्मसम्मान

बरसों का सपना हुआ पूरा

रायपुर/नवप्रदेश। एक सुरक्षित और पक्का घर हर परिवार का सपना होता है। यह सपना केवल चार दीवारों का नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का भी होता है। दुर्ग नगर निगम के उरला वार्ड की श्रीमती कुंती जगने के मन में भी वर्षों से खुद के पक्के घर का सपना पल रहा था, जो अब प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 से साकार हो गया है। श्रीमती कुंती जगने मजदूर हैं। उनके पति प्रभुदास जगने मोची का काम करते हैं। सीमित आय में परिवार का भरण-पोषण करना ही उनके लिए बड़ी चुनौती थी। ऐसे में घर बनाना उनके लिए दूर की कौड़ी थी। कई वर्षों तक उनका परिवार किराये के मकान में रहा, जहां उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बरसात में मकान की छत से पानी टपकता था, जिससे परिवार की चिंता और परेशानी बढ़ जाती थी। बच्चों की सुरक्षा के लिए रातभर जागना पड़ता था। गर्मियों में कमरा इतना गर्म हो जाता था कि आराम से रहना और सोना भी मुश्किल हो जाता था। इन परिस्थितियों के बीच उनका परिवार हमेशा एक ऐसे घर का सपना देखता था, जहां वे सुरक्षित और सम्मानपूर्वक रह सकें।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत आवास की स्वीकृति के साथ कुंती के खुद के आशियाने के सपने को पंख मिला।

सुशासन तिहार के तहत 5 जून को लगेगा नवां जनसमस्या निवारण शिविर

रायपुर/नवप्रदेश। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में नवां जनसमस्या निवारण शिविर 5 जून 2026 को आयोजित किया जाएगा। यह शिविर रायपुर ग्रामीण एवं रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर निगम जोन क्रमांक 10 के देवपुरी गुरुद्वारा (धर्मशाला), कमल विहार (कौशल्या विहार) गेट के पास आयोजित होगा। शिविर में रायपुर नगर निगम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे और नागरिकों की समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त करेंगे। आम जनता से प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आवेदन लिए जाएंगे। प्रशासन के अनुसार शिविर में प्राप्त सभी आवेदन पत्रों का अधिकतम एक माह के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा तथा प्रत्येक आवेदक को उसके आवेदन के निराकरण की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में राजस्व, स्वास्थ्य, विद्युत, खाद्य, कृषि, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण सहित अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं से जुड़े विभाग भी शामिल रहेंगे।

पर्यावरण दिवस पर विशेष

पौधे बने पेड़ तो बदली तस्वीर हरियाली से महक उठा शहर

सुशील शुक्ला

मुंगेली/नवप्रदेश। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए नगर के युवाओं ने 2017 से पौधारोपण कर शहर को हरियाली देने का प्रयास प्रारंभ किया। शुरुआती दौर में कुछ लोगों के प्रयास के बाद कारवां बढ़ता गया और आज युवाओं कि टीम ने नगर को सुघ्घर मुंगेली, हरियर मुंगेली के रूप में स्थापित कर दिया। अब तक इस टीम के द्वारा नगर में लगभग 3000 पौधे लगाए गए, जिनमें से लगभग 2000 पेंड आज वृक्ष का रूप ले चुके हैं। इस प्रयास को नगर के सभी वर्गों का सहयोग मिलता रहा है।

स्टार्स ऑफ टुमारो वैलफेयर सोसाइटी द्वारा बढ़ती गर्मी, लगातार गिरते जलस्तर और पर्यावरण असंतुलन की चुनौतियों को देखते हुए संस्था ने वर्ष 2017 में इस अभियान की नींव रखी थी। शहर और इसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को हरा-भरा बनाना, लोगों में वृक्षारोपण के प्रति जिम्मेदारी का भाव जगाना और रोपे गए पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करना। यह अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और परवरिश पर विशेष ध्यान देता है।

संस्था द्वारा अब तक 1,500 से अधिक पौधे ट्री-गार्ड के साथ सार्वजनिक स्थानों और सड़कों के

किनारे सुरक्षित तरीके से लगाए जा चुके हैं। इसके अलावा 3,000 से अधिक पौधे ऐसे स्थानों (जैसे आगर प्राण वायु परिसर या फेंसिंग युक्त सरकारी निजी परिसर) पर रोपे गए हैं, जहां उनके जीवित रहने की संभावना सबसे ज्यादा होती है। शहर की सीमाओं से निकलकर इस हरित टीम ने मुंगेली के कई ग्रामीण अंचलों में भी सघन पौधारोपण किया है। आज इनमें से अधिकांश पौधे बड़े होकर वृक्ष का रूप ले चुके हैं और शहर की आबोहवा को बेहतर बना रहे हैं।

संस्था के पदाधिकारियों का मानना है कि पर्यावरण संरक्षण सिर्फ सरकारी काम नहीं बल्कि हर नागरिक का सामाजिक कर्तव्य है अभियान के तहत यह वैज्ञानिक और नैतिक दृष्टिकोण प्रसारित किया जाता है कि एक सामान्य व्यक्ति अपने पूरे जीवनकाल में लगभग 16 पेड़ों से मिलने वाली ऑक्सीजन का उपभोग करता है। इस लिहाज से हर व्यक्ति पर प्रकृति का कर्ज है, जिसे कम से कम 16 पौधे लगाकर चुकाया जाना चाहिए। समाज से लोगों को जोड़ने के लिए संस्था अपनों की स्मृति या विशेष अवसरों पर भी पौधारोपण अभियान चलाती है जैसे आगर प्राण वायु परिसर में टीम के दिवंगत सदस्यों या गणमान्य नागरिकों की याद में पौधे लगाना।

इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने में संस्था के कई समर्पित सदस्य लगातार निस्वार्थ सेवा दे रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से संयोजक व सह-संयोजक रामपाल सिंह (संयोजक), रामशरण यादव (सह-संयोजक) अध्यक्ष व सचिव महावीर सिंह, विनोद यादव सक्रिय सदस्य सतपाल मक्कड़, गौरव जैन, दीपक जैन, देवेंद्र परिहार, श्रेणिक पारख, गिरीश सुथार, अनुराग सिंह, सूरज मंगलानी, मुकेश पांडेय, हरिओम सिंह, पप्पू शर्मा, सुनील वाधवानी, संदीप सिंह, पवन यादव, रवि साहू, अजय चंद्राकर और टीम के अन्य साथी। हरियर मुंगेली सुघर मुंगेली अभियान की सबसे बड़ी ताकत इसकी निरंतरता है। बारिश के मौसम के शुरू होते ही इसके नए चरणों की शुरुआत होती है, जिसमें नीम, पीपल, बरगद जैसे दीर्घायु और अधिक ऑक्सीजन देने वाले पारंपरिक पौधों को प्राथमिकता दी जाती है।

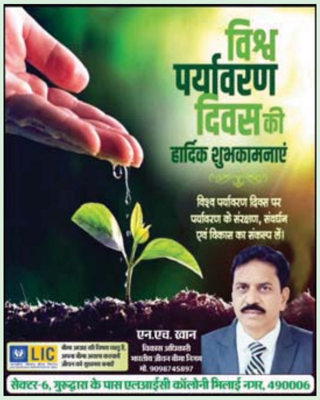

धमकियों के कारण पीछे हटीं महिला प्रवक्ता : सीजेपी

नई दिल्ली/ए.। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने पार्टी में महिला प्रवक्ताओं की अनुपस्थिति को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अपनी महिला टीम सदस्यों को प्रवक्ता बनने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, कई महिलाओं ने लगातार मिल रही ऑनलाइन ट्रोलिंग, हमलों और धमकियों के कारण सार्वजनिक रूप से सामने आने के बजाय संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने को प्राथमिकता दी। दिपके ने कहा कि पार्टी उनके फैसले का सम्मान करती है।

उन्होंने साथ ही उन युवा महिलाओं से आगे आने की अपील की जो इस आंदोलन का हिस्सा बनना चाहती हैं और प्रवक्ता के रूप में जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं।

गुरुवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कॉकरोच जनता पार्टी ने स्पष्ट किया कि उसका एकमात्र एजेंडा देश की शिक्षा व्यवस्था में मौजूद खामियों को दूर करना है। पार्टी और उसके समर्थकों ने शिक्षा क्षेत्र में लगातार सामने आ रही विफलताओं के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की और शिक्षा प्रशासन में जवाबदेही तय करने की आवश्यकता पर जोर दिया। दरअसल बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी ने जनता और मीडिया से बात करने के लिए तीन प्रवक्ताओं की नियुक्ति की है। सीजेपी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट कॉकरोच इज बैक के जरिए सोशल मीडिया पर इन नियुक्तियों की जानकारी दी। पोस्ट के अनुसार, खोजी पत्रकार सौरव दास को पार्टी का मुख्य प्रवक्ता बनाया गया है। इनके अलावा, राजनीतिक शोधकर्ता, लेखक और फिल्म निर्माता विजेता दहिया व आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र और वैश्विक प्रबंधन परामर्श कंपनी मैकिंजी से जुड़े रहे आशुतोष रांका को भी पार्टी का प्रवक्ता नियुक्त किया गया है।

प्रधानमंत्री ने शिक्षा व्यवस्था बर्बाद की कीमत युवा पीढ़ी चुका रही: राहुल गांधी

नई दिल्ली/ए.। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नागपुर में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी करने वाली एक छात्रा की कथित आत्महत्या की घटना को लेकर गुरुवार को पीएम मोदी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में शिक्षा व्यवस्था की बर्बादी की कीमत पूरी एक युवा पीढ़ी चुका रही है। उन्होंने दावा किया कि छात्रा की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि मोदी जी की एक भ्रष्ट, टूटी हुई व्यवस्था की देन है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, आकांक्षा डॉक्टर बनकर देश और समाज की सेवा करना चाहती थी। आकांक्षा के पिता किसान हैं। बेटी के डॉक्टर बनने के सपने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड पर तीन लाख रुपये का कर्ज़ लिया। नागपुर में खुद रसोइये की नौकरी कर ली, ताकि बेटी वहां कोचिंग कर सके। एक पिता जो कर सकता था, उसने सब किया। फिर नीट पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द हुई। उस अनिश्चितता में आकांक्षा हमें छोड़कर चली गई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, और धर्मेंद्र प्रधान जी? आज भी कुर्सी पर हैं। फिर वही समिति। वही तबादला। वही जांच। न सुधार, न न्याय। राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी, कुर्सी स्थायी नहीं होती, आती-जाती रहती है। लेकिन आपने 12 वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को जिस हद तक बर्बाद किया है, उसकी कीमत भारत की एक पूरी युवा पीढ़ी चुका रही है।

भाजपा का राहुल गांधी पर निशाना

भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस दावे पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक साल के भीतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पद पर नहीं रहेंगे। भाजपा ने राहुल पर दुष्प्रचार फैलाने का आरोप लगाया। सत्तारूढ़ पार्टी ने यह भी कहा कि देश में अब तक केवल एक बार आपातकाल लगाया गया था और वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाया गया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया था कि मोदी एक साल के भीतर प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे क्योंकि चीजों को नियंत्रित करने का उनका जो सिस्टम था, वह ध्वस्त हो रहा है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया था कि मोदी सरकार जनता के दबाव को कुचलने के लिए आपातकाल जैसा कदम उठा सकती है। इन टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणियां कांग्रेस पार्टी के इतिहास और उसकी मानसिकता को दर्शाती हैं। पूनावाला ने एक वीडियो बयान में कहा, राहुल गांधी ऐसे परिवार से आते हैं, जिसका इतिहास आपातकाल से जुड़ा रहा है। इसलिए उन्हें लगता है कि हर कोई आपातकाल लगाने वाला है। भारत में संविधान को केवल एक बार कुचला गया था और वह इंदिरा गांधी ने किया था। उन्होंने जिस तरह संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया और उनमें हस्तक्षेप किया, वह सर्वविदित है।

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि वास्तविक आपातकाल कांग्रेस पार्टी के भीतर है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र के ऊपर वंशवाद को रखने वाले राहुल आज भी हर जगह आपातकाल देखते हैं। एक तरह का आपातकाल जरूर है, लेकिन वह कांग्रेस के भीतर है। कांग्रेस के अंदर संस्थागत पतन और विद्रोह चल रहा है। यदि कोई व्यवस्था टूट रही है, तो वह कांग्रेस पार्टी की व्यवस्था है। पूनावाला ने दावा किया कि कांग्रेस नेता एक-एक कर पार्टी छोड़ रहे हैं और पार्टी वंशवादी राजनीति के खिलाफ विद्रोह का सामना कर रही है। उन्होंने कहा, 99 चुनाव हारने के बाद कांग्रेस की संस्था स्वयं वंशवादी राजनीति के खिलाफ विद्रोह कर रही है। यही कारण है कि कांग्रेस के नेता एक के बाद एक पार्टी छोड़ रहे हैं। वे आपके खिलाफ विद्रोह कर रहे हैं।

पीएम से वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने की मुलाकात

नई दिल्ली/ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मुलाकात की। नेताओं की यह मुलाकात हैदराबाद हाउस में हुई। संभावना जताई जा रही है कि दोनों नेताओं ने भारत-वेनेजुएला संबंधों के कई आयामों पर चर्चा की। इनमें ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया गया। पीएम नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात के बाद डेल्सी रोड्रिगेज ने नई दिल्ली स्थित महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और अपनी श्रद्धांजलि दी। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रोड्रिगेज से मुलाकात की और दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र के साथ भारत की मजबूत होती साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि वह ÷आज नई दिल्ली में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मिल कर खुशी हुई।÷ उन्होंने भारत-वेनेजुएला संबंध के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की सराहना की। मंत्री ने कहा, "मैं भारत-वेनेजुएला संबंध के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को गहराई से महत्व देता हूं।÷ इसके साथ ही उन्होंने कहा कि रोड्रिगेज की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करेगी। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज बुधवार को भारत और वेनेजुएला के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने के उद्देश्य से पांच दिवसीय कार्य यात्रा पर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचीं। वेनेजुएला की नेता का स्वागत करते हुए विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस यात्रा से दोनों देशों को सहयोग को मजबूत करने और अपनी द्विपक्षीय साझेदारी में गति लाने का अवसर मिलेगा। पोस्ट में कहा गया, ÷नई दिल्ली आगमन पर वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज का हार्दिक स्वागत है। अपनी यात्रा के दौरान, कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी।

अदाणी और अनुष्का फाउंडेशन ने मिलाया हाथ, क्लबफुट से पीड़ितों की बदलेगी जिदंगी

नई दिल्ली/ए.। अदाणी फाउंडेशन और अनुष्का फाउंडेशन ने बुधवार को पांच राज्यों में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के माध्यम से क्लबफुट से प्रभावित 10,000 से अधिक बच्चों के उपचार और उसके बाद देखभाल के लिए तीन साल की साझेदारी का ऐलान किया। वर्ल्ड क्लबफुट डे के अवसर पर शुरू की गई यह पहल राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के सहयोग से मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश में लागू की जाएगी। इस कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ कानपुर, उत्तर प्रदेश के मान्यवर कांशीराम संयुक्त चिकित्सालय और ट्रॉमा सेंटर में किया गया। कानपुर भारत के उन राज्यों में से एक है जहां क्लबफुट के सबसे अधिक मामले सामने आते हैं। अदाणी फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. प्रीति अदाणी ने कहा कि क्लबफुट जैसी उपचार योग्य स्थिति का शीघ्र पता चलने पर किसी भी बच्चे को इसके इलाज से वंचित नहीं रहना चाहिए। डॉ. प्रीति अदाणी ने कहा, प्रत्येक बच्चे को चलने-फिरने, सीखने, खेलने और जीवन में पूर्ण रूप से भाग लेने का अवसर मिलना चाहिए। दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अवसर सृजित करना अदाणी फाउंडेशन के दर्शन का एक अभिन्न अंग रहा है, और यह साझेदारी इसी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। क्लबफुट एक जन्मजात स्थिति है जिसमें जन्म के समय एक या दोनों पैर अंदर की ओर मुड़ जाते हैं और यह लगभग हर 800 नवजात शिशुओं में से एक को प्रभावित करता है। हालांकि विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त पोनसेटी उपचार पद्धति से इस स्थिति को ठीक किया जा सकता है, फिर भी वंचित क्षेत्रों में कई बच्चों का इलाज नहीं मिल पाता है।

नाम-परिवर्तन

मैं मनोज कुमार साहू (MANOJ KUMAR SAHU) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पिता राजाराम साहू, उम्र 45 वर्ष, निवासी- शिव दुर्गा मंदिर के पास, दुर्गा पारा, संतोषी नगर, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.) ने अपने नाबालिग सुपुत्र का नाम झलक कुमार साहू (JHALAK KUMAR SAHU) पिता मनोज कुमार साहू (MANOJ KUMAR SAHU) (पुराना नाम) से बदल कर आयुष साहू (AYUSH SAHU) पिता मनोज कुमार साहू (MANOJ KUMAR SAHU) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
मनोज कुमार साहू
पिता राजाराम साहू,
निवासी- शिव दुर्गा मंदिर के पास, दुर्गा पारा, संतोषी नगर, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांक: 202605101000164/अ-6अ/सन्- 2025-26

मामले की श्रेणी-राजस्व

कुरुद प.ह.न. 00046 हे.
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- अभिषेक कुमार गौर,/अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

आवेदक अभिषेक कुमार गौर पिता/पति/विभाग-भरत गौर पता-शांति नगर सुपेला भिलाई द्वारा ग्राम ङ्क कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.म. कोहका, तहसील व् जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 739/3 का टू. रकबा 0.009 हे. = 1000 वर्गफीट भूमि को विक्रेता - जनिया बाई पिता लाटेल एवं अन्य 01 से क्रय किया गया था! नामांतरण पश्चात निर्मित खसरा न. 739/8 रकबा 0.009 हे. ऋष्ठ पुस्तिका में आवेदक का नाम दर्ज है, किन्तु वर्तमान पटवारी अभिलेख में आवेदक के स्थान पर प्रदर्शित हो रहा है। जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 16.06.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27.05.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाईनगर (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं परेटन (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) पति स्व. फ्रांसिस दास, उम्र-58 वर्ष, निवासी- ई 1/830 हाउसिंग बोर्ड कोहका भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) ने अपना नाम परेटन स्व. फ्रांसिस दास (पुराना नाम) से बदल कर मीनू दास स्व. फ्रांसिस दास (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
परेटन पति स्व. फ्रांसिस दास,
निवासी- ई 1/830 हाउसिंग बोर्ड कोहका भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

(Affidavit before)

EXECUTIVE MAGISTRATE / TEHSILDAR FOR PUBLICATION OF CHANGE OF DATE OF BIRTH (MOTHER)

I **Man Bai** is legally Mother of **Dilip kumar** presently residing at Village **Bharseli Malgujari Post Bharsela Bada Tehsil Baloda Bazar District Baloda Bazar (C.G.) Pin- 493332** do hereby solemnly affirm and state on oath as follows :-

(a) That, I have changed my date of birth from **01.07.1953** to **01.01.1966** due to erroneously date of birth recorded in my son service documents. My correct date of birth is **01.01.1966** as per my Aadhar Number **4246 7933 8368** (Copy attach...)

(b) That the correct date of birth should be read and treated as Correct **01.01.1966** for all official purposes.

Man Bai

(Affidavit before)

EXECUTIVE MAGISTRATE / TEHSILDAR FOR PUBLICATION OF CHANGE OF DATE OF BIRTH (FATHER)

I **Shyamlal Mandale** is legally Mother of **Dilip kumar** presently residing at Village **Bharseli Malgujari Post Bharsela Bada Tehsil Baloda Bazar District Baloda Bazar (C.G.) Pin- 493332** do hereby solemnly affirm and state on oath as follows :-

(a) That, I have changed my date of birth from **01.07.1948** to **01.01.1956** due to erroneously date of birth recorded in my son service documents. My correct date of birth is **01.01.1956** as per my Aadhar Number **4766 9542 1729** (Copy attach...)

(b) That the correct date of birth should be read and treated as Correct **01.01.1956** for all official purposes.

Shyamlal Mandale

(Affidavit before)

EXECUTIVE MAGISTRATE / TEHSILDAR FOR PUBLICATION OF CHANGE OF NAME (FATHER)

I **Shyamlal Mandale** is legally Mother of **Dilip kumar** presently residing at Village **Bharseli Malgujari Post Bharsela Bada Tehsil Baloda Bazar District Baloda Bazar (C.G.) Pin- 493332** do hereby solemnly affirm and state on oath as follows :-

(a) That, I have changed my name from **Shyam Lal to Shyamlal Mandale** due to erroneusly name recorded in my son service documents . My correct name is **Shyamlal Mandale** as per my aadhar Number **4677 9542 1729** (Copy attach...)

(b) That I am producing this affidavit for the purpose of evidence for change name only.

Shyamlal Mandale

NAGAR PANCHAYAT BASNA, DIST – MAHASAMUND (C.G.)

Email - npbasna@gmail.com

Nit No. 307/PWD/2026-27 **Basna Date- 03.06.2026**

e-Procurement Tender Notice

Online bids are Invited for the following works (Last date & time of bid preparation) Date-26.05.2026 at 5.30 Hours.

SN	System Tender No.	Name of Work/Description of work	Probable Amount of Contract (Rs. In Lacs)
01	192296	Steel fabrication structure, 9 meter staging, 1000 liter capacity water tank, PVC pipe line 90 mm dia and bore mining work in ward no. 01 and 05.	17.75 Lacs

Note: All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on the eProcurement portal (http://cgeprocurement.gov.in) and get empanelled through the sub-portal (http://uadd.cgeprocurement.gov.in) in order to download the tender documents and participate in the subsequent bidding process.

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत बसना

आम सूचना

मै देवचरण सेनवानी उम्र 37 वर्ष पिता श्री भूरूराम सोनवानी जाति सतनामी निवासी ग्राम टिपावन, तहसील पलारी, जिला-बलौदाबाजार- भाटापारा (छ.ग.) पिन नंबर 493229 हलफनामा के साथ निम्नानुसार कथन प्रस्तुत करता हूं कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य व सही है। यह कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड में नाम यशमिता सोनवानी पिता देवचरण सोनवानी लिखा है जो कि गलत है। यह कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में अस्मिता सोनवानी अंकित है जो सही है। यह कि मेरी पुत्री अस्मिता सोनवानी के आधार कार्ड में यशमिता सोनवानी के स्थान पर अस्मिता सोनवानी पिता देवचरण सोनवानी लिखा व पढ़ा जावे दोनो नाम एक ही व्यक्ति का नाम है। नाम सत्यापन के संबंध में सक्षम अधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत करने के साथ यह आम सूचना प्रकाशित करवा रहा हूं।

शपथकर्ता
देवचरण सोनवानी

आम सूचना

मै देवचरण सेनवानी उम्र 37 वर्ष पिता श्री भूरूराम सोनवानी जाति सतनामी निवासी ग्राम टिपावन, तहसील पलारी, जिला-बलौदाबाजार- भाटापारा (छ.ग.) पिन नंबर 493229 हलफनामा के साथ निम्नानुसार कथन प्रस्तुत करता हूं कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य व सही है। यह कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड में नाम श्रुभी पिता देवचरण सोनवानी लिखा है जो कि गलत है। यह कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में सुरभी सोनवानी अंकित है जो सही है। यह कि मेरी पुत्री सुरभी सोमवानी के आधार कार्ड में श्रुभी के स्थान पर सुरभी सोनवानी पिता देवचरण सोनवानी लिखा व पढ़ा जावे दोनो नाम एक ही व्यक्ति का नाम है। नाम सत्यापन के संबंध में सक्षम अधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत करने के साथ यह आम सूचना प्रकाशित करवा रहा हूं।

शपथकर्ता
देवचरण सोनवानी

एडीएम नवीन बाबू की मौत की सीबीआई जांच की सिफारिश

तिरुवनंतपुरम/ए.। केरल सरकार ने पूर्व कन्नूर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) नवीन बाबू की मौत की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की सिफारिश की है। इस फैसले से राजनीतिक रूप से संवेदनशील और बड़ा विवाद पैदा करने वाले मामले की जांच अब केंद्रीय एजेंसी की निगरानी में होगी। यह फैसला यूडीएफसरकार के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। बैठक में नवीन बाबू के परिवार की लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार किया गया। परिवार ने बार-बार पुलिस और विशेष जांच दल द्वारा की गई बाद की जांच में भरोसा नहीं जताया था। इसके अतिरिक्त कैबिनेट ने राजस्व विभाग को नवीन बाबू की बेटी को अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने के लिए कदम उठाने का भी निर्देश दिया। यह कदम महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह नए सरकार के पदभार ग्रहण करने के बाद सीबीआई जांच के लिए सिफारिश का पहला मामला है। गौरतलब है कि पिछली राज्य सरकार ने सीबीआई को केरल में सीधे मामले दर्ज करने और जांच करने की सामान्य सहमति वापस ले ली थी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बलौदाबाजार

जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
Tel. No. 07727-223138
E-mail: cmobalodabazar@rediffmail.com & cmobalodabazar@ymail.com
GENS/41975/2026-O/O CMO NPP BBB/404

बलौदाबाजार, दिनांक 04/06/2026

- भवन / भूमि दावा आपत्ति -

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि बलौदाबाजार नगरीय सीमा क्षेत्र के वार्ड क्र. 19 बलौदाबाजार प.ह.नं. 15 स्थित खसरा नं. 279/44 शामिल रकबा 0.0120 हेक्टेयर क्षेत्रफल 1291.67 वर्गफीट जो कि नगर पालिका परिषद के मांगपंजी मे **श्री के.व्ही.एस. मूर्ति पिता जानकी रमैय्या मूर्ति** सा. बलौदाबाजार के नाम से दर्ज हैं। जिसको **श्री बसंत कुमार बनकर पिता स्व. रूसीराम बनकर** सा. बलौदाबाजार बिक्रीनामा उपरांत नामांतरण हेतु आवेदन मय दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किया हैं।

छ.ग. नगर पालिका अधिनियम 1961 धारा 150 अंतर्गत नगर पालिका मांग पंजी में स्वामित्व के रूप में नामांतरण हेतु संबंधित प्रकाशन दिनांक से 30 दिन के भीतर लिखित आपत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं, तत् संबंध में न.पा.प. बलौदाबाजार द्वारा विचार किया जा सकता है, प्रकाशन के समयावधि पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा एवं आवेदक के नाम से दर्ज किया जावेगा। सूचनार्थ प्रकाशन किया जाता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर पालिका परिषद, बलौदाबाजार

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अनुविभाग- आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

//विज्ञापन//

क्रमांक / 48 / वा.3/अवि.अ./खाद्य /2026

अनुविभाग, आरंग, दिनांक - 02.06.26

सर्व साधारण आम जनता को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अनुविभाग आरंग, में संचालित में शा.उ.मूल्य दुकानों की संचालन एजेंसी परिवर्तन किये जाने के फलस्वरुप लोक सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ **सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण)** आदेश 2016 की खण्ड 09 के प्रावधान अनुसार निम्नलिखित शा.उ.मू. दुकान आबंटित करने हेतु इच्छुक सहकारी सोसाईटियों / महिला स्व-सहायता समूह/ग्राम पंचायत विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस तक कार्यालयीन समयावधि में अपना **आवेदन पत्र का विहित प्रारुप (परिशिष्ट-1), समूह / समिति को प्रस्ताव, पंजीयन प्रमाण पत्र, बैंक बचत खाता की छायाप्रति, ग्रेडिंग एवं अन्य सम्यक दस्तावेज सहित** आवेदन पत्र कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) आरंग में जमा कर सकते है। नवीन संचालक की नियुक्ति हेतु विज्ञापित शा.उ.मू. दुकानों का विवरण इस प्रकार है -

क्रमांक	ग्राम पंचायत का नाम	शा.उ.मू. दुकान क्रमांक
1	जुगेसर	442003101
2	उमरिया	442003106
3	गनौद	442003125

निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

जी-262701173/2

OFFICE OF THE CHIEF MUNICIPAL OFFICER NAGAR PALIKA PARISHAD, SARAIPALI

E-procurement Tender Notice
Main Portal: https://cgeprocurement.gov.in

NIT. No. 227 **Saraipali/Dated 04.06.2026**

Online bids are invited for followings works up to **26.06.2026**

S. No.	System Tender no.	Name of work	Probable Amount of Contract (In Lakh)	Earnest Money (In Lakh)	Class of Contractor
1	**192384**	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Palika Parishad, Saraipali under **SBM 2.0 (1st Call)**	**Rs 827.46**	**Rs 4.14**	In Class 'B' or above registered with Unified Registration System (Single Window) on GoCG PWD.

The details can be viewed and downloaded online directly from Government of Chhattisgarh e-Procurement System Portal (https://cgeprocurement.gov.in) from **04.06.2026 at 11:00 Hours** (IST) on words.For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

Chief Municipal Officer
Nagar Palika Parishad Saraipali
District- Mahasamund (CG)

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड

"सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन" सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018

फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/वि.स. क्षेत्र कोटा/25/26-27/1529 **रायपुर, दिनांक 03.06.2026,**

ई-प्रोक्यूरमेंट तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति कोटा जिला बिलासपुर अंतर्गत छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से प्रपत्र 'अ' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यो हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है -

ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 22.06.2026
फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि - 01.07.2026

क्र.	कार्य का नाम/स्थल	निविदा राशि (लाख में)	एस.ओ.आर विवरण
1	जिला बिलासपुर, कृषि उपज मंडी समिति/वि.ख. कोटा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कुसमुली, अमने, लिटिया, धुमा, बिल्लीबंद, परसापानी, रमदेई, केन्दा (आश्रित मोहल्ला बंधवापारा) में सामुदायिक भवन निर्माण एवं ग्राम पोड़ी में कव्हर्ड शेड निर्माण। **(तृतीय आमंत्रण)**	**138.53**	लो.नि.वि. भवन कार्य हेतु दिनांक 01.01.2015, एवं विद्युत कार्य हेतु दिनांक 01.07.2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर.पर

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते है।

सही/-
सचिव
कृषि उपज मंडी समिति कोटा
जिला बिलासपुर

संवाद - 48027/1

सही/-
भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति कोटा
जिला बिलासपुर

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कुनकुरी (छ.ग.)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक **23.06.2026,** (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है -

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत जी.एस.टी. छोड़ कर (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
192067	01/व.ले.लि /2026-27 दिनांक 02.06.2026	जशपुर जिले के विकासखंड-फरसाबहार की ग्राम पंचायत दलटोली कोकिया व्यपवर्तन योजना का नहर जीर्णोद्वार, पुराने स्ट्रक्चर का मरम्मत तथा नये स्ट्रक्चर का निर्माण, सी.सी. लायनिंग एवं चौनल निर्माण कार्य।	1354.13	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **09.06.2026**, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट- 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 एवं दिनांक 08.08.2025 के जारी संशोधन के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कुनकुरी (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार
जल संसाधन विभाग, अंबिकापुर, (छ.ग.)

जी- 262701171/6

दो कदम प्रकृति की ओरः गौरैया, जल और हरियाली बचाने का जन अभियान बना मिसाल

जयदेव सिंह

महासमुंद/नवप्रदेश। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में जहां अधिकांश लोग प्रकृति और बेजुबान जीव-जंतुओं की चिंता करने का समय नहीं निकाल पा रहे हैं, वहीं महासमुंद जिले के बागबाहरा विकासखंड के ग्राम आमाकोनी की 'टीम दो कदम प्रकृति की ओर समिति' पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने में जुटी हुई है। पिछले एक दशक से समिति के सदस्य बिना किसी प्रचार-प्रसार की अपेक्षा के धरातल पर सक्रिय रहकर पेड़-पौधों, पक्षियों, जल स्त्रोतों और गोवंश संरक्षण के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं।

समिति ने पर्यावरण संरक्षण को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और जीवनशैली का हिस्सा बना लिया है। यही कारण है कि आज उनके प्रयासों की चर्चा न केवल महासमुंद जिले में बल्कि प्रदेश और देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंच रही है।

■ 10 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण की अलख जगा रही आमाकोनी की टीम

■ 9 गांवों को बनाया 'गौरैया ग्राम', देशभर तक पहुंचा पक्षियों का बसेरा

पौधारोपण नहीं, पौधों को पेड़ बनाने का संकल्प

समिति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह केवल पौधारोपण कर फोटो खिंचवाने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित करती है। वर्षों पहले लगाए गए पौधे आज विशाल वृक्ष बनकर लोगों को छाया, शुद्ध हवा और फल प्रदान कर रहे हैं। समिति के संस्थापक एवं टीम लीडर संजय साहू, जो पेशे से फार्मासिस्ट हैं, बताते हैं कि प्रकृति को हरा-भरा बनाने के लिए उनकी टीम हर वर्ष सैकड़ों पौधे लगाती है।

गौरैया बचाने की मुहिम बनी पहचान

बढ़ते शहरीकरण और आधुनिक निर्माण शैली के कारण गौरैया सहित कई छोटे पक्षियों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है। इन पक्षियों को सुरक्षित आश्रय और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समिति ने विशेष अभियान शुरू किया है। समिति द्वारा गांव-गांव में पक्षियों के लिए विशेष रूप से तैयार मिट्टी के बसेरे (नेस्ट बॉक्स) लगाए जा रहे हैं, ताकि गौरैया और अन्य पक्षियों को प्राकृतिक आवास मिल सके। यही नहीं, गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी और दाना उपलब्ध कराने के लिए मिट्टी के सकोरे भी वितरित किए जा रहे हैं। समिति के प्रयासों का परिणाम है कि अब तक 9 गांवों को 'गौरैया ग्राम' के रूप में विकसित किया जा चुका है। पक्षियों के लिए तैयार किए गए मिट्टी के बसेरे अब छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ-साथ देश के कई राज्यों तक पहुंच चुके हैं। समिति का लक्ष्य है कि 'हर घर हो बसेरा', ताकि पक्षियों को सुरक्षित घोंसला बनाने के लिए स्थान मिल सके।

जल संरक्षण और गौसेवा को भी बनाया मिशन

समिति का मानना है कि जल और प्रकृति एक-दूसरे के पूरक हैं। इसी सोच के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन और जल के सदुपयोग को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके साथ ही भीषण गर्मी में बेसहारा गोवंश के लिए पानी की व्यवस्था करना भी समिति की प्राथमिकताओं में शामिल है। समिति के सदस्य विभिन्न स्थानों पर पानी की टंकियां और पात्र रखकर गोवंश की प्यास बुझाने का कार्य कर रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस

सनातन परंपरा का संदेश प्रकृति ही परम पूज्य

■ पीपल से गंगा तक, सनातन संस्कृति का हर मंत्र पर्यावरण के नाम

विश्व आज पर्यावरण संरक्षण की चिंता में डूबा हुआ है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता प्रदूषण, घटते वन और जल संकट मानव सभ्यता के सामने गंभीर चुनौती बनकर खड़े हैं। वैज्ञानिक आज लोगों से वृक्ष लगाने, जल बचाने और प्रकृति के संरक्षण का आह्वान कर रहे हैं। यह निस्संदेह आवश्यक भी है, किंतु भारतीय सनातन संस्कृति के लिए यह कोई नई सीख नहीं है। जिस विषय को आधुनिक विज्ञान आज मानव अस्तित्व की शर्त बता रहा है, उसे हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पहले जीवन का आधार मानकर धर्म और आस्था से जोड़ दिया था।

देवेंद्र किशोर गुप्ता
पत्रकार

सनातन धर्म संसार का ऐसा जीवन-दर्शन है जिसका न आदि है और न अंत। इसमें प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि साक्षात् देवत्व का स्वरूप माना गया है। हमारे यहां धरती को ÷माता÷ कहा गया, नदियों को ÷देवी÷ का स्थान मिला, सूर्य को जीवनदाता और अग्नि को पवित्रता का प्रतीक माना गया। वायु, जल, आकाश, अग्नि और पृथ्वी। इन पंचमहाभूतों को सृष्टि का आधार बताकर उनकी पूजा और सम्मान की परंपरा विकसित की गई। यह केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं था, बल्कि प्रकृति संरक्षण का अत्यंत वैज्ञानिक और व्यावहारिक मार्ग था।

भारतीय समाज में पीपल, बरगद, नीम, तुलसी जैसे वृक्षों को पूजनीय माना गया। वट सावित्री, तुलसी विवाह, आंवला नवमी और हरियाली से जुड़े अनेक पर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं हैं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के माध्यम हैं। जिस पीपल को हमारे पूर्वजों ने पूजनीय माना, आज विज्ञान उसे प्रचुर मात्रा में ऑक्सीजन देने वाला वृक्ष बताता है। जिस जल को हमारे धर्मग्रंथों ने पवित्र कहा, आज वैज्ञानिक उसके संरक्षण को मानव जीवन की अनिवार्यता मान रहे हैं।

सनातन परंपरा केवल वृक्षों और नदियों तक सीमित नहीं है। यहां गौ, नाग, वानर, हाथी और अनेक जीव-जंतुओं को भी सम्मान और संरक्षण का स्थान मिला है। यह भावना सिखाती है कि प्रकृति का प्रत्येक जीव सृष्टि के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब मनुष्य स्वयं को प्रकृति का स्वामी नहीं, बल्कि उसका एक अंग मानता है, तभी वास्तविक पर्यावरण संरक्षण संभव होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम पर्यावरण बचाने के लिए केवल सरकारी अभियानों या एक दिन के कार्यक्रमों तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी उन सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटें जिन्होंने सदियों तक प्रकृति और मानव के बीच संतुलन बनाए रखा। हमारी परंपराएं हमें सिखाती हैं कि प्रकृति का शोषण नहीं, उसका सम्मान और संरक्षण ही मानव कल्याण का मार्ग है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर यह स्मरण करना आवश्यक है कि भारत की सनातन संस्कृति ने सदियों पहले ही वह मार्ग दिखा दिया था, जिसकी ओर आज पूरा विश्व बढ़ने का प्रयास कर रहा है। यदि हम अपनी संस्कृति, अपने संस्कार और अपनी आस्था में निहित प्रकृति-प्रेम को पुनः जीवन में उतार लें, तो पर्यावरण संरक्षण कोई अभियान नहीं, बल्कि जीवन शैली बन जाएगा। प्रकृति की रक्षा केवल भविष्य की पीढ़ियों के लिए नहीं, बल्कि स्वयं मानव सभ्यता के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। और इस सत्य को सनातन परंपरा ने बहुत पहले समझ लिया था।

सूनी कॉलोनियां हुईं हरी-भरीः जनजागरण सेवा समिति ने शहरी वृक्षारोपण की मिसाल पेश कर जगाई उम्मीद

हरियाली की अनोखी मुहिमः 197 में से 150 पौधे बने छायादार पेड़, जनजागरण समिति बनी मिसाल

राजेश रायचुरा

धमतरी/नवप्रदेश। 'जनजागरण सेवा समिति' ने अपनी और जनसहयोग से यह साबित कर दिखाया है कि अगर नीयत साफ हो, तो पौधों को पेड़ बनते देर नहीं लगती। जनजागरण सेवा समिति के माध्यम से साल 2019 में शहरी वृक्षारोपण की शुरुआत की गई थी। समिति के सदस्यों ने पहले शहर के विभिन्न वार्डों और कालोनियों का सर्वे किया और यह चिन्हांकित किया कि कहाँ-कहाँ पौधों को सुरक्षित रखकर पेड़ बनाया जा सकता है। इसके बाद वन विभाग से पौधों की मांग की गई और शहर की अन्य सामाजिक संस्थाओं को साथ जोड़कर सुबह के समय पौधारोपण का महाअभियान शुरू हुआ। इस अभियान की शुरुआत इंद्रप्रस्थ कालोनी से की गई थी। इसके बाद कृदत्त कालोनी, आकाशगंगा, अंबेडकर वार्ड, विवेकानंद कालोनी और पंचवटी कालोनी,मैत्री विहार कॉलोनी, शांति कॉलोनी,जैसी जगहों को हरा-भरा करने का बीड़ा उठाया गया।

पूर्व कलेक्टर ने भी की थी सराहनाः तत्कालीन कलेक्टर रजत बंसल ने समिति के इस प्रयास की काफी सराहना की थी। उन्होंने समिति का हौसला बढ़ाते हुए कहा था कि आमतौर पर शहरी क्षेत्रों में वृक्षारोपण सबसे कम सफल होता है क्योंकि यहाँ पौधों की सुरक्षा भगवान भरोसे रहती है। लेकिन समिति ने जिस जिम्मेदारी से काम किया, उसके लिए प्रशासन ने उन्हें पूरा सहयोग दिया।

ऐप हुआ बंद, पर समिति की मेहनत आज भी 'जिंदा'

तत्कालीन कलेक्टर के निर्देश पर पौधों की जियो-टैगिंग (त्द्ध्र्-अङ्घ्द्द्ध्द्द) के लिए 'धनहा धमतरी' नाम से एक मोबाइल ऐप तैयार किया गया था, जिसके जरिए समिति ने 197 पौधों की जियो-टैगिंग की थी। हालांकि, अधिकारियों के तबादले के बाद विभाग ने इस ऐप को अपडेट नहीं किया और आज वह ऐप पूरी तरह बंद (जीरो) हो चुका है। लेकिन सरकारी ऐप बंद होने के बावजूद जमीन पर समिति की मेहनत आज भी लहलहा रही है।

आधे पैसे अपनी जेब से लगाए, ट्री-गार्ड भी लगाए

समिति के मितेश जैन ने बताया कि उनके पास कोई सरकारी फंड नहीं था। उन्होंने आधे पैसे खुद की जेब से लगाए और आधा जनसहयोग से जुटाया। साल 2019 और 2020 में लगाए गए इन पौधों को मवेशियों से बचाने के लिए ट्री-गार्ड के ऊपर 2-2 फीट की लोहे की जाली लगाई गई ताकि गाय या बकरी उन्हें नुकसान न पहुँचा सकें। इसी कड़ी मेहनत का नतीजा है कि साल 2022 तक आते-आते 197 पौधों में से लगभग 150 पौधे आज विशाल पेड़ बन चुके हैं। समिति आज भी अपने स्तर पर हर साल पौधारोपण का यह सिलसिला जारी रखे हुए है।

युथ हॉस्टल ने उठाए पर्यावरण पर सवाल

हाल ही में शहर में सड़क चौड़ीकरण या अन्य निर्माण के नाम पर काटे जा रहे पेड़ों को लेकर 'युथ हॉस्टल' के सदस्यों ने भी चिंता जताई है। सड़क चौड़ीकरण के दौरान शहर में हो रही वृक्षों की कटाई को रोकने यूथ हॉस्टल ने ष्ठस्नह्र सहित कलेक्टर, महापौर को ज्ञापन दिया है। जिसमें वर्तमान में पेड़ों की कटाई को रोकने,इसका विकल्प तलाशने का अनुरोध किया गया है। वर्तमान में रत्नाबांधा रोड, सिहावा रोड, कोलियारी रोड मार्गों पर सड़क चौड़ीकरण के नाम पर हरे-भरे, दशकों पुराने वृक्षों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है।

सूरज का ताप बढ़ता जा रहा शीतलता की ज्यादा जरूरत

■ **भीषण गर्मी और असंवेदनशीलताः** वर्तमान में पूरा क्षेत्र भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। ऐसे समय में जब नागरिकों को छांव और शीतलता की सबसे ज्यादा जरूरत है, ठीक विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के पहले इस तरह पेड़ों को काटना उचित नही है।

■ **पर्यावरण का अपूरणीय नुकसानः** काटे जा रहे वृक्ष केवल लकड़ी नहीं हैं, बल्कि वे धमतरी के पर्यावरण के फेफड़े हैं, जो तापमान को नियंत्रित रखते हैं। इनके नष्ट होने से शहर का जलस्तर और गिरेगा तथा गर्मी और भयानक रूप ले लेगी।

■ **वैकल्पिक रास्तों की अनदेखीः** मानना है कि विकास और पर्यावरण में संतुलन होना अनिवार्य है। बिना किसी ठोस 'ट्री ट्रांसप्लांटेशन' (वृक्षों को सुरक्षित दूसरी जगह लगाने) की योजना के, सीधे कुल्हाड़ी चला देना न्यायसंगत नहीं है।आप धमतरी जिले में वन एवं पर्यावरण के सर्वोच्च संरक्षक हैं। इसलिए धमतरी की जनता और हमारी संस्था आपसे बहुत बड़ी और स्वाभाविक आशाएं रखती है।

वृक्षों की कटाई पर तत्काल रोक लगाई जाए

यूथ हॉस्टल के पदाधिकारी हुकुमचंद जैन, योगेश गुप्ता,मनीष चंद्राकर, सुबोध महावर ने डीएफओ सहित कलेक्टर, महापौर को आवेदन देते अपील की है कि इन सभी मार्गों पर चल रही वृक्षों की कटाई पर तत्काल रोक लगाई जाए। सड़क निर्माण एजेंसियों को पाबंद किया जाए कि वे कम से कम पेड़ों को नुकसान पहुंचाने वाला डिजाइन तैयार करें।

पेड़ों को काटने के बजाए ट्रांसप्लांट किया जाए

पेड़ बहुत अनिवार्य रूप से हटाए जाने हैं, उन्हें काटने के बजाय आधुनिक तकनीकों से लोकेट/ट्रांसप्लांट (दूसरी जगह जीवित रोपित) किया जाए। काटे गए प्रत्येक वृक्ष के बदले नियमानुसार 10 नए पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की समयबद्ध योजना सार्वजनिक की जाए। यदि इस संवेदनशील विषय पर शीघ्र ही सकारात्मक कदम उठाने की जरूरत है।

खाकी का हरित संकल्पः धरती को हरा-भरा रखने की जिद

सुप्रीत शर्मा

बालोद/नवप्रदेश। आमतौर पर पुलिस की पहचान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण से जुड़ी होती है, लेकिन खड़गांव थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार यादव ने अपने कार्यकाल के दौरान यह साबित कर दिया कि खाकी वर्दी समाज और प्रकृति की सेवा का भी सशक्त माध्यम बन सकती है। जनवरी 2025 से मई 2026 तक खड़गांव थाना प्रभारी के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने पुलिस दायित्वों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया।

बरगद और पीपल के पौधों से शुरू की हरित क्रांतिः प्रकृति के प्रति उनके विशेष लगाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिले में बरगद और पीपल के पौधे उपलब्ध नहीं होने पर उन्होंने स्वयं दुर्ग की नर्सरी से लगभग 20 पौधे मंगवाए। वर्ष 2025 में इन पौधों का रोपण राष्ट्रीय राजमार्ग -930 के किनारे तथा आसपास के तालाबों के तटों पर कराया गया। सिर्फ पौधारोपण तक ही उनका प्रयास सीमित नहीं रहा। उन्होंने थाना स्टाफ की मदद से प्रत्येक पौधे के चारों ओर मजबूत सुरक्षा घेरा तैयार करवाया ताकि पशुओं या अन्य कारणों से पौधों को नुकसान न पहुंचे। इसके बाद नियमित रूप से पौधों की देखभाल, सिंचाई और खाद की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई।

हर सप्ताह करते रहे निगरानी और संरक्षण

अक्सर देखा जाता है कि पौधारोपण अभियान केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं, लेकिन निरीक्षक संजय कुमार यादव ने इसे एक जिम्मेदारी के रूप में लिया। वे स्वयं समय-समय पर पौधों का निरीक्षण करते रहे और थाना स्टाफको भी उनकी देखभाल के लिए प्रेरित करते रहे। हर सप्ताह पौधों में पानी और खाद डालने की व्यवस्था की जाती रही, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश पौधे स्वस्थ रूप से विकसित हो रहे हैं।

बच्चों और ग्रामीणों को बनाया पर्यावरण का प्रहरी

पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में उन्होंने केवल पुलिस कर्मियों को ही नहीं जोड़ा, बल्कि आम नागरिकों और स्कूली बच्चों को भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। विभिन्न अवसरों पर उन्होंने विद्यार्थियों और ग्रामीणों को पौधों के महत्व, जल संरक्षण और स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। बच्चों में प्रारंभ से ही प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाए तो आने वाली पीढ़ियां पर्यावरण संरक्षण की मजबूत आधारशिला बन सकती हैं।

पर्यावरण दिवस पर प्रेरणादायक उदाहरण

5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर निरीक्षक संजय कुमार यादव का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणा का विषय है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं, तब एक पुलिस अधिकारी द्वारा अपनी जिम्मेदारियों के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर उसे धरातल पर उतारना वास्तव में अनुकरणीय है। उनकी पहल यह संदेश देती है कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर कुछ पौधों की जिम्मेदारी लेकर उनकी देखभाल करे तो हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का सपना आसानी से साकार हो सकता है। खड़गांव में लगाए गए बरगद और पीपल के पौधे आज केवल वृक्ष नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मेदार पुलिस अधिकारी की दूरदर्शी सोच और प्रकृति प्रेम के जीवंत प्रतीक बन चुके हैं।

छत्तीसगढ़ को चाहिए पर्यावरण संरक्षण का नया जनआंदोलन

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम है– 'Inspired by NatureÑ For Climate, For Our Future' अर्थात् 'प्रकृति से प्रेरित होकर जलवायु और भविष्य की रक्षा।' यह केवल एक वैश्विक संदेश नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ जैसे प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी और अवसर दोनों है। प्रकृति हमें संतुलन का पाठ पढ़ाती है, किंतु विकास की तेज रफ्तार में हम कहीं न कहीं इस संतुलन से दूर होते जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख वनाच्छादित राज्यों में शामिल है। यहां प्रचुर वन संपदा, जैव विविधता, नदियां, जलाशय और प्राकृतिक संसाधन मौजूद हैं। इसके बावजूद बढ़ते शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, खनन गतिविधियों, वाहनों की संख्या में वृद्धि तथा बदलती जीवनशैली ने पर्यावरण पर दबाव बढ़ाया है। राजधानी रायपुर इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। एक समय तालाबों और हरियाली के लिए पहचाना जाने वाला शहर आज बढ़ती गर्मी, धूल प्रदूषण, यातायात दबाव और सिकुड़ती खुली जगहों की चुनौती से जूझ रहा है।

प्रशांत कुमार पांडेय
शिक्षाविद् एवं पर्यावरण प्रेमी
रायपुर, छत्तीसगढ़

पिछले कुछ वर्षों में रायपुर सहित प्रदेश के अनेक शहरों में तापमान लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। यह केवल वैश्विक जलवायु परिवर्तन का परिणाम नहीं है। कंक्रीट का बढ़ता विस्तार, पेड़ों की कमी, भूजल का अत्यधिक दोहन, जलस्त्रोतों का क्षरण तथा निर्माण गतिविधियों से उत्पन्न धूल भी इसके लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि यदि शहरों में हरित क्षेत्र और जलस्त्रोत लगातार कम होते रहे तो भविष्य में जल संकट और तापमान वृद्धि दोनों गंभीर चुनौती बन सकते हैं।

ऐसे समय में रायपुर का ऑक्सीज़ोन एक प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आता है। कलेक्ट्रेट एवं पंडरी क्षेत्र के समीप लगभग 19 एकड़ क्षेत्र में विकसित यह हरित परिसर कभी पुराने सरकारी भवनों और अनुपयोगी संरचनाओं से घिरा हुआ था। तत्कालीन कलेक्टर श्री ओम प्रकाश चौधरी के कार्यकाल में प्रशासनिक इच्छाशक्ति, दूरदर्शी सोच और जनसहयोग के साथ इस क्षेत्र को शहर के ÷ग्रीन लंग्स÷ अर्थात हरित फेफड़ों के रूप में विकसित करने की पहल की गई। लगभग 70 पुराने भवनों को हटाकर विकसित किया गया यह क्षेत्र आज हजारों नागरिकों को स्वच्छ वातावरण, हरियाली और प्रकृति के निकट समय बिताने का अवसर प्रदान कर रहा है। ऑक्सीज़ोन यह सिद्ध करता है कि यदि इच्छाशक्ति हो तो शहरी विकास और पर्यावरण संरक्षण को साथ-साथ आगे बढ़ाया जा सकता है।

बस्तर में हरियाली की अलख जगाने वाला एक पर्यावरण योद्धा ट्री मैन संपत झा

जगदलपुर/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जब पूरी दुनिया पर्यावरण संरक्षण की बात कर रही है, तब बस्तर की धरती पर एक ऐसा नाम है जिसने केवल संदेश देने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि अपने जीवन को ही पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया।

यह नाम है 'ट्री मैन' और 'वृक्ष मित्र' के रूप में पहचान बना चुके संपत झा का। प्रकृति और मानव के सह-अस्तित्व की अवधारणा को केंद्र में रखकर संपत झा ने बस्तर में जो कार्य किया है, वह प्रेरणादायक होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी है। उन्होंने हजारों पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण और संवर्धन को अपनी जीवन साधना बना लिया है। उनका मानना है कि केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखते हुए वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल करना वास्तविक पर्यावरण सेवा है।बचपन के संस्कारों से शुरू हुआ हरियालीका सफर संपत झा के पर्यावरण प्रेम की जड़ें उनके बचपन से जुड़ी हैं।

उनके पिता वन विभाग में कार्यरत थे,जिसके कारण उनका अधिकांश बचपन वन क्षेत्रों में बीता। पिता द्वारा सुनाई जाने वाली जंगल, वन्यजीव और पेड़ों की कहानियों ने बाल मन पर गहरी छाप छोड़ी। यही संस्कार समय के साथ प्रकृति के प्रति गहरे लगाव में बदल गए। छात्र जीवन में प्रवेश के साथ उन्होंने अपने साथियों और सहपाठियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने का अभियान शुरू किया। स्काउट और अन्य सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने युवाओं को प्रकृति से जोड़ने का कार्य किया। धीरे-धीरे पर्यावरण संरक्षण उनका व्यक्तिगत लक्ष्य नहीं बल्कि जीवन का ध्येय बन गया।

संपत झा का पर्यावरण मिशन

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं संवर्धन,जैव विविधता और प्राकृतिक ईको सिस्टम की सुरक्षा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता,वृक्ष मित्र अभियान के जरिए पौधों की सुरक्षा,आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित विरासत का निर्माण,रोपण के साथ संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता।

20 हजार से अधिक पौधों का रोपण, संरक्षण पर विशेष जोर

संपत झा अब तक 20 हजार से अधिक पौधों का रोपण कर चुके हैं। लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे प्रत्येक पौधे के संरक्षण को उतना ही महत्व देते हैं जितना उसके रोपण को। उन्होंने पौधों की देखभाल के लिए 'वृक्ष मित्र' अभियान शुरू किया, जिसके तहत लोगों को पौधों की जिम्मेदारी सौंपी जाती है।आज बड़ी संख्या में वृक्ष मित्र इस अभियान से जुड़े हुए हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। नगर की विभिन्न शालाओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों को इस अभियान से जोड़कर उन्होंने सामुदायिक सहभागिता का एक प्रभावी मॉडल विकसित किया है। संपत झा का मिशन स्पष्ट है– प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, जैव विविधता की रक्षा, पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति को सुरक्षित रखना। बिना किसी आर्थिक सहायता के,अपने संसाधनों और संकल्प के बल पर निरंतर चल रहे उनके इस अभियान ने उन्हें बस्तर में एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। आज स्थानीय लोग उन्हें सम्मानपूर्वक 'ट्री मैन' के नाम से जानते हैं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि यदि संकल्प मजबूत हो तो एक व्यक्ति भी समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com